CHOICE OF MILLIONS
SHERKOTTI
HARDWARE & PAINT TOOLS
BEST SELLER
SPRAY PAINT
www.charminarbrush.com
9440297101

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 225 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.6 2081 गुरुवार, 7 नवंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केरल में महिला कांग्रेस नेताओं के कमरों में छापेमारी

केरल, 6 नवंबर (एजेंसियां)। केरल उपचुनाव से पहले पुलिस ने देर रात महिला कांग्रेस नेताओं के कमरों में छापेमारी की है। चुनावी प्रचार के लिए पलक्कड़ आईं कांग्रेस नेता बिंदु कृष्णा और शनिमोल उस्मान एक होटल में ठहरी थीं। इस दौरान पुलिस ने उनके कमरों मे तलाशी की। पुलिस को शक है कि चुनावी प्रचार में काले धन के इस्तेमाल किया जा रहा है।

हालांकि जांच में पुलिस को कुछ नहीं मिला है। इस छापेमारी का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को इसके विरोध में पुलिस चीफ के ऑफिस के बाहर विरोध मार्च निकाला है। उन्होंने होटल के सीसीटीवी फुटेज के जांच की मांग की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि होटल में भाजपा नेता भी मौजूद थे, लेकिन पुलिस ने उनकी तलाशी नहीं ली।

मेरे दोस्त ट्रंप को ऐतिहासिक जीत पर बधाई : पीएम

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार दोपहर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में जीत के लिए डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं।

पीएम मोदी ने कहा, 'मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। आपके पिछले कार्यकाल की सफलताओं की तरह ही, मैं भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने के लिए हमारे सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं. आइए मिलकर अपने लोगों के कल्याण, वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम करें।' इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में समर्थकों को संबोधित करते हुए अपनी जीत का एलान किया।

अमेरिका में चुनाव : ट्रम्प को बहुमत

47वें राष्ट्रपति बनेंगे

> दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहले राष्ट्रपति जो हारकर फिर जीते > कमला कड़ी टक्कर के बाद भी हारीं

वॉशिंगटन, 6 नवंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्हें 538 में से 277 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 270 सीटों से 7 ज्यादा हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 224 सीटें ही जीत पाईं। ट्रम्प 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे और 2020 में जो बाइडेन से हार गए थे। ताजा नतीजों के बाद ट्रम्प दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहले राजनेता हैं, जो 4 साल के गैप के बाद दोबारा राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला कैंडिडेट को हराया है। दिलचस्प फैक्ट यह भी है कि 2016 और 2024 के अलावा कभी भी कोई महिला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ी है। दोनों ही बार ट्रम्प ही चुनाव जीते हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के साथ संसद के दोनों सदन सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के भी चुनाव हुए हैं। सीनेट में 100 सीटें हैं। इसकी एक तिहाई सीटों पर हर 2 साल में चुनाव होते हैं। इस बार 34 सीटों पर चुनाव हुए। ताजा नतीजों के साथ रिपब्लिकन पार्टी ने 51 सीटें हासिल कर ली हैं, जो बहुमत के बराबर हैं। इससे पहले उसके पास 49 सीटें थीं। रिपब्लिकन पार्टी ने हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में भी बहुमत हासिल कर लिया है। इसकी 435 सीटों के लिए हर 2 साल में चुनाव होते हैं। बहुमत के लिए 218 सीटें जरूरी होती हैं। रिपब्लिकन पार्टी 195 और डेमोक्रेटिक पार्टी 176 सीटें हासिल कर चुकी है।

'अमेरिका में स्वर्णिम काल लेकर आएंगे'

वॉशिंगटन, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है। जीत के बाद उन्होंने अपने समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अमेरिका की जनता का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि यह जीत अविश्वसनीय और ऐतिहासिक है। हम अमेरिका की भलाई के लिए काम करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि ये पल इस देश को फिर से मजबूत करने में मदद करेंगे। फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच कन्वेंशन सेंटर में अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा कि 'मैं हर दिन आपके लिए लड़ूंगा और अमेरिका में स्वर्णिम काल लेकर आएंगे।'

ट्रंप ने फ्लोरिडा में समर्थकों से कहा कि 'मैं आपका 47वां राष्ट्रपति हूं। ऐसी राजनीतिक जीत पहले कभी नहीं देखी गई।' भारी जीत की कगार पर खड़े रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप ने अपने समर्थकों का शुक्रिया अदा किया और इसे अमेरिकी लोगों की शानदार जीत बताया।

मूडा केस में सिद्धारमैया से दो घंटे तक पूछताछ

लोकायुक्त पुलिस ने पूछे सवाल, भाजपा ने मांगा इस्तीफा

बंगलूरू, 6 नवंबर (एजेंसियां)। लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को मूडा साइट आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से पूछताछ की। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सिद्धारमैया एक समन के जवाब में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए और लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) टीजे उदेश के नेतृत्व वाली टीम के सवालों के जवाब दिए। लोकायुक्त के एक अधिकारी ने बताया कि पूछताछ करीब दो घंटे तक चली। इस बीच मैसूर में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश होने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकायुक्त सीबीआई की तरह एक स्वतंत्र एजेंसी है। मैंने लोकायुक्त द्वारा पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। मेरे जवाब को लोकायुक्त ने रिकॉर्ड कर लिया है। वे आगे की जांच करेंगे। मेरी पत्नी ने उन साइटों को यह कहते हुए वापस कर दिया है कि मेरे खिलाफ आरोप हैं। लोकायुक्त पुलिस की प्राथमिकी में आरोपी संख्या एक के रूप में नामित मुख्यमंत्री पर एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बीएम को 14 जगहों का आवंटन किए जाने में अनियमितताओं का आरोप है। 25 अक्तूबर को उनकी पत्नी से पूछताछ की गई थी, जिन्हें आरोपी संख्या दो बनाया गया है। सिद्धरमैया, उनकी पत्नी, उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू और अन्य का नाम मैसूर स्थित लोकायुक्त पुलिस द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी में दर्ज है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 370 बहाली का प्रस्ताव पास

श्रीनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने राज्य के स्पेशल स्टेटस (अनुच्छेद 370) को फिर से बहाल करने का प्रस्ताव पास कर दिया है। हालांकि, बीजेपी विधायकों ने इसका विरोध किया और प्रस्ताव की कॉपियां फाड़ दीं। विधायक वेल में जाकर नारेबाजी करते रहे। बीजेपी का आरोप था कि स्पीकर ने मंत्रियों की बैठक बुलाई और खुद ही प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया। इसके बाद विधायकों ने बेंच पर चढ़कर हंगामा किया। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं बीजेपी अध्यक्ष सत शर्मा की अगुआई में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय में इकट्ठा होकर जम्मू-कश्मीर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी का पुतला भी जलाया। भाजपा ने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर के लोगों को गुमराह कर रही है और कहा कि कोई भी विधानसभा अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकती।

शरद और अजित पवार की एनसीपी को सुप्रीम कोर्ट ने दी नसीहत

अदालतों में समय बर्बाद न करें, वोट मांगें

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में जारी विधानसभा चुनाव की सगर्मियों के बीच शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के राजनीतिक दलों-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को नसीहत दी है। अदालत ने दोनों पक्षों से कहा कि चुनावी माहौल के बीच अदालतों में अपना समय बर्बाद न करें। अदालत ने दोनों दलों से कहा कि जमीन पर जाएं और मतदाताओं को अपनी नीतियों से प्रभावित कर उनके वोट मांगें।

उच्चतम न्यायालय ने अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा को 36 घंटे के भीतर अखबारों में यह 'डिस्क्लेमर' जारी करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने साफ किया कि एनसीपी को 'घड़ी' चुनाव चिह्न आवंटित करने का मामला अदालत में विचाराधीन है, यह सूचना स्पष्ट रूप से प्रकाशित करानी होगी। महाराष्ट्र में इस बार सियासी मुकाबला बेहद दिलचस्प होने के आसार हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लगभग 25 महीने पहले जून, 2022 में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिरी थी। इसके बाद भाजपा समर्थित सरकार बनी। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दो-फाड़ होने के बाद राज्य में पहली बार विधानसभा चुनाव होंगे। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार के पास 202 विधायकों का समर्थन है। 102 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। अजीत पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 40 विधायक हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 38 विधायक हैं। 14 निर्दलीय विधायकों ने भी एनडीए सरकार को समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार को पांच अन्य छोटे दलों का समर्थन भी हासिल है।

महाराष्ट्र में विपक्षी खेमा कितना मजबूत

इसके अलावा विपक्षी खेमे (महाविकास अघाड़ी-एमवीए) में कुल 71 विधायक हैं। विपक्ष में कांग्रेस 37 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है।

इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना के 16 विधायक हैं। वरिष्ठ राजनेता शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) के 12 विधायक हैं। समाजवादी पार्टी के दो, सीपीआईएम और पीडब्लूपीआई के एक-एक विधायक हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दो विधायक भी विपक्षी खेमे में हैं। 15 विधानसभा सीटें खाली

अनियंत्रित होकर पलटा टेम्पो, 10 की मौत

हरदोई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। हरदोई जिले के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र में एक टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में दस लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि पांच गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि हादसा रोशनपुर के पास बिल्हौर-कटरा स्टेट हाईवे पर हुआ है। यहां एक डीसीएम के अचानक सामने आने से टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू शुरू किया है।

जाति जनगणना जरूर होगी : राहुल गांधी

नागपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने कहा, 'देश में जाति जनगणना होगी और इससे दलितों, ओबीसी और आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय का पता चलेगा। जाति जनगणना से सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। सभी को पता चल जाएगा कि उनके पास कितनी शक्ति है और हमारी भूमिका क्या है। जाति जनगणना विकास का प्रतिमान है। उन्होंने कहा कि हम 50% (आरक्षण सीमा) की दीवार भी तोड़ देंगे।' राहुल बुधवार (6 नवंबर) को नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा-हमें देश को बताना होगा कि हम देश में हाशिए पर पड़े 90% लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए लड़ रहे हैं।

कांग्रेस ने आज से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार शुरू किया है। कांग्रेस महाविकास अघाड़ी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। उसने 103 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारा है। हम हर सम्मेलन में अंबेडकर जी, गांधी जी, साहू महाराज जी समेत कई महान लोगों के बारे में बात करते हैं। लेकिन सच्चाई ये है कि जब हम इनकी बात करते हैं तो सिर्फ एक व्यक्ति की बात नहीं होती। क्योंकि इन महापुरुषों की बातों में भी करोड़ों लोगों की आवाज रहा करती थी। वे जब बोलते थे तो दूसरों का दुख, दर्द उनके मुंह से निकलता था। जब आप अंबेडकर की किताबें पढ़ेंगे तो साफ दिखेगा कि वे अपनी नहीं, दूसरों की बात कर रहे हैं। अंबेडकर, गांधी जी ने कभी अपना दर्द नहीं देखा, वे सिर्फ लोगों के दर्द की बात करते हैं। जब हिंदुस्तान ने अंबेडकर जी से संविधान बनाने के लिए कहा, तो इसका मतलब था-संविधान में देश के करोड़ों लोगों का दर्द और उनकी आवाज गूंजनी चाहिए। संविधान के पीछे की सोच हजारों साल पुरानी है। इसमें जो लिखा है, वही भगवान बुद्ध, महात्मा गांधी, फुले जी जैसे अनेक महापुरुषों ने कही है। इसमें लिखा है कि सभी के बीच समानता होनी चाहिए, हर धर्म, हर भाषा, हर जाति का आदर होना चाहिए। राहुल गांधी ने क हा- डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने जो संविधान बनाया, वह केवल एक किताब नहीं है, बल्कि जीवन जीने का तरीका है। आरएसएस और भाजपा के लोग जब संविधान पर हमला करते हैं, तब वे देश की आवाज पर हमला कर रहे होते हैं।

भारत की निजी यात्रा पर ब्रिटेन के पूर्व पीएम ऋषि सुनक

बंगलूरू, 6 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इन दिनों भारत की निजी यात्रा पर हैं। बुधवार को ऋषि सुनक ने बंगलूरू के जयनगर इलाके में स्थित राघवेंद्र स्वामी मठ में अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ पूजा अर्चना की। इस दौरान सुनक के सास-ससुर, सुधा मूर्ति और एनआर नारायणमूर्ति भी मौजूद रहे। सुधा मूर्ति राज्यसभा की सदस्य हैं और एनआर नारायणमूर्ति देश की शीर्ष आईटी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक हैं। भगवान का आशीर्वाद लेते हुए सुनक दंपति की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही हैं। ऋषि सुनक ऐसे समय भारत आए हैं, जब हाल ही में कंजर्वेटिव पार्टी में ऋषि सुनक की जगह एक अश्वेत महिला केमी बेडेनॉक को पार्टी का नेता चुना गया है।

लड्डू विवाद के बाद टीटीडी के अध्यक्ष बने बीआर नायडू

> मंदिर में वेंकटेश्वर स्वामी के सामने ली शपथ

तिरुपति, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में हुए लड्डू प्रसादम विवाद के बाद राज्य सरकार ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट बोर्ड का गठन किया। इसके अध्यक्ष बीआर नायडू बनाए गए हैं। उन्होंने बुधवार को टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष के तौर पर शपथ ली। टीटीडी वेकंटेश्वर मंदिर का प्रबंधन संभालता है। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव ने बीआर नायडू को मंदिर के अंदर वेंकटेश्वर स्वामी के समक्ष शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने परिवार के साथ मंदिर के दर्शन किए।

कौन हैं बीआर नायडू?

अनुभवी मीडिया उद्यमी बोलिनेनी राजगोपाल नायडू (बीआर नायडू) हिंदू संस्कृति, मीडिया की स्वतंत्रता और सामाजिक कल्याण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। इस अध्यक्ष पद के लिए वह बहुत सारा अनुभव लेकर आए हैं। चित्तूर के साधारण किसान परिवार में जन्मे बीआर नायडू का ग्रामीण परिवेश से लेकर सफल व्यवसायी बनने तक का सफर उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। बीएचईएल में करियर के बाद उन्होंने बिजनेस में कदम रखा और ट्रैवल, मीडिया और एफएमसीजी में सफल बिजनेस स्थापित किए। बीएचईएल में जनरल सेक्रेटरी के रूप में 12,000 कर्मचारियों को संभालते हुए नायडू ने हमेशा उनकी सफलता के लिए प्रयास किया। बीआर नायडू की पत्नी विजयलक्ष्मी ने भी लंबे समय तक उसी पीएसयू में काम किया।

एनटीआर के समर्थन में किया आंदोलन

नायडू ने बीएचईएल के कल्चरल सेक्रेटरी के रूप में भी काम किया। इसके बाद उनको एनटी रामाराव से मिलने का मौका मिला। रामाराव से राजनीति में शामिल होने का भी आग्रह किया था। इसके बाद नायडू ने प्रजास्वामी पुनरुद्धार आंदोलन में एक्टिव रूप से भाग लिया। ये आंदोलन 1983 में शुरू हुआ था, जब आंध्र प्रदेश की राजनीति पर संकट छाया हुआ था। ये आंदोलन एनटीआर को प्रदेश का सीएम बनाने के समर्थन में शुरू हुआ था।

देशद्रोह समेत कई कार्रवाईयों से गुजरे

आंध्र प्रदेश में नायडू का टीवी पांच चैनल निष्पक्ष पत्रकारिता में सबसे आगे रहा है और लोगों के हितों की वकालत करता है। अमरावती राजधानी परियोजना के लिए भी उन्होंने मुखरता से अपनी बात रखी। पिछली सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ उनका रुख हमेशा से कड़ा रहा है और अपने इसी अडिग रुख के चलते उनको पिछली सरकारों की ओर से देशद्रोह समेत कई कार्रवाइयों का सामना करना पड़ा।

एक साल में लापता हो गए 75 में से 25 बाघ, जांच शुरू

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के रणथंभौर नेशनल पार्क में पिछले एक साल में 75 बाघों में से 25 बाघ लापता हो गए हैं। यह जानकारी राजस्थान के मुख्य वन्यजीव वार्डन पवन कुमार उपाध्याय ने पार्क अधिकारियों को दी। यह पहली बार है जब एक साल में इतनी बड़ी संख्या में बाघों के लापता होने की आधिकारिक रिपोर्ट सामने आई है। इससे पहले, जनवरी 2019 से जनवरी 2022 के बीच रणथंभौर नेशनल पार्क से 13 बाघ लापता होने की सूचना मिली थी।

लापता बाघों की जांच के लिए कमेटी बनी

सोमवार को वन्यजीव विभाग ने लापता बाघों की जांच के लिए तीन सदस्यीय एक समिति गठित की. यह समिति निगरानी रिकॉर्ड की समीक्षा करेगी और यदि पार्क अधिकारियों की ओर से कोई चूक पाई जाती है, तो कार्रवाई की सिफारिश करेगी. अधिकारियों ने बताया कि इस समय प्रमुख ध्यान उन 14 बाघों पर है, जो 17 मई से 30 सितंबर के बीच से गायब हो गए थे और जिनका अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। मुख्य वन्यजीव वार्डन पवन कुमार उपाध्याय ने कहा, समिति अपनी रिपोर्ट दो महीने के भीतर प्रस्तुत करेगी. हम कुछ निगरानी में खामियां पहचान चुके हैं, जिन्हें हम ठीक करना चाहते हैं. हाल ही में मैंने साप्ताहिक निगरानी रिपोर्ट्स एकत्र करना शुरू किया है, जिससे यह पता चला कि इन बाघों को ट्रैप कैमरों पर रिकॉर्ड नहीं किया गया. इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है।

कैबिनेट के बड़े फैसले : एफसीआई को मिलेंगे 10,700 करोड़

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत मेधावी छात्रों को सस्ते लोन

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का मकसद है कि मेधावी छात्रों की पढ़ाई में अड़चन न आए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पीएम विद्यालक्ष्मी योजना का लाभ एजुकेशन लोन में मिलेगा।

उन्होंने बताया कि जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई के लिए बैंकों से 10 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण सस्ती दरों पर लिया जा सकेगा। वैष्णव ने बताया कि मेधावी बच्चे बैंकों से लोन उच्च शिक्षण संस्थानों से पढ़ाई के लिए लोन ले सकेंगे। इस योजना के प्रभाव से अब पैसे की कमी के कारण बच्चों की उच्च शिक्षा में कोई अड़चन नहीं आएगी।

बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लोन लेना आसान बनेगा

शिक्षा ऋण गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान में प्रवेश लेने वाले छात्रों के पाठ्यक्रम से संबंधित ट्यूशन फीस और अन्य खर्चों की पूरी राशि को कवर करेगा। वैष्णव ने बताया कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों से समर्थन-मुक्त, गारंटर-मुक्त ऋण लिया जा सकेगा।

क्या है पीएम विद्यालक्ष्मी योजना?

वैष्णव ने बताया कि ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये है। इन परिवारों के छात्रों की पढ़ाई के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत 10 लाख रुपये तक के ऋण पर 37 ब्याज अनुदान मिलेगा। 7.5 लाख रुपये तक के ऋण पर भारत सरकार 75% क्रेडिट गारंटी देगी। उन्होंने कहा कि मिशन मोड तंत्र शिक्षा के विस्तार को सुगम बनाएगा। मेधावी बच्चों की पढ़ाई के अलावा कैबिनेट ने कई और अहम फैसले लिए हैं। वैष्णव ने बताया कि खाद्यान्न की खरीद में एफसीआई की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आज भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को मजबूत करने का निर्णय भी लिया गया। कैबिनेट ने एफसीआई को 10,700 करोड़ रुपये की नई इक्विटी पूंजी देने का निर्णय लिया है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक और गिरफ्तारी

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के हत्याकांड के मामले में एक और गिरफ्तारी की। मामले में यह 16वीं गिरफ्तारी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपराध शाखा के अधिकारी ने बताया कि एक और आरोपी को पकड़ा गया है।

हालांकि, उन्होंने इस गिरफ्तारी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। बाबा सिद्दीकी (66 वर्षीय) को 12 अक्तूबर को मुंबई के बांद्रा इलाके में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्या के पीछे जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को इस मामले में मुख्य आरोपी माना जा रहा है।

'पवार का इमोशनल कार्ड'

शरद पवार के राजनीति से संन्यास वाले बयान पर भाजपा का तंज

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मंगलवार को शरद पवार ने अपने एक बयान से ऐसे संकेत दिए हैं कि वह सक्रिय राजनीति से जल्द संन्यास ले सकते हैं। हालांकि भाजपा ने इसे शरद पवार की रणनीति करार दिया है और कहा है कि वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के वक्त ऐसे बयान देकर इमोशनल कार्ड खेल रहे हैं। वहीं शिवसेना यूबीटी ने शरद पवार के इस बयान पर कहा है कि देश में कोई ऐसा नेता नहीं है, जिनके पास शरद पवार जितना संसदीय अनुभव हो, वे उनके लिए प्रेरणा रहेंगे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय से जब शरद पवार के राजनीति से संन्यास संबंधी बयान को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'लोकसभा चुनाव के समय भी उन्होंने ऐसा कहा था। वह इमोशनल कार्ड खेल रहे हैं। इस बार भी वे चुनाव के समय ऐसे बयान दे रहे हैं और बाद में वे फिर राजनीति में सक्रिय रहेंगे।' गौरतलब है कि शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने भी कुछ ऐसा ही कहा कि ये पहली बार नहीं हो रहा है, जब शरद पवार ने राजनीति से संन्यास की बात कही है। राउत ने कहा कि 'यह पहली बार नहीं है कि पवार साहब ने कहा है कि वे राजनीति से संन्यास लेना चाहते हैं, लेकिन उनके समर्थक और जो लोग उन्हें प्यार करते हैं, वे उनसे संन्यास न लेने की अपील करते हैं। देश में कोई और राजनेता ऐसा नहीं है, जिसके पास 60 साल का संसदीय अनुभव हो। वह हमारे लिए प्रेरणा रहेंगे।'

गौरतलब है कि शरद पवार ने अपने बारामती दौरे के दौरान मंगलवार को अपने एक बयान में सक्रिय राजनीति से संन्यास के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा, 'मैं सत्ता में नहीं हूं। मैं राज्यसभा में हूं। मेरे पास अभी भी डेढ़ साल का वक्त बाकी है। डेढ़ साल बाद मुझे सोचना होगा कि राज्यसभा जाऊं या नहीं। लोकसभा तो मैं नहीं लड़ूंगा। कोई भी चुनाव नहीं लड़ूंगा। कितने चुनाव लड़े जाएं? अब तक 14 चुनाव हो चुके हैं। आपने (जनता ने) एक बार भी घर नहीं बैठाया मुझे। हर बार मुझे निर्वाचित कर रहे हैं तो कहीं तो थमना ही चाहिए। मैंने इस सूत्र पर काम करना शुरू कर दिया है कि नई पीढ़ी को अब आगे आना चाहिए।'

यमुना घाट पर नहीं होगी छठ पूजा

दिल्ली हाई कोर्ट का सुनवाई के बाद इजाजत देने से इनकार

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट में बुधवार (6 नवंबर 2024) को छठ पूजा के मसले पर दायर याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने यमुना के किनारे छठ पूजा करने को लेकर याची का पक्ष जानने के बाद पूजा करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि यमुना की हालत ऐसी नहीं है कि उसके अंदर जाकर पूजा की जाए। हाई कोर्ट ने ये भी कहा कि बीते दिनों एक व्यक्ति ने यमुना में डुबकी लगाई थी, जिसके बाद उसे दो दिन अस्पताल में आईसीयू में भर्ती होना पड़ा था। ऐसे हालात में पूजा की इजाजत देना उचित नहीं होगा।

2023 में यमुना किनारे नहीं हुई थी पूजा

दिल्ली के यमुना किनारे हमेशा से पूर्वांचल समाज के लोग छठ पूजा करते आए हैं, लेकिन पानी में बड़े पैमाने पर प्रदूषण की वजह से साल 2023 में भी छठी मैया के भक्त यमुना के किनारे पूजा नहीं कर पाए थे। पिछले साल भी यमुना नदी के तट पर छठ पूजा की अनुमति देने से हाई कोर्ट ने मना कर दिया था। एक साल पहले जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा था कि यह प्रतिबंध यमुना में प्रदूषण को रोकने के लिए है। अदालत के रुख को देखते हुए याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस लेने का अदालत से अनुरोध किया था। याची छठ पूजा संघर्ष समिति और पूर्वांचल जागृति मंच

ने दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के 29 अक्टूबर 2021 के आदेश को रद्द करने का निर्देश देने की मांग की थी। दिल्ली हाई कोर्ट से इजाजत नहीं मिलने के बाद दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने यमुना के तट पर छठ पूजा मनाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। बता दें कि छठ पूजा पूर्वांचल सहित देश भर के लोगों के लिए आस्था का पर्व है। यह एक ऐसा पर्व है, जिसमें सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों समय भगवान सूर्य को अर्घ दिया जाता है। यह पर्व सभी के कल्याण के मकसद से मनाया जाता है।

1000 स्थानों पर छठ पूजा की व्यवस्था- दिल्ली सरकार

इससे पहले हाई कोर्ट में दिल्ली सरकार ने कहा कि छठ पूजा के लिए पर्याप्त इंतजाम किया गया है। दिल्ली सरकार ने कहा कि पूरी दिल्ली में करीब हजार जगहों पर छठ पूजा करने की व्यवस्था की गई है, जिसमें से कुछ नदी के घाट के पास ही है। जहां प्रदूषण का स्तर कम है। दिल्ली सरकार ने माना कि यमुना में प्रदूषण बहुत है। किसी को भी उसमें जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।

याची की इस मांग पर हाई कोर्ट ने दिया ये जवाब

याचिकाकर्ता ने कहा कि मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा नदी के बहते पानी में की जाती है, टब या किसी स्विमिंग पूल में पूजा नहीं कि जाती है। याचिकाकर्ता ने कहा कि हथनीकुंड बैराज से पानी जारी किया जाए। ताकि पानी साफ हो सके। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि हम एक दिन में यमुना साफ नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि आपको यमुना के पानी की स्थिति के बारे में पता है। फिर भी आप पूजा के लिए यमुना के पानी में जाने की मांग कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने एचसी से कहा कि कम से कम यमुना की सफाई करने के लिए निर्देश जारी कर दें। क्योंकि छठ पूजा के बहाने कम से कम यमुना के घाटों की सफाई हो जाती थी। जिसके बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा आप यमुना की सफाई चाहते हैं तो आप यमुना की सफाई को लेकर याचिका दाखिल करें। हम उसपर सुनवाई करेंगे। अगर आप खुद यमुना के घाट को साफ करना चाहते हैं तो साफ करिए। याचिकाकर्ता ने कहा कि छठ पूजा 7 नवंबर को होनी है, यह चार दिन तक चलने वाला त्योहार है, 2019 में कोरोना के दौरान घाट पर पूजा करने पर बैन लगाया गया था, उसके बाद फिर अब घाट पर पूजा करने पर रोक लगाई गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि इस बात पर किसी को कोई विवाद ही नहीं है कि यमुना में प्रदूषण नहीं है,

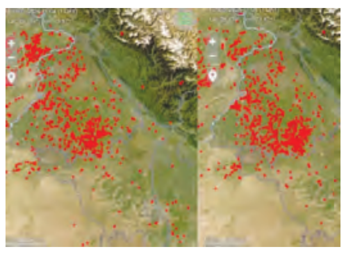

नासा की वेबसाइट पर हरियाणा के पराली प्रबंधन की दिखी सकारात्मक तस्वीर पड़ोसी राज्यों से कम मामले

गुरुग्राम, 6 नवंबर (एजेंसियां)। नासा की आधिकारिक वेबसाइट पर 4 और 5 नवंबर के एक्टिव फायर डेटा की तस्वीरों ने हरियाणा के पराली प्रबंधन की एक सकारात्मक तस्वीर पेश की है। इस बार भी हरियाणा में पराली जलाने के मामले पड़ोसी राज्यों के मुकाबले लगभग दो-तिहाई कम दर्ज किए गए हैं। नासा की इन तस्वीरों में हरियाणा में पराली जलाने के बेहद कम केस स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के पराली प्रबंधन की तारीफ करते हुए पड़ोसी राज्यों को हरियाणा से सीख लेने की सलाह दी थी। हरियाणा सरकार की ओर से पिछले कुछ वर्षों में किसानों के लिए पराली प्रबंधन को लेकर कई योजनाएं और जागरूकता अभियान चलाए गए हैं, जिनके परिणामस्वरूप अब पराली जलाने की घटनाएं लगातार घट रही हैं।

भोपाल में ईडी का बड़ा एक्शन, चार्टर्ड अकाउंटेंट बीसी जैन के ठिकानों पर छापेमारी

भोपाल, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए प्रमुख चार्टर्ड अकाउंटेंट बीसी जैन के ठिकानों पर छापा मारा है। ईडी की टीम बुधवार सुबह 6 बजे उनके अरेरा कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंची और छानबीन शुरू की। बीसी जैन का नाम प्रदेश के बड़े उद्योगपतियों और व्यवसायियों से जुड़ा हुआ है। ईडी की टीम ने सुबह-सुबह अरेरा कॉलोनी में स्थित बीसी जैन की चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म बीसीपी जैन एंड सीओ। के कार्यालय और निवास पर छापा मारा। यह कार्रवाई वित्तीय अनियमितताओं को लेकर मिली शिकायतों के आधार पर की गई है। सुबह 6 बजे ईडी के अधिकारियों की टीम उनके घर और अन्य ठिकानों पर पहुंची और दस्तावेजों की जांच-पड़ताल शुरू की। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने बीसी जैन के अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी की है। हालांकि, फिलहाल ईडी की ओर से इस छापेमारी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बीसी जैन की फर्म कई प्रमुख उद्योगपतियों और व्यवसायियों के वित्तीय मामलों का प्रबंधन करती है, जिसके चलते यह छापेमारी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बीसी जैन मध्य प्रदेश के प्रमुख चार्टर्ड अकाउंटेंट में से एक हैं और उनकी फर्म बीसीपी जैन एंड सीओ। बड़े कारोबारियों और उद्योगपतियों के लिए वित्तीय सेवाएँ प्रदान करती है। जैन की फर्म द्वारा प्रबंधित किए जाने वाले मामलों में बड़े वित्तीय लेनदेन और उद्योगों से जुड़ी फाइलें शामिल हैं,

शिमला में नौवीं कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म, सैलून में काम करता है आरोपी; पुलिस ने किया गिरफ्तार

शिमला, 6 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में नौवीं कक्षा की एक छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता बिना बताए घर से निकली थी। मामले के अनुसार एक युवक ने बहला-फुसला कर पीड़िता को अपने पास बुलाया। परिजनों को जब इस बात का पता चला, तो उन्होंने आरोपी के आवास में पहुंचे। इसके बाद बेटी ने परिजनों को आप बीती सुनाई। वहीं, पीड़िता की मां ने आरोपी के खिलाफ बेटी से दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने पोक्सो एक्ट व दुष्कर्म की धारा में एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है और शिमला में सैलून में काम करता है। यह मामला राजधानी के छोटा शिमला थाना क्षेत्र की है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

महबूबा मुफ्ती ने अनुच्छेद 370 बहाली पर प्रस्ताव का किया समर्थन, कहा - देर आए दुरुस्त आए

श्रीनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली पर प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने प्रतिक्रिया दी है। महबूबा ने कहा कि देर आए, दुरुस्त आए यह कहते हुए उन्होंने यह सिद्ध किया कि संख्या मायने नहीं रखती, बल्कि अगर विपक्ष की नीयत और एजेंडा स्पष्ट हो तो वे बहुमत वाली सरकार को भी मजबूर कर सकते हैं कि वह जम्मू-कश्मीर के लोगों की इच्छाओं को पूरा करे। महबूबा मुफ्ती ने आगे कहा कि आज पीडीपी ने यह साबित कर दिया है कि संख्या नहीं नीयत और उद्देश्य महत्वपूर्ण होते हैं। अगर विपक्ष के पास एक-दो लोग भी हों, और उनकी नीयत और एजेंडा साफ हो, तो वे सरकार को मजबूर कर सकते हैं। महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा पारित किए गए प्रस्ताव पर कहा कि इस प्रस्ताव में कहीं भी यह नहीं कहा गया कि 2019 में लिया गया केंद्र सरकार का फैसला गलत था या अनुच्छेद 370 को पुनर्स्थापित किया जाए। बल्कि, उन्होंने यह कहा कि हमें इस बारे में चिंता है और इस पर चर्चा की आवश्यकता है।

संजौली मस्जिद मामले में मुस्लिम पक्ष को नहीं मिला स्टे, अब 11 नवंबर को होगी अगली सुनवाई

शिमला, 6 नवंबर (एजेंसियां)। संजौली मस्जिद मामले में बुधवार को जिला अदालत में मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई हुई। यह मामला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश-, शिमला की अदालत में जज प्रवीण गर्ग ने सुना। मुस्लिम पक्ष की ओर से नजाकत अली हाशमी ने जिला अदालत में याचिका दायर की है। मुस्लिम पक्ष ने याचिका में नगर निगम आयुक्त की अदालत के फैसले को चुनौती है। ऑल हिमाचल मुस्लिम एसोसिएशन से जुड़े नजाकत अली हाशमी का तर्क है कि उन्होंने इस मस्जिद निर्माण के लिए डोनेशन दी है। मुस्लिम पक्ष की ओर से याचिका में तर्क दिया गया है कि मोहम्मद लतीफ और सलीम किस आधार पर नगर निगम आयुक्त की अदालत में पेश हो रहे थे। याचिका में नजाकत अली हाशमी ने खुद को पीड़ित बताया है। मुस्लिम पक्ष की ओर से अदालत में अधिवक्ता विश्व भूषण पेश हुए। कोर्ट में मुस्लिम पक्ष का तर्क था कि संजौली मस्जिद कमेटी ने जिन तीन फ्लोर मस्जिद के जिस दूसरे, तीसरे और चौथे फ्लोर को खुद हटाने की पेशकश की है, वह इसके लिए अधिकृत ही नहीं है। ऐसे में मस्जिद के तीन फ्लोर हटाने के लिए संजौली मस्जिद कमेटी पेशकश नहीं कर सकती है। मुस्लिम पक्ष ने जिला अदालत से मामले में स्टे भी मांगा, लेकिन अदालत की ओर से मुस्लिम पक्ष को स्टे नहीं मिल सका। मामले में अगली सुनवाई 11 नवंबर को होनी है। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज प्रवीण गर्ग ने सारा रिकॉर्ड तलब किया है। इस मामले पर अगली सुनवाई इसी दिन होगी।

स्थानीय लोगों के वकील जगत पाल ने क्या कहा ?

वहीं, संजौली के स्थानीय लोगों की ओर से अधिवक्ता जगत पाल भी अदालत में पेश हुए। उन्होंने इस पूरे मामले में स्थानीय लोगों को पार्टी बनाने की मांग की। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश-, शिमला की अदालत इस मामले में 11 नवंबर को ही अपना फैसला सुनाएगी। कोर्ट के बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान अधिवक्ता जगत पाल ने कहा कि वह स्थानीय लोगों की ओर से इस मामले में पार्टी बनना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले में 21 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय से भी आदेश आए हैं। उच्च न्यायालय ने पूरे मामले को 20 दिसंबर तक निपटने के आदेश जारी किए हैं। ऐसे में जल्द से जल्द हाईकोर्ट के आदेशों की पालन किया जाना जरूरी है। जगत पाल ने कहा कि मुस्लिम पक्ष की ओर से याचिका दायर करने वाले नजाकत अली हाशमी खुद पांवटा साहिब से शिमला आए हैं। इस पूरे मामले में वे न तो स्टेकहोल्डर हैं और न ही पीड़ित हैं। इसी आधार पर अधिवक्ता जगत पाल ने उनकी याचिका पर भी सवाल खड़े किए।

हिमाचल हाईकोर्ट ने भी दिए हैं मामला निपटाने के आदेश

21 अक्टूबर को ही हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में भी स्थानीय लोगों की याचिका पर सुनवाई हुई थी। इस सुनवाई के दौरान भी हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संदीप शर्मा ने नगर निगम आयुक्त को आठ हफ्ते में मामले का शिकायत का निपटारा करने के लिए कहा है। यह शिकायत साल 2010 में स्थानीय लोगों की ओर से नगर निगम शिमला को दी गई थी, जिसमें जमीन पर अवैध निर्माण की बात कही गई है। न्यायाधीश संदीप शर्मा ने मामले की प्रारंभिक सुनवाई के बाद सभी पक्षों की सहमति से इस याचिका का निपटारा करते हुए नगर निगम आयुक्त को आठ हफ्ते के अंदर मस्जिद से जुड़ी साल 2010 की शिकायत का निपटारा करने के आदेश दिए। इस शिकायत में खुद एम।सी। शिमला शिकायतकर्ता है।

डिजिटल अरेस्ट केस में एचडीएफसी बैंक का मैनेजर गिरफ्तार, 82 लाख रुपये ठगे थे

पंचकूला, 6 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला की साइबर थाना पुलिस ने 82 लाख रुपये के डिजिटल अरेस्ट केस में एचडीएफसी बैंक के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। अब आरोपी को दो दिन के रिमांड पर भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, पंचकूला के सेक्टर-20 के रहने वाले शख्स से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 82 लाख रुपये ठगे गए थे। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियो को पहले ही गिरफ्तार किया था। जांच में पुलिस को पता चला कि इस केस में एचडीएफसी बैंक का मैनेजर भी शामिल है और वह पंजाब के मुक्तसर के रुपाना में तैनात है। जांच अधिकारी सुखविंदर सिंह ने बताया कि पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ की जाएगी। साइबर थाना पुलिस के जांच अधिकारी सुखविंदर सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उन्हें एक कॉल के दौरान धमकाया गया और कहा कि आपका पैसा मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल किया गया है। दिल्ली से सीबीआई और आईपीएस अधिकारी के नाम पर फोन किए गए। इस दौरान कुल 82 लाख रुपये 77 अलग अलग बैंक खातों में डलवाए गए। जांच अधिकारी ने बताया कि इस सारे मामले में शामिल पंजाब के मुक्तसर के रुपाणा की एचडीएफसी बैंक की ब्रांच में भी पैसा ट्रांसफर हुआ था।

विजिलेंस की थाने में छापेमारी से मचा हड़कंप एएसआई रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में खाकी पर दाग लगाने वाला पुलिस का असिस्टेन्ट सब इंस्पेक्टर रिश्वत लेते हुए हंगे हाथ गिरफ्तार हुआ है। आरोपी की पहचान एएसआई प्रमोद कुमार के रूप में हुई है। प्रमोद कुमार शाहदरा जिले के कृष्णा नगर थाने में तैनात है। विजिलेंस की टीम ने फरियादी की शिकायत पर कार्रवाई को अंजाम दिया। फरियादी ने बताया कि लेनदेन का विवाद सुलझाने के लिए एएसआई प्रमोद कुमार ने 2 लाख रुपये की रिश्वत मांगे थे। रकम नहीं देने पर एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार करने की धमकी दी जा रही थी। गिरफ्तारी के डर से फरियादी 50 हजार रुपये देने पर तैयार हो गया। सौदा तय होने के बाद पहली किस्त में 10 हजार रुपये एएसआई को दिये जाने थे। फरियादी ने विजिलेंस से रिश्वत मांगे जाने की शिकायत कर दी। विजिलेंस ने आरोप की पुष्टि के लिए जांच करवाई। जांच में आरोप की पुष्टि होने के बाद विजिलेंस की टीम ने जाल बिछाया। फरियादी को पहली किस्त के 10 हजार रुपये देने को कहा गया। कृष्णा नगर थाने में फरियादी एएसआई प्रमोद कुमार को रकम देने पहुंचा। घात लगाये बैठी विजिलेंस की टीम ने थाने में छापा मारकर एएसआई प्रमोद कुमार को दबोच लिया।

बीजेपी ने राज ठाकरे को दिया जोर का झटका बेटे अमित ठाकरे को नहीं देगी समर्थन आशीष शेलार ने क्या कहा ?

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में माहिम सीट को लेकर बीजेपी ने बड़ा फैसला किया है। पार्टी इस सीट पर मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे को समर्थन नहीं देगी। बीजेपी नेता आशीष शेलार ने ये साफ कर दिया है। बीजेपी महाराष्ट्र में सिर्फ एक सीट पर राज ठाकरे की पार्टी को समर्थन कर रही है और वह सीट उनके बेटे अमित ठाकरे की नहीं है। वह सीट मुंबई की शिवडी है, जहां पर एमएनएस नेता बाला नांदगांवकर चुनाव लड़ रहे हैं। इसके पहले बीजेपी ने माहिम सीट, जहां से राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे अपना पहला चुनाव लड़ रहे हैं, उस सीट पर समर्थन की बात कही थी। लेकिन, अब बीजेपी का स्टैंड बदला है और वह कह रही है कि महाराष्ट्र में सिर्फ एक सीट पर वह एमएनएस का समर्थन करेगी और वह बाला नांदगांवकर की सीट है। आशीष शेलार ने कहा, "मैं आप सब कार्यकर्ता और मीडिया के माध्यम से आप सबको बता रहा हूं। ये (बीजेपी का समर्थन) सिर्फ शिवडी विधानसभा सीट तक ही सीमित है। हाल ही में मैंने माहिम के बारे में बोला था, उसे पूरे महाराष्ट्र के बारे में आपने फैला दिया। अब सिर्फ शिवडी के बारे में बोल रहा हूं। इसे पूरे महाराष्ट्र के बारे में मत समझना। इससे पहले बीजेपी के नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि बीजेपी अभी भी माहिम सीट पर राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे का समर्थन करना चाहती है। फडणवीस ने कहा था कि इसका समाधान ढूंढने के प्रयास किए जाएंगे। महायुति गठबंधन में यह सीट महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना को मिली है। शिवसेना ने माहिम से मौजूदा विधायक सदा सरवणकर को मैदान में उतारा है, जबकि महेश सावंत मुंबई में इस सीट से राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार हैं।

कोर्ट कमिश्नर पर बंदूक तानने वाले व्यक्ति के खिलाफ अवमानना का मामला, दिल्ली एचसी का आदेश

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एचसी ने हाल ही में एक व्यक्ति के खिलाफ अदालत की अवमानना की आपराधिक कार्यवाही शुरू की है. दिल्ली हाई कोर्ट ने ये कार्रवाई तब शुरू की जब अदालत द्वारा नियुक्त लोकल कमिश्नर एक मामले में निरीक्षण के लिए गए तो इस व्यक्ति ने कथित तौर पर लोकल कमिश्नर को धमकाने के लिए पिस्तौल दिखाई. जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि कोर्ट द्वारा नियुक्त लोकल कमिश्नर नंदिनी बाली की रिपोर्ट के मुताबिक नितिन बंसल नाम के व्यक्ति ने जोकि मामले में प्रतिवादी का पुत्र है. उसने लोकल कमिश्नर को धमकाने और मजबूर

करने के मकसद से पिस्तौल निकाली और उनके सामने मेज पर रख दी.

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में क्या कहा ?

अदालत का मानना है कि ऐसा आचरण प्रथम दृष्टया न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप का मामला है. यह अदालत की आपराधिक अवमानना के समान है. हाई कोर्ट ने 28 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा है कि लोकल कमिश्नर की रिपोर्ट और भूपानी थाना के एएसआई के बयान के मद्देनजर, जिनका कहना था कि जब उन्होंने कार्यालय के कमरे में प्रवेश किया, तो पिस्तौल (एयर गन) मेज पर मौजूद थी. अदालत का मत है कि प्रथम दृष्टया ये न्याय प्रक्रिया में हस्तक्षेप का मामला बनता है जो आपराधिक अवमानना के बराबर है. नितिन बंसल ने अदालत के एक अधिकारी को रोका है, जो अदालत द्वारा सौंपे गए अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए गए थे.

याचिकाकर्ता बीना ने एचसी में याचिका की दायर

आपको बता दें कि याचिकाकर्ता बीना ने एचसी में याचिका दायर कर अशोक बंसल नाम के व्यक्ति के खिलाफ अंतरिम आदेश की मांग की थी ताकि उसे 30,000 टन औद्योगिक कोयला सामग्री का निपटान करने से रोका जा सके, जिसे कथित तौर पर याचिकाकर्ता के पति ने अपनी फार्म के माध्यम से हासिल किया था. 31 मई, 2024 को अदालत ने एक आदेश जारी कर अशोक बंसल को कोयले को संभालने या उससे निपटने से रोक दिया था, जबकि मामले को आगे के लिए स्थगित कर दिया गया था. इसके बाद, याचिकाकर्ता का आरोप था कि कि अशोक बंसल अदालत के 31 मई के आदेश का उल्लंघन कर रहा है, जिसके बाद अदालत ने अधिवक्ता नंदिनी बाली को लोकल कमिश्नर नियुक्त किया था ताकि यह निरीक्षण किया जा सके कि कथित उल्लंघन हुआ भी है या नहीं.

गुरुग्राम के फेमस प्लेस्कूल में मासूम से छेड़छाड़, जांच के लिए एसआईटी गठित

गुरुग्राम, 6 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम से एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां के एक जाने-माने 'प्लेस्कूल' में तीन साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की गई। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया है। बच्ची के परिजन ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्लेस्कूल के बाहर प्रदर्शन किया। प्लेस्कूल ने अभी तक इस मामले में कोई बयान नहीं दिया है। कई प्रयासों के बावजूद स्कूल के प्रधानाचार्य से संपर्क नहीं हो सका। बच्ची के परिजन की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 28 अक्टूबर को एक डिलीवरी मैन बच्ची के घर आया और सामान देने के बाद उसने बच्ची के बालों को सहलाया। इसके बाद बच्ची ने अपनी मां को प्लेस्कूल में उसे गलत तरीके से छूए जाने की एक अन्य घटना के बारे में बताया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हालांकि बच्ची आरोपी का नाम नहीं बता सकी और न ही वह उसे पहचान पाई। अधिकारी ने बताया कि वह यह भी नहीं बता सकी कि प्लेस्कूल में यह घटना कब और कहां हुई।

सदर पुलिस थाने में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई और पुलिस ने जांच शुरू कर दी। गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है।

बुलडोजर से तोड़ा गया था जिसका घर उसे मिलेंगे 25 लाख, एससी का आदेश, योगी सरकार को पड़ी फटकार

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी की योगी सरकार को बुलडोजर एक्शन के लिए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से फटकार पड़ी है। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को निर्देश दिया कि उस व्यक्ति को 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए जिसका घर 2019 में सड़क चौड़ी करने के लिए गिरा दिया गया था। सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों के रुख पर नाराजगी भी जताई। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव से कहा कि महाराजगंज जिले में अवैध तरीके से मकान गिराने से संबंधित मामले में जांच कराई जाए।

रातों रात नहीं गिरा सकते मकान

पीठ 2019 में सड़क चौड़ी करने की एक परियोजना के लिए मकान गिराए जाने से संबंधित मामले में सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा, 'आप ऐसा नहीं कर सकते कि बुलडोजर लेकर आएं और रातों रात मकान गिरा दें।' पीठ ने कहा, 'आप कानून का पालन किए बिना या नोटिस दिए बिना किसी के घर में घुसकर उसे कैसे ध्वस्त कर सकते हैं।'

अधिकारियों पर लिया जाएगा एक्शन

कोर्ट ने साथ ही राज्य सरकार को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि आदेश को एक महीने के भीतर लागू किया जाना है। पीठ ने कहा, 'ये स्पष्ट है कि विध्वंस कानून के अधिकार के बिना और मनमानी तरीके से किया गया।'

याचिकाकर्ता ने क्या कहा ?

पीठ ने आगे कहा, 'याचिकाकर्ता ने बताया कि विध्वंस केवल इसलिए किया गया क्योंकि याचिकाकर्ता ने समाचार पत्र की रिपोर्ट में सड़क निर्माण में अनियमितताओं को चिह्नित किया था। राज्य द्वारा इस तरह की कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है और निजी संपत्ति से निपटने के लिए कानून का पालन किया जाना चाहिए।'

बदले की भावना से की गई कार्रवाई

याचिकाकर्ता के अनुसार, राजमार्ग पर अतिक्रमण करने के आरोप में बिना किसी पूर्व सूचना या स्पष्टीकरण के उनके घर को ध्वस्त कर दिया गया। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि सड़क निर्माण परियोजना में कथित अनियमितताओं के बारे में मीडिया को सूचित करने के बाद उनके घर को ध्वस्त करना एक बदले की कार्रवाई थी।

उत्तर प्रदेश सरकार की अर्जी खारिज

न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार के मामले को टालने के अनुरोध को खारिज कर दिया और इस बात पर जोर दिया कि मामले का शीघ्र निपटारा किया जाना चाहिए क्योंकि सभी कानूनी दस्तावेज पहले ही प्रस्तुत किए जा चुके हैं। न्यायालय के अनुसार, राज्य सरकार राजमार्ग की मूल चौड़ाई, अतिक्रमण की सीमा या ध्वस्तीकरण शुरू करने से पहले भूमि अधिग्रहण का कोई सबूत नहीं दिखा सकी।

एनएचआरसी की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

इसके अलावा, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की जांच रिपोर्ट से पता चला कि ध्वस्तीकरण, कथित अतिक्रमण से कहीं अधिक व्यापक था। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि सड़क चौड़ीकरण करते समय राज्य को सड़क की मौजूदा चौड़ाई का पता लगाना चाहिए, यदि कोई अतिक्रमण पाया जाता है तो औपचारिक नोटिस जारी करना चाहिए तथा निवासियों को आपत्तियां उठाने का अवसर देना चाहिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
'जीवन ना तो भविष्य में है ना अतीत में, जीवन तो इस क्षण में है!-

एकीकृत आवासीय विद्यालयों के दूसरे चरण की घोषणा 14 नवंबर को : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जानकारी दी है कि राज्य सरकार 14 नवंबर को एकीकृत आवासीय विद्यालयों के दूसरे चरण की घोषणा करेगी। व्यारा और मधिरा विधानसभा क्षेत्रों में महात्मा ज्योतिबा फुले समाज कल्याण छात्रावासों, स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने बुधवार को यहां सचिवालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की और आहार और प्रसाधन शुल्क बढ़ाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।इस अवसर पर बोलते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार 14 नवंबर को 15,000 छात्रों के साथ एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी और दूसरे चरण के तहत स्वीकृत एकीकृत आवासीय विद्यालयों की सूची की घोषणा करेगी।

तेलंगाना राज्य भर में व्यापक घरेलू सर्वेक्षण शुरू हुआ

राशन या स्वास्थ्य कार्ड रद्द होने की बात महज़ अफवाह : मंत्री

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को तेलंगाना राज्य भर में एक व्यापक घरेलू सर्वेक्षण शुरू हुआ, जिसमें मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों ने विभिन्न जिलों में प्रक्रिया शुरू की। सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में, अधिकारी सामाजिक और आर्थिक डेटा एकत्र करने के लिए घर-घर का दौरा कर रहे हैं। सर्वेक्षण में 75 सवालों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है - जो संपत्ति, ऋण, आय के स्तर, परिवार के सदस्यों, विदेश या अंतरराज्यीय स्थानांतरण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व, यदि कोई हो, पर केंद्रित है। सर्वेक्षणकर्ता घर के मुखिया और परिवार के सदस्यों के बारे में विस्तृत जानकारी रिकॉर्ड कर रहे हैं, जिसमें फोन नंबर, व्यवसाय और नौकरी का विवरण शामिल है। यदि परिवार का कोई सदस्य विदेश या किसी दूसरे राज्य में चला गया है, तो सर्वेक्षण में उच्च शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, विवाह या अन्य आवश्यकताओं जैसे स्थानांतरण के विशिष्ट कारणों को एकत्र किया जाता है। यदि कोई विदेश यात्रा पर गया है, तो सर्वेक्षण में यूके, यूएसए, खाड़ी देशों, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय देशों जैसे देशों के लिए विशिष्ट कोड दर्ज किए जाते हैं, जबकि अन्य देशों के लिए अलग कोड होता है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य प्रवासन पैटर्न और तेलंगाना छोड़ने के कारणों की विस्तृत समझ हासिल करना है। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने रंगारेड्डी जिले के शंकरपल्ली गांव में एक व्यापक जाति जनगणना सर्वेक्षण शुरू किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने लोगों से घरेलू सर्वेक्षण में सहयोग करने और इसे एक बड़ी सफलता बनाने का आग्रह किया। श्रीधर बाबू ने जोर देकर कहा कि सर्वेक्षण का उद्देश्य तेलंगाना में राजनीतिक, शैक्षिक और रोजगार के अवसरों में सुधार करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण का उद्देश्य कल्याणकारी योजनाओं को विकसित करना है, जिससे ऐसी अफ़वाहें दूर हो रही हैं कि इससे राशन या स्वास्थ्य कार्ड रद्द हो सकते हैं।

आरसीएस-आधारित टिकटिंग प्रणाली शुरू

हैदराबाद मेट्रो की पहल

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। एलएंडटी मेट्रो रेल हैदराबाद लिमिटेड ने हैदराबाद मेट्रो के लिए भारत की पहली रिच कम्युनिकेशन सर्विसेज (आरसीएस) आधारित टिकटिंग प्रणाली शुरू की है, जो देश में सार्वजनिक सेवाओं को डिजिटल बनाने की दिशा में एक नया कदम है। एलएंडटीएमआरएचएल के एमडी और सीईओ केवीबी रेड्डी द्वारा मंगलवार को लॉन्च की गई इस अभिनव प्रणाली का उद्देश्य मेट्रो यात्रियों के लिए यात्रा को आसान बनाना है।

आरसीएस-आधारित टिकटिंग सिस्टम के साथ, यात्री एंड्रॉइड डिवाइस पर इनबिल्ट मैसेजिंग ऐप के माध्यम से टिकट बुक कर सकते हैं, जिससे थर्ड-पार्टी ऐप की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। क्यूआर कोड को स्कैन करके, एक सरल 'हाय' संदेश भेजकर और यात्रा विवरण चुनकर, उपयोगकर्ता यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं, आसान पहुंच के लिए टिकट को गूगल वॉलेट में सहेजा जा सकता है।

रेडिसन ब्लू हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए केवीबी रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद मेट्रो भारत में यात्रियों के लिए ऐसी उन्नत तकनीक प्रदान करने वाली पहली मेट्रो है। रेड्डी ने शहर भर में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया। उन्होंने मियापुर से पाटनचेरू, एलबी नगर से हयातनगर और रायदुर्ग से कोकापेट तक मौजूदा मार्गों का विस्तार करने की योजना की घोषणा की।

आगामी एयरपोर्ट मेट्रो 76.4 किमी तक फैली 5 नई लाइनों के साथ प्रमुख जंक्शनों को जोड़ेगी।

कर्मचारियों को समय व्यवस्था का पालन करना चाहिए : विजयलक्ष्मी

मेयर के औचक निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारी नदारत मिले

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर मेयर ने नगर नियोजन, स्वास्थ्य एवं पशु चिकित्सा विभाग का औचक निरीक्षण किया। पहले तो नगर नियोजन विभाग के अधिकारी समय पर उपस्थित नहीं होने नाराजगी जताई। कुछ स्टाफ किस समय आ रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या वे समय प्रबंधन का पालन कर रहे हैं। कुछ अनुभागों में कुर्सियां खाली होने पर अपर आयुक्त प्रशासन नलिनी पद्मावती को समय प्रबंधन का पालन करने का आदेश दिया और उनसे पूछा कि क्या वे अभी तक कार्यालय नहीं आए और टिफिन लेने चले गए। महापौर की अतिरिक्त प्रशासन आयुक्त नलिनी पद्मावती ने बताया कि उपस्थिति रजिस्टर की जांच के बाद देर से आने वालों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भेजने के लिए सभी विभागों को एक परिपत्र भेजा गया है, लेकिन नगर नियोजन विभाग की ओर से अब तक कोई रिपोर्ट नहीं भेजी गई है। उन्होंने अधिकारियों पर रोष जताया कि नगर नियोजन अनुभाग में जनता की शिकायतें अधिक आ रही हैं और शिकायतकर्ता समस्या का समाधान कराए बिना घूम रहे हैं।महापौर ने अपना गुस्सा व्यक्त किया क्योंकि स्वास्थ्य अनुभाग में कुछ लोग काम से अलग होकर अपने सेल फोन देख रहे थे। जब प्रभारी सीएम एंड एचओए ने कर्मचारियों से पूछा कि वे समय पर आ रहे हैं, तो जेसी सेनिटेशन ने हस्तक्षेप किया और मेयर से कहा कि चूंकि वे मुशीराबाद सर्कल में एएम एंड एचओ के रूप में काम कर रहे थे, इसलिए वे वहां अपना काम खत्म करेंगे और दोपहर तक यहां आएंगे। यह पूछे जाने पर कि आने का समय है या नहीं, जेसी वेणुगोपाल रेड्डी ने बताया कि वह दोपहर 2 बजे तक मुख्यालय आएंगे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कहाँ निरीक्षण करते हैं? जब मेयर ने प्रभारी सहायक आयुक्त मुत्यम राजू से पूछा कि कितने लोग काम कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि केवल 23 लोग काम कर रहे थे और उनमें से कुछ के पास अन्य मंडलों के लिए भी प्रभारी की जिम्मेदारी थी। जब सेरिलिंगमपल्ली से पूछा गया कि फील्ड स्तर पर दोनों कहां हैं, तो उन्होंने खाद्य निरीक्षक को फोन किया और उन्होंने ठीक से जवाब नहीं दिया, और महापौर ने उन पर अपना गुस्सा व्यक्त किया और उन्हें मुख्यालय में आकर मिलने का आदेश दिया। बाद में पशु चिकित्सा विभाग में जांच कराई गई। जब मेयर से पूछा गया कि क्या कर्मचारी समय पर कार्यालय आ रहे हैं, तो उन्होंने उन कर्मचारियों पर गुस्सा जाहिर किया जिन्होंने कहा कि वे जल्दी कार्यालय आ रहे हैं। इस मौके पर मेयर ने कहा कि इससे पहले सभी विभागों में दो बार औचक निरीक्षण किया गया था, संबंधित विभाग के कर्मचारी सुबह 10:30 बजे तक आ जाएं, जो कर्मचारी नहीं आएंगे उन्हें ग्रेस टाइम 10 मिनट और दिया जाएगा। 10:40 तक कार्यालय आएं, एक माह में तीन बार लेट होंगे। उन्होंने कहा कि एक आकस्मिक अवकाश काटा जाएगा और यदि आकस्मिक अवकाश नहीं है तो ईएल काटा जाएगा।

मंदिर में तोड़फोड़ के विरोध में पूर्ण रूप से बंद रहा शमशाबाद

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात हनुमान मंदिर में मूर्तियों की कथित तोड़फोड़ के विरोध में शमशाबाद में पूर्ण बंद रखा गया। स्थानीय हिंदू संगठनों ने बुधवार को शमशाबाद बंद का आह्वान किया था। बंद के आह्वान पर व्यापारिक प्रतिष्ठान, स्कूल और कॉलेज बंद रहे। हिंदू संगठनों ने बस स्टैंड क्षेत्र में एक रैली आयोजित की, जिसमें व्यापारियों से अपील की गई कि वे अपने कारोबार बंद रखें, ताकि मंदिरों पर बार-बार हो रहे हमलों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जा सके। साइबराबाद एसओटी, सशस्त्र रिजर्व और स्थानीय पुलिस स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है।

जी. निरंजन से मिले समर्पित आयोग के अध्यक्ष

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद स्थित बीसी आयोग के कार्यालय में बीसी आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन और सदस्य रापोलु जया प्रकाश, तिरुमालागिरी सुरेंद्र, बालालक्ष्मी रंगागर से बुसानी वेंकटेश्वर राव ने मुलाकात की, जिन्हें हाल ही में समर्पित आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। इस मौके पर उन्होंने स्थानीय संस्थानों में बीसी आरक्षण को लेकर बीसी आयोग द्वारा अब तक किये गये अध्ययन की जानकारी ली। इस कार्यक्रम में महात्मा ज्योतिबा फुले आवासीय विद्यालय सोसायटी के सचिव बी सैदुलु, बीसी आयोग के उप निदेशक श्रीनिवास राव, लक्ष्मी नारायण अनुसंधान अधिकारी और विशेष अधिकारी जी.सतीश कुमार ने भाग लिया।

एमसीईएमई के नए मुख्यालय भवन "अनुदेश' का उद्घाटन

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय, वीएसएम, कमांडेंट, मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग ने बुधवार को नए कॉलेज मुख्यालय भवन का नाम अनुदेश रखा, जिसका अर्थ है दिशाएँ। इस भवन का उद्घाटन किया गया। यह महत्वपूर्ण घटना संस्थान के समृद्ध इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती है, जो तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए परंपराओं को संरक्षित करने के लिए इसके समर्पण को रेखांकित करती है। अनुदेश में एक नया डिज़ाइन किया गया फ़ोयर है, जो एमसीईएमई की जड़ों और संपूर्ण इतिहास और इस गौरवशाली संस्थान के विभिन्न कमांडेंट और मशाल वाहकों के योगदान को प्रदर्शित करता है। फ़ोयर में समकालीन बंगाली कलाकार चारबक दीप्ता की एक कलाकृति भी है, जो एमसीईएमई, इसके संकायों और विभिन्न विंगों की सभी गतिविधियों को दर्शाती है। एमसीईएमई एक 75 साल पुराना संस्थान है जिसकी जड़ें बहुत गहरी हैं और भविष्य के लिए एक स्पष्ट दृष्टि और दिशा है। फ़ोयर की सात दीवारें भारतीय सेना के एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान के रूप में एमसीईएमई की उत्पत्ति, विकास और विकास का वर्णन करती हैं।

व्हाट्सएप स्टॉक ग्रुप घोटाले में 50 लाख की ठगी

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एक बुजुर्ग व्यक्ति ने शेयर बाजार के बारे में जानने के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल होने के बाद निवेश धोखाधड़ी में 50 लाख रुपये खो दिए। यह घोटाला तब शुरू हुआ जब पीड़ित ने स्टॉक डिस्कशन ग्रुप नामक एक व्हाट्सएप ग्रुप जॉइन किया। इस ग्रुप का संचालन कुणाल सिंह द्वारा किया जाता था, जिसने खुद को एक प्रतिष्ठित वित्तीय सलाहकार के रूप में पेश किया और दावा किया कि उसके स्टॉक ट्रेडिंग मार्गदर्शन ने पिछले ग्राहकों के लिए असाधारण रिटर्न लाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित ने इन कक्षाओं को बेहद सफल बताया, जिसमें विशिष्ट शेयरों पर 500 प्रतिशत तक का रिटर्न देने का दावा किया गया। बातचीत और उच्च रिटर्न के वादे से प्रभावित होकर, पीड़ित ने प्रस्तावित ऑनलाइन कक्षाओं में दाखिला लेने का फैसला किया, ताकि शेयर ट्रेडिंग और निवेश की रणनीति सीख सके। ये सत्र व्हाट्सएप ग्रुप में साझा किए गए लिंक के माध्यम से आयोजित किए गए थे, जिससे प्रतिभागियों को निजी ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया, जहाँ कथित तौर पर घोटालेबाज ने बाजार के रुझान और विशिष्ट स्टॉक सिखाए। इन सत्रों के दौरान, घोटालेबाजों ने पीड़ित और अन्य लोगों को स्काईरिम कैपिटल नामक एक मंच के माध्यम से निवेश करने का निर्देश दिया, जिसे उन्होंने एक वैध वित्तीय सेवा प्रदाता के रूप में पेश किया।

शुरुआत में, पीड़ित को छोटी रकम निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिसमें कथित तौर पर आशाजनक मुनाफ़ा दिखाया गया, जिससे योजना में उसका विश्वास बढ़ गया। हालांकि, समय के साथ, घोटालेबाज ने उसे अधिक महत्वपूर्ण मुनाफ़े के लिए बड़ा निवेश करने के लिए मना लिया, जिससे पीड़ित ने अंततः कुल 50 लाख रुपये निवेश कर दिए। पीड़ित ने कथित तौर पर इस पैसे को कई लाभार्थियों के नाम और खातों में स्थानांतरित कर दिया, ताकि संदेह और ट्रैकिंग से बचा जा सके।

हालाँकि, जब पीड़ित ने अपना लाभ वापस लेने की कोशिश की, तो उसे एहसास हुआ कि यह एक घोटाला था, क्योंकि उसके निकासी अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया था।

पुलिस के अनुसार, इस तरह की धोखाधड़ी तेजी से आम होती जा रही है, खासकर मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से, जहां धोखेबाज बड़ी संख्या में लोगों तक आसानी से पहुंच सकते हैं और उन्हें धोखा दे सकते हैं।

राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र दमरे के पेंशनभोगियों के लिए वरदान

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय की परिकल्पना के अनुसार, दक्षिण मध्य रेलवे ने डीओपी और पीडब्लू (पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग) के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरे जोन में 1 नवंबर, 2024 से 30 नवंबर, 2024 तक डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 3.0 शुरू किया है। पेंशनभोगियों के बीच जागरूकता लाने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा तैयार किए गए सूचनात्मक पोस्टर और बैनर एस विवेकानंद, प्रमुख वित्तीय सलाहकार, पी कोटेश्वर राव, एफए और सीएओ/जी और डी.सी. दिवाकर, उप सीएओ/जी द्वारा जारी किए गए हैं। ये सूचनात्मक बैनर और पोस्टर संचार के लिए बैंकों, डाकघरों और पेंशनर्स एसोसिएशनों में प्रदर्शित किए जाएंगे। इस संबंध में बैंकों और पेंशनर्स एसोसिएशनों के साथ एक बैठक भी आयोजित की गई। पेंशनरों द्वारा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने को बढ़ावा देने के लिए बैंकों और डाकघरों को पत्र लिखे गए हैं, जिसमें पेंशनरों को डीएलसी जमा करने में सुविधा प्रदान करने के लिए कुछ कर्मचारियों को एंड्रॉइड फोन के साथ नियुक्त किया गया है। पेंशनरों के विभिन्न समूहों में व्हाट्सएप के माध्यम से व्यापक संचार अभियान चलाया गया है। पेंशनरों द्वारा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए बैंक/डाक कर्मचारियों के साथ समन्वय करने के लिए रेलवे कर्मचारियों को बैंकों/डाकघरों में जाने के लिए नामित किया गया है। डीएलसी जमा करने के लिए पेंशनरों को किसी बैंक/डाकघर, मी-सेवा, इंटरनेट केंद्र आदि में जाने की आवश्यकता नहीं है। यह काम वे अपने घर से ही 'एंड्रॉइड सेल फोन' से आसानी से कर सकते हैं। इससे समय की बचत होती है, व्यक्तिगत रूप से जाने की आवश्यकता नहीं होती है और आधार-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण प्रक्रिया में सुरक्षा की एक परत जोड़ता है, जिससे धोखाधड़ी के दावों का जोखिम कम हो जाता है। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र के कई लाभ हैं।

एक दिन में रेलवे से तीन करोड़ लोगों ने यात्रा की!

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चार नवंबर, 2024 को भारतीय रेलवे ने एक दिन में अब तक के सबसे अधिक यात्रियों को ढोया। रेलवे से तीन करोड़ यात्रियों ने यात्रा की, जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की संयुक्त जनसंख्या से भी अधिक है। कुल मिलाकर, 4 नवंबर, 2024 को 120.72 लाख (19.43 लाख आरक्षित और 101.29 अनारक्षित गैर-उपनगरीय) यात्रियों ने यात्रा की। भारतीय रेलवे ने लगभग 180 लाख उपनगरीय यातायात का सामना किया। यह चालू वर्ष के लिए सबसे अधिक एकल दिवस यात्री आंकड़े हैं। दमरे के अनुसार पूजा/दिवाली/चैथ 2024 के दौरान अतिरिक्त यातायात को पूरा करने के लिए, 1 अक्टूबर, 2024 से 30 नवंबर, 2024 तक कुल 7,666 विशेष ट्रेन सेवाओं को चलाने की घोषणा की गई थी। पिछले साल इसी अवधि में 4,429 यात्राएँ संचालित की गई थीं।

सीएम ने राज्यपाल से मुलाकात की, दी सर्वेक्षण की जानकारी

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज (बुधवार) राजभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की। मुख्यमंत्री और राज्यपाल की इस मुलाकात में मंत्री पी श्रीनिवास रेड्डी, सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी, बलराम नाइक, सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, शब्बीर अली और गुट्टा अमित रेड्डी भी मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को आज राज्य भर में सरकार द्वारा शुरू किए गए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को सर्वेक्षण में अपनाई गई आधिकारिक प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य नेताओं ने राज्यपाल को बताया कि तेलंगाना राज्य राज्य में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत संरचना के सर्वेक्षण में देश के लिए एक आदर्श के रूप में खड़ा होगा। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि वे राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए सर्वेक्षण को केंद्र सरकार के ध्यान में लाएं और देश में 2025 में शुरू की जा रही राष्ट्रीय जनगणना के दौरान राज्य के सर्वेक्षण को ध्यान में रखें। इस अवसर पर सीएम रेवंत रेड्डी ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को अपने भाई की बेटी की शादी में आमंत्रित भी किया।

सीएम रेवंत अपने जन्मदिन पर मूसी किनारे करेंगे पदयात्रा

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 8 नवंबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर कायाकल्प पहल के तहत मूसी नदी के किनारे पदयात्रा करेंगे। नदी यात्रा शुरू करने से पहले वह अपने परिवार के साथ यादगिरिगुट्टा में लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर जाएंगे। यह दौरा वलिगोंडा मंडल के संगम ब्रिज से शुरू होगा, जहां स्थानीय विधायक एक नुक्कड़ सभा का आयोजन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पुल के पास कट्टामयी मंदिर से शुरू करते हुए मूसी नदी के आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण करने की योजना बनाई है। उनके लिए आसिफनगर नहर की ओर जाने के लिए एक मार्ग स्थापित किया गया है। रेवंत रेड्डी मूसी जलग्रहण क्षेत्र में किसानों, मछुआरों और विभिन्न समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगे और नदी में प्रदूषण के प्रभाव पर प्रतिक्रिया एकत्र करेंगे। भीमलिंगम स्थित शिव लिंगम पर पूजा-अर्चना की भी व्यवस्था की जा रही है। सांसद चामा किरण कुमार रेड्डी और कलेक्टर हनुमंत राव सहित स्थानीय अधिकारियों ने पुनरुद्धार पहल से संबंधित सार्वजनिक बैठक के लिए स्थल का निरीक्षण किया है।

पूर्व तट रेलवे

सं. WPT/5/Rectt/ Comp. Adalat/2024 दिनांक: 01.11.2024

विचाराधीन अनुकंपा नियुक्ति मामलों के लिए अदालत का आयोजन - 2024

पूर्व तट रेलवे/वाल्टियर मंडल विचाराधीन अनुकंपा नियुक्ति मामलों के निपटाने के लिए मंडल रेलवे प्रबंधक (कार्मिक)/पूर्व तट रेलवे/वाल्टियर के कार्यालय में 22.11.2024 को शाम 1600 बजे से 1800 बजे तक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

वाल्टियर मंडल/पूर्व तट रेलवे के वे शोक संतप्त परिवार, जिनकी अनुकंपा नियुक्ति के मामले विचाराधीन हैं और जिनकी शिकायतें हैं, वे अपनी आवेदन पत्र एक लिफाफे में "अनुकंपा अदालत - 2024/पूर्व तट रेलवे/वाल्टियर" अंकित कर, मंडल रेलवे प्रबंधक (कार्मिक), प्रथम तल, मंडल रेलवे प्रबंधक कार्यालय परिसर, डोंडापार्थी, विशाखापत्तनम के पते पर 18.11.2024 तक भेज सकते हैं और 22.11.2024 को अदालत में उपस्थित हो सकते हैं।

यह ध्यान देने योग्य है कि केवल मंडलीय स्तर पर विचाराधीन अनुकंपा नियुक्ति के मामलों को ही अदालत में सुना जाएगा। मुख्यालय और मंडल स्तर पर पहले से ही निर्णय लिए गए मामलों को पुन: नहीं सुना जाएगा।

पूरी जानकारी के लिए पूर्व तट रेलवे की वेबसाइट "https://eastcoastrail.indianrailways.gov.in —> About us —> Division —> Waltair Division —> Compassionate appointment —> Holding of Compassionate Appointment Cases 2024" पर जाएं।

PR-704/P/24-25 मंडल रेलवे प्रबंधक (कार्मिक), वाल्टियर

ध्वस्तीकरण नोटिस मामले में कोर्ट से 11 नवंबर तक राहत

बहराइच, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बहराइच में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के बाद जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार को मौखिक निर्देश दिया कि फिलहाल ऐसी कोई कारवाई न करें जो कानून सम्मत न हो।

सरकारी वकीलों ने भी कानून सम्मत करवाई करने का आश्वासन दिया

कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को चार बिंदुओं पर जवाब दाखिल करने और याची को इनपर आपत्तियां दाखिल करने का समय देकर अगली सुनवाई 11 नवंबर को नियत की है। हालांकि, मामले में कोर्ट ने अभी कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया है लेकिन, फिलहाल

ध्वस्तीकरण नोटिस मामले में 11 नवंबर तक कथित अतिक्रमणकर्ताओं को राहत रहेगी। न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ के समक्ष एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स संस्था की जनहित याचिका बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी। याचिका में बहराइच के कथित अतिक्रमणकर्ताओं को बीते 17 अक्तूबर को जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती देकर इन्हे रद्द करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया है।

कोर्ट ने राज्य सरकार से किए ये सवाल

कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या नोटिसें जारी करने से पहले वहां कोई सर्वे किया गया था या नहीं? क्या जिन्हें नोटिसें जारी हुईं वे लोग निर्मित परिसरों के स्वामी हैं या नहीं? नोटिस जारीकर्ता प्राधिकारी इन्हें जारी करने को सक्षम था या नहीं। इन बिंदुओं के अलावा कोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा है कि महराजगंज बाजार की जिस सड़क पर बने निर्माणों को ढहाने की नोटिस जारी हुईं, क्या पूरा निर्माण या उसका कोई हिस्सा अवैध निर्माण था या नहीं? राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता विनोद शाही मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह के साथ पेश हुए और कोर्ट को वांछित जानकारी दी। बता दें कि बहराइच के महाराजगंज में 13 अक्तूबर को हिंसा के बाद रामगोपाल मिश्रा की हत्या हो गई थी। इसके बाद वहां महाराजगंज के कथित अतिक्रमणकर्ताओं के निर्माणों को ढहाने की नोटिसें उन्हें जारी की गईं थीं।

मासूम से दुष्कर्म और फिर हत्या

आगरा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आगरा के मलपुरा में बालिका की हत्या के आरोपी को किशोर गृह में भेजा गया है। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि वह 2 महीने से बालिका के पीछे पड़ा था। दिवाली पर 500 रुपये का लालच देकर अपने पास बुलाया था। इसके बाद दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध पर हत्या कर फरार हो गया। 31 अक्तूबर शाम को मलपुरा क्षेत्र की 8 साल की बालिका लापता हो गई थी। 1 नवंबर को उसका शव दक्षिणी बाईपास पर झाड़ियों में मिला था। पुलिस ने गांव के ही एक 16 वर्षीय किशोर को गिरफ्तार किया। उसने बालिका की हत्या करना कबूल किया था। पुलिस पूछताछ में बताया कि दो महीने पहले उसने बालिका को युवक के साथ देखा था। इस पर वह बालिका को रुपये देकर अपने जाल में फंसाना चाहता था।

कानपुर में तेंदुए की दस्तक, लोगों का बाहर निकलना बंद, पकड़ने के लिए पिंजड़े में रखा मांस

कानपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। देश के जाने-माने संस्थान आईआईटी कानपुर के जंगलों में एक बार फिर तेंदुए ने अपनी मौजूदगी दिखा दहशत मचा दी है। तेंदुए की आहट से आईआईटी कैंपस में रहने वाले छात्रों, अधिकारियों और प्रोफेसरों में डर का माहौल बना हुआ है, वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने के लिए जंगल में मांस से भरा पिजड़ा लगाए हुए है। वन विभाग की एक टीम तेंदुए के सर्चिंग ऑपरेशन में लगी हुई है। वन विभाग ने तेंदुए को लेकर इलाके के लोगों को रात में घर से बाहर ना निकालने की चेतावनी दी है। इससे पहले भी कानपुर में कटरी क्षेत्र से तेंदुआ कानपुर वीएसएसडी कॉलेज से होता हुआ नेशनल शर्करा संस्थान जा पहुंचा था। उसके बाद उसे आईआईटी कैंपस में भी देखा गया था। करीब 1 साल पहले तेंदुए की दहशत से नवाबगंज कल्याणपुर क्षेत्र में लोगों ने रात में निकलना बंद कर दिया था।

वन विभाग की अधिकारी दिव्या ने बताया कि आईआईटी में तेंदुए की चहल-कदमी की जानकारी होने के बाद वन विभाग की टीम ने अपनी सर्च टीम को लगाया है। साथ ही मांसाहार भोजन के साथ एक पिंजड़ाभी जंगल में लगाया गया है। लेकिन दो दिन से उसकी चहल कदमी पिंजरे के पास नहीं दिखाई पड़ी है, जिससे उन्हें लगता है या तो वह निकल गया या फिर आईआईटी के जंगलों में उसे पर्याप्त मात्रा में भोजन मिल रहा है। इसके कारण वह पिंजरे में नहीं आ रहा है। उन्होंने बताया कि वन विभाग की सर्च ऑपरेशन टीम के 5 सदस्य आईआईटी में पिछले चार दिनों से लगातार सर्चिंग कर रहे हैं, लेकिन तेंदुआ पकड़ में नहीं आ रहा है।

ईडी ने श्री लक्ष्मी काटसिन कंपनी की 31.94 करोड़ रुपये की संपत्ति की जब्त

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कानपुर की श्री लक्ष्मी काटसिन कंपनी की छत्तीसगढ़ के भाटापारा और बलोदा बाजार में स्थित 31.94 करोड़ रुपये की 73.34 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि जब्त की है। जब्त की गई भूमि कंपनी व उसके करीबी कर्मचारियों तथा आदिवासियों के नाम पर थी। ईडी ने कंपनी के विरुद्ध यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत विभिन्न बैंकों के साथ की गई करीब 7,377 करोड़ रुपये की जालसाजी के मामले में की है। सीबीआई भी इस मामले की जांच कर रहा है। जीवनतारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली में स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के डीजीएम राजीव खुराना ने सीबीआइ को पहली जून 2021 को शिकायत दी थी कि कंपनी ने बैंकों के साथ छह हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की जालसाजी की है।

सीबीआई की जांच को आधार बनाकर ईडी ने अपनी जांच शुरू की थी। सार्वजनिक धन के डायवर्जन व जालसाजी के लिए कंपनी के अध्यक्ष व सह प्रबंध निदेशक डॉ। माता प्रसाद अग्रवाल, संयुक्त प्रबंध निदेशक पवन कुमार अग्रवाल, उप प्रबंध निदेशक देवेश नारायण गुप्ता व अज्ञात लोक सेवकों तथा अन्य व्यक्तियों को आरोपित बनाकर ईडी ने मामले की जांच आगे बढ़ाई है। अभी तक की जांच में यह सामने आया है कि कंपनी ने 2010 से 2018 की अवधि के दौरान विभिन्न बैंकों के साथ 7,377 करोड़ रुपये की जालसाजी की है। ईडी की जांच से पता चला है कि आरोपित कंपनी ने सूटिंग-शर्टिंग, रजाई वाले कपड़े, डेनिम कपड़े व अन्य कपड़ों के निर्माण को लेकर 23 बैंकों के संघ से संपर्क कर ऋण लिया था। कुछ समय बाद ऋण खातों को एनपीए (नान परफार्मिंग असेट्स) घोषित कर दिया गया। फोरेंसिक जांच में पता चला है कि कंपनी ने ऋण समझौते कंपनी ने बिना किसी छूट नीति के फर्जी पतों पर पंजीकृत कंपनियों व अन्य ग्राहकों को 207.29 करोड़ रुपये की छूट दी थी।

साथ ही कुछ फंड को मेसर्स श्रीलक्ष्मी पावर लिमिटेड में डायवर्ट कर छत्तीसगढ़ के बलोदा बाजार में स्थित आइसीआइसीआइ बैंक के खातों के माध्यम से अलग-अलग व्यक्तियों को भेज दिया था। इस राशि से कंपनी ने छत्तीसगढ़ में अपने भरोसेमंद कर्मचारियों व आदिवासियों के नाम पर भूमि खरीदी थी। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के निर्देशों के तहत कंपनी से ऋण वसूली के लिए लगभग 265.44 करोड़ रुपये की संपत्ति की बिक्री पहले ही की जा चुकी है।

20000 दो और बन जाओ दूल्हा-दुल्हन

हो गई शादी! मैरिज के नाम पर हो रहे फ्रॉड का भंडाफोड़

प्रयागराज, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पुलिस ने ऐसी गैंग का भंडाफोड़ किया है, जो महज 20 हजार रुपये में शादी का नकली सर्टिफिकेट दे रहे थे। यह काम एक साइबर कैफे में किया जा रहा था। पुलिस को जब इस बारे में सूचना मिली तो उन्होंने तुरंत इस साइबर कैफे में छापा मारा। पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके साइबर कैफे से तीन मॉनिटर, 3 सीपीयू, तीन की बोर्ड और दो प्रिंटर भी बरामद किए हैं। साथ ही तीन फेक मैरिज सर्टिफिकेट भी वहां से पुलिस को मिले। मामला प्रयागराज के कैंट इलाके का है। यहां अजय इंटरप्राइजेज नाम के साइबर कैफे से चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली कि यहां 20 हजार रुपये में फेक मैरिज सर्टिफिकेट दिए जाते हैं। पुलिस ने जब छापेमारी की तो शेषमणि दुबे उर्फ राजा और अनिल प्रजापति नाम के व्यक्ति मौके पर मिले। दोनों से पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो सारी कहानी का खुलासा हो गया। पूछताछ में ये भी पता चला है कि काफी समय से ये लोग फर्जी मैरिज सर्टिफिकेट बनाने का काम कर रहे थे। पुलिस ने दोनों के कब्जे से तीन मॉनिटर, 3 सीपीयू, तीन की बोर्ड और दो प्रिंटर बरामद किए हैं।

ऐसे हुआ मामले का खुलासा

मामले का खुलासा कुछ ऐसे हुआ। इलाहाबाद हाईकोर्ट में कई शादीशुदा जोड़ों की तरफ से सुरक्षा की मांग को लेकर याचिका दाखिल की गई हैं। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान पता चला कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मैरिज सर्टिफिकेट बनाए जाने का खेल चल रहा है। जो मैरिज सर्टिफिकेट बनाए जा रहे हैं, उनमें फेक दस्तावेजों का सहारा लिया जा रहा है। शादी करने वाले जोड़ों से मैरिज सर्टिफिकेट के नाम पर 20 हजार रुपये लिए जा रहे हैं। बिना जांच के ही फेक मैरिज सर्टिफिकेट जारी किए जा रहे हैं।

कई मामलों में तो फर्जी आधार कार्ड और बर्थ सर्टिफिकेट सहित नाबालिग लड़कियों के बालिग प्रमाण पत्र बनाए जाने की भी बात सामने आई थी। हाईकोर्ट ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रयागराज पुलिस अधिकारियों को जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया था।

मामले में क्या बोले डीसीपी

डीसीपी सिटी ने बताया- इस गिरोह के संबंध में हाईकोर्ट में दाखिल एक याचिका को लेकर जांच की जा रही थी। इसी दौरान गिरोह को लेकर पुलिस को जानकारी मिली। गहनता से जब पुलिस टीम ने जांच की तो फर्जी मैरिज सर्टिफिकेट बनाए जाने का खुलासा हुआ। अजय इंटरप्राइजेज के मालिक अजय चौरसिया की भूमिका को लेकर भी जांच की जा रही है। जांच में जो साक्ष्य सामने आएंगे, उसके आधार पर अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

यूपी उपचुनाव में सपा प्रत्याशी समेत कई लोगों पर एफआईआर, पुलिस ने बताई वजह, बढ़ी सरगर्मी

मुजफ्फरनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में मीरापुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर विवाद बढ़ गया है। सपा (समाजवादी पार्टी) की उम्मीदवार सुम्बुल राणा के समर्थन में बिना अनुमति के आयोजित एक जनसभा पर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। इस सभा में शामिल 12 नामजद लोगों और 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है, जिसमें आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप लगाए गए हैं। यह जनसभा रामराज थाना क्षेत्र के चूहापुर फरीदपुर गांव में हुई थी। इस सभा का आयोजन सुम्बुल राणा के ससुर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख मुस्लिम नेता और पूर्व सांसद कादिर राणा ने किया था। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ यह सभा आयोजित की, लेकिन इसके लिए प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। इस पर पुलिस ने नियमों का उल्लंघन मानते हुए कादिर राणा समेत कई लोगों पर एफआईआर दर्ज कर दी।इस घटना के बाद प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के दौरान सभी उम्मीदवारों और उनके समर्थकों को नियमों का पालन करना होगा।

क्या बोले एसपी ग्रामीण आदित्य बंसल

इस मामले में जानकारी देते हुए एसपी ग्रामीण आदित्य बंसल ने बताया कि पुलिस को कल शाम सूचना मिली थी कि चूहापुर फरीदपुर गांव में बिना अनुमति के सभा हो रही है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा कि सभा में कई गाड़ियां और लोगों की भीड़ जुटी हुई थी। इस पर पुलिस ने आचार संहिता और अन्य नियमों के उल्लंघन के आधार पर रामराज थाने में मामला दर्ज किया। एफआईआर में 10-12 लोगों को नामजद किया गया है और 15-20 अन्य अज्ञात लोगों पर भी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

48 घंटे पुलिस रिमांड पर रहेगा एकता हत्यारोपी विमल सोनी

कानपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। एकता हत्याकांड का मुख्य आरोपी जिम ट्रेनर विमल सोनी 48 घंटे तक पुलिस कस्टडी रिमांड पर रहेगा। पुलिस की रिमांड याचिका पर अदालत ने यह फैसला सुनाया। इस दौरान तमाम उन सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश की जाएगी, जिन्हें लेकर पुलिस के पास फिलहाल कोई जवाब नहीं है। सिविल लाइंस गोपाल विहार निवासी मयूर शेयर ट्रेडिंग कंपनी में कार्यरत राहुल गुप्ता की 35 वर्षीय पत्नी एकता गुप्ता 24 जून 2024 को ग्रीन पार्क स्थित जिम से लापता हो गई थीं। एकता के साथ उनका जिम ट्रेनर विमल सोनी भी गायब था। पुलिस इसे प्रेम प्रसंग मान रही थी, लेकिन 26 अक्टूबर को प्रकरण में तब नया मोड़ आया, जब पुलिस ने जिम ट्रेनर विमल सोनी को गिरफ्तार कर डीएम आवास कंपाउंड से सटे आफीसर्स क्लब में जमीन में गड़ा शव बरामद कर लिया। इस मामले में पुलिस के पर्दाफाश पर लगातार सवाल उठाए जा रहे थे। पुलिस अधिकारियों का कहना था कि इन सवालों के जवाब विमल के पास हैं। अनसुलझे सवालों का जवाब तलाशने के लिए पुलिस ने विमल सोनी की सात दिनों की पुलिस कस्टडी रिमांड मांगी थी।

प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशीष कुमार सिंह की अदालत ने पुलिस की याचिका पर सुनवाई करते हुए केवल 48 घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड स्वीकृत की। यह आदेश छह नवंबर की सुबह आठ बजे से आठ नवंबर की सुबह आठ बजे तक प्रभावी रहेगा। पुलिस ने माना विमल के बयान विरोधाभासी पुलिस ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में जो याचिका दायर की थी, उसमें तमाम बिंदुओं पर मुख्य आरोपित से पूछताछ का तर्क दिया था। अदालत को दिए गए प्रार्थना पत्र में पुलिस ने यह भी माना है कि विमल के बयान विरोधाभासी हैं। पुलिस ने उसे रिमांड पर लेने के दो कारण अदालत को बताए।

महाकुंभ में गैर धर्मावलंबी की दुकान नहीं- साध्वी प्राची, पहले मक्का मदीना में हिंदुओं की कराएं एंट्री

मुरादाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। संभल परिक्रमा यात्रा के कार्यक्रम में शामिल होने आईं साध्वी प्राची ने पत्रकार वार्ता में महाकुंभ में गैर सनातनी की दुकान नहीं लगने की बात को लेकर विरोधियों की बयानबाजी पर कहा कि यह लोग थूक जिहाद और मूत्र जिहाद चला रहे हैं, उनके लिए यह बहुत अच्छा फैसला है। तमाम हिंदू समाज इस फैसले का समर्थन कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब मक्का मदीना में कोई हिंदू प्रवेश नहीं कर सकता तो महाकुंभ भी बहुत पवित्र और साधना की जगह है। इसलिए वहां गैर सनातनी की कोई दुकान नहीं होनी चाहिए। पहले मक्का मदीना में इजाजत दिलवाकर हिंदुओं की एंट्री कराएं तब इस मसले पर हमसे बात करें। यूपी उपचुनाव की तारीख बदले जाने को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा टालेंगे तो और बुरा हारेंगे वाले बयान पर साध्वी प्राची ने कहा कि खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली स्थिति में है।

'यादव मतलब सिर्फ लालू यादव नहीं'

उपचुनाव के बीच बीजेपी नेता का आरजेडी पर हमला

पटना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता रामकृपाल यादव ने आरजेडी पर हमला बोला है। बुधवार को रामकृपाल यादव गया पहुंचे थे। उन्होंने एक होटल में पत्रकारों से कहा कि पीएम मोदी और नीतीश कुमार के पिछले 18 सालों से रही सरकार में विकास का कार्य हुआ है। उन्होंने सबके लिए सोचा है जिसका असर है। उपचुनाव में बिहार की चार सीटों पर जनता आज एनडीए के साथ है। रामकृपाल ने कहा कि गया में दोनों विधानसभा में जनता का एनडीए की ओर मूड है। बेलागंज में आरजेडी के सुरेंद्र प्रसाद यादव के खिलाफ जनता ने मूड बना लिया है। बेलागंज में 35 साल तक लगातार विधायक रहे हैं, मंत्री भी रहे हैं और उनके क्षेत्र में सड़क नहीं है। विकास का कोई काम नहीं हुआ है, जिसा मैंने देखा है।

एमवाई समीकरण पर साधा निशाना

पत्रकारों से बात करते हुए रामकृपाल यादव ने एमवाई समीकरण पर निशाना साधा। कहा कि मनोरमा देवी यादव जी नहीं हैं? यादव का मतलब सिर्फ सुरेंद्र यादव और लालू यादव है? और कोई नहीं है क्या? लालू ने कहा कि हमने आवाज दी। उस वक्त हम भी थे। आवाज दे दी लेकिन खाना नहीं दिया। सम्मान भी तो नहीं दिया। रामकृपाल यादव ने आगे कहा, जब यादव समाज असहाय है, ठगा हुआ महसूस कर रहा है, तो मुस्लिम समाज भी ठगा महसूस कर रहा है। क्या मुस्लिम को विकास नहीं चाहिए? विकास, रोजी-रोटी, सड़क-पुल, पानी-बिजली सबको चाहिए। यह सरकार की पॉलिसी में है। जिस व्यक्ति को अपने क्षेत्र की सड़क के निर्माण के लिए फुर्सत नहीं है, अपना पैसा नहीं देना था, सरकार उसके लिए पहले से पॉलिसी बनाई है, उस पॉलिसी के अनुसार सिर्फ पत्र लिखना है। जिसको अपने क्षेत्र के विकास के काम के लिए फुर्सत नहीं है तो जनता इसे कैसे बर्दाश्त करेगी।

फजलगंज के ट्रिपल मर्डर में दो अभियुक्त दोषी करार

कानपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। साल 2021 में फजलगंज में ट्रिपल मर्डर केस में अपर जिला जज-14 की कोर्ट ने दो अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। सजा सात नवंबर को सुनाई जाएगी। बता दें कि फजलगंज थाना क्षेत्र में दो अक्टूबर 2021 को फजलगंज में परचून दुकानदार प्रेम किशोर, उसकी पत्नी ललिता देवी, 12 साल का बेटा नैतिक मृत अवस्था में घर में खून से लथपथ पड़े मिले थे। घटना की रिपोर्ट प्रेम किशोर के भाई ओम नगर दर्शनपुरवा निवासी राज किशोर ने दर्ज कराई थी। पुलिस ने घटना का खुलासा कर इटावा हरचंदीपुर निवासी गौरव शुक्ला और उसके दोस्त राहतपुर निवासी हिमांशु ङ्कषसह चौहान को गिरफ्तार किया था। गौरव कई साल पहले प्रेम किशोर के साथ गुरुग्राम की फैक्ट्री में काम करता था। घटना वाले दिन ये दोनों प्रेम किशोर के घर ठहरे थे। बताया था कि दिल्ली जाना था, उनकी ट्रेन छूट गई है।

इन्हीं लोगों ने लूटपाट के इरादे से तीनों की हत्या कर दी थी। हत्या के बाद प्रेम किशोर की बाइक लेकर भागे थे। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता शिव भगवान ने बताया कि पुलिस ने 28 दिसंबर 2021 को चार्जशीट दाखिल की थी। 24 अप्रैल 2022 को चार्ज फ्रेम हुए। गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने दोनों अभियुक्तों की दोषी करार दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, प्रेम किशोर के सिर से चेहरे तक धारदार हथियार की 12 चोटें थीं। ललिता के सिर की हड्डी टूटी पाई गई थी। चेहरे, सीने, गर्दन, कमर के पास आठ से 10 घाव मिले थे। गर्दन को धारदार हथियार से रेता गया था। कंधे से सीने तक और दाहिने हाथ व कमर पर घाव थे। 12 साल के नैतिक के शरीर पर छह चोटें मिली थीं। उसके गले को कसा गया था और गर्दन मरोड़ दी गई थी। सिर की हड्डियां टूटी थीं। वादी और प्रेम किशोर के भाई राजकिशोर ने बयान दिया था कि अनहोनी की आशंका पर दुकान का ताला तोड़कर घर के अंदर गया तो भाई, उसकी पत्नी, बेटे खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़े थे। तीनों के हाथ-पैर बंधे हुए थे। पड़ोसी सोनी ने बयान दिया था कि उसका घर प्रेम किशोर के घर से 50 मीटर दूर पर है।

मजदूरों को लेकर जा रही डबल डेकर बस हादसे का शिकार, 20 से अधिक लोग घायल

फिरोजाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां पर यात्रियों से भरी एक प्राइवेट बस पलट गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त बस, डबल डेकर थी, जो यात्रियों को लेकर हमीरपुर से हाथरस, इगलास की ओर जा रही थी। बस में करीब 20 से 22 लोग सवार बताए जा रहे हैं। इसमें मौजूद लोग मजदूरी का काम करते हैं और ईट भट्टे पर काम करने के लिए जा रहे थे। बता दें कि यह सड़क दुर्घटना रामगढ़ थाना क्षेत्र के चनोरा पुल के पास हुई है। हादसे के बाद बस में मौजूद करीब सभी मजदूर घायल बताए जा रहे हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घायलों में दो को ज्यादा चोट लगने के कारण उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों को आगरा के लिए रेफर कर दिया गया है।

बस में सवार हमीरपुर जिले के एक यात्री मान सिंह ने हादसे को लेकर जानकारी दी। बस ड्राइवर के ऊपर शराब पीकर गाड़ी चलाने की आशंका भी जाहिर की गई है। मान सिंह ने बताया कि प्राइवेट बस थी, जिसमें 20-22 लोग मौजूद थे। हादसे में सभी लोग घायल हुए हैं। उसने बताया की बस यात्रियों को लेकर हाथरस जा रही थी। इसमें ईट भट्टों पर काम करने वाले मजदूर मौजूद थे, जो हादसे में घायल हो गए। यह घटना बुधवार तड़के सुबह की बताई जा रही है। मजदूरों को लेकर एक प्राइवेट डबल डेकर बस हमीरपुर से हाथरस, इगलास जा रही थी। तभी फिरोजाबाद के रामगढ़ थाना क्षेत्र में चनोरा पुल के पास बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बस में मौजूद सभी लोगों ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाने की कोशिश की। मौके पर मौजूद पुलिस हादसे के कारण का पता लगा रही है।

पटना के पत्रकार नगर थाने में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंचीं दमकल की कई गाड़ियां

पटना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी पटना के पत्रकार नगर थाने में बुधवार की सुबह भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग के चलते धुएं के गुबार उठने लगे। शुरुआती खबर के अनुसार आग थाने के मालखाने में लगी जिसके बाद हड़कंप मच गया। मौके पर दममकल की कई गाड़ियां पहुंचीं जिसके बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के दौरान 50 पुलिसकर्मी मौजूद थे। कोई जान-माल की क्षति नहीं हुई है। माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है।

सपा सांसद रुचि वीरा के करीबी पर लगा जमीन कब्जाने का आरोप, मारपीट करने के बाद फायरिंग, एफआईआर दर्ज

मुरादाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में सपा सांसद रुचि वीरा के करीबी अब्दुल गनी की गुंडई का वीडियो वायरल हो रहा है। जमीन कब्जाने और फायरिंग करने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। अब्दुल पर अपने साथियों के साथ प्लाट पर कब्जा करने और रोकने पर मारपीट करने धमकी के साथ ही फायरिंग करने का भी आरोप लगा है। पीड़ित फरहान सरताज ने अब्दुल और उसके साथियों पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल यह पूरी घटना थाना भोजपुर क्षेत्र के भोजपुर इलाक़े की है। पीड़ित के मुताबिक़ उसकी पत्नी के नाम से लिए गए प्लाट पर आरोपी गनी की काफ़ी समय से

नजर थी, आज बुधवार को आरोपी अपने साथियों के साथ प्लाट पर कब्जा करने पहुंच गया। सूचना पर जब वो मौके पर पहुंचा तो आरोपी ने सपा सांसद रुचि वीरा का निजी सचिव होने की बात कहकर धमकाना शुरू कर दिया। जब उसने विरोध जारी रखा तो उसके साथ मारपीट कर उसे जान से मारने की नीयत से उसके ऊपर गोली चला दी, जिसमें वो बाल बाल बच गया। मारपीट करने के बाद फायरिंग, एफआईआर दर्ज पीड़ित ने अपने ऊपर हुए हमले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस पीड़ित को थाने ले गई। जहां उससे शिकायत पत्र लेकर आरोपी अब्दुल गनी के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

एसपी ग्रामीण मुरादाबाद कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि पीड़ित फरहान सरताज के तहरीर के आधार पर जब वह अपनी जमीन पर निर्माण कार्य करवा रहे थे तो अब्दुल गनी, उजैब और 4 से 5 अज्ञात व्यक्ति द्वारा जमीन कब्जा करने की धमकी देने लगे और फायरिंग कर दी।

कोल्हापुर चुनाव प्रचार करने पहुंचे उद्धव ठाकरे ने जनता से किए 5 वादे

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। 20 नवंबर को चुनाव के लिए मतदान होगा और 23 नवंबर को चुनाव के परिणाम घोषित किए जाएंगे। इसे लेकर शिवसेना यूबीटी के मुखिया उद्धव ठाकरे ने बुधवार को चुनाव प्रचार के दौरान जनता से 5 मुख्य चुनावी वादे किए। उन्होंने इस दौरान कहा कि राज्य के छात्राओं को मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने पुलिसकर्मियों की भर्ती, मुंबई में अडानी परियोजना को रद्द करने, किसानों को एमएसपी दिए जाने और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर करने को लेकर वादा किया।

उद्धव ठाकरे के 5 वादे

1 राज्य के छात्राओं को सरकार द्वारा मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाती है। हालांकि अगर राज्य में महाविकास अघाड़ी सत्ता में आती है तो राज्य के बच्चों, छात्रों को भी मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। बेटा और बेटी दोनों परिवार के स्तंभ हैं। इसलिए बेटियों के साथ बेटों को भी सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा मिलनी चाहिए।

2 महिलाओं को अक्सर पता नहीं होता है कि पुलिस स्टेशन जाने पर शिकायत कहां करें। इसे देखते हुए प्रदेश में एमवीए के सत्ता में आने पर महिला पुलिसकर्मियों की भर्ती की जाएगी। वरिष्ठ पदों पर महिला अधिकारियों के साथ महिला पुलिस कर्मियो से लैस पुलिस स्टेशन स्थापित किया जाएगा।

3 मुंबई में अडानी परियोजना को रद्द करने और उद्योग के साथ धारावी निवासियों को घर देने का वादा। ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों को मुंबई में आना चाहिए। ठाकरे ने कोल्हापुरवासियों से कहा, मुंबई आपका है, मराठी आदमी का है। मराठी आदमी ने खून बहाकर मुंबई को बचाया है, इसलिए मुंबई पर आपका अधिकार है। ठाकरे ने कहा, "आने वाले दिनों में अगर हम सत्ता में आते हैं तो महाराष्ट्र के भूमिपुत्रों को धारावी और मुंबई के इलाकों में सस्ते मकान मुहैया कराएंगे।

4 एमवीए के सत्ता में आने पर राज्य के किसानों को एमएसपी दिया जाएगा। अगर हमारी सरकार नहीं गिरी होती तो अब तक किसान कर्ज मुक्त हुए होते। लेकिन जब हम सत्ता में वापस आएंगे तो हम कृषि उपज को एमएसपी देंगे।

5 हमारी सरकार के दौरान, पांच जीवन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें स्थिर थीं। अब जब हम सत्ता में वापस आएंगे तो अगले पांच वर्षों तक महाराष्ट्र में जीवन आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा उसे स्थिर रखेंगे। हमारी सरकार दाल, चावल, चीनी, तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर रखेगी।

राहुल गांधी के आरक्षण वाले बयान पर भड़की भाजपा, कहा- इसी वजह से लोग उन्हें नेता नहीं मानते

भोपाल, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने तेलंगाना में अपने एक बयान में कहा है कि कांग्रेस सरकार 50 प्रतिशत आरक्षण की कृत्रिम बाधा को खत्म कर देगी। अब राहुल गांधी के इस बयान पर भाजपा का पलटवार सामने आया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि इसी वजह से लोग राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

कैलाश विजयवर्गीय का राहुल गांधी पर निशाना

कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी के बयान पर कहा कि 'राजनीति और नौटंकी अलग-अलग चीजें हैं। नौटंकीबाज कभी भी राजनीति में सफल नहीं हो सकता। राजनीति एक गंभीर विषय है और राहुल गांधी में कभी भी गंभीरता नहीं दिख सकती। यही वजह है कि जनता उन्हें नेता के तौर पर स्वीकार नहीं कर पा रही है। हम आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन राहुल गांधी समाज को जाति के नाम पर बांटना चाहते हैं, वे जातीय जनगणना के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।' महाराष्ट्र विधानसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टिवार ने कहा कि 'आज समाज का हर वर्ग अपने लिए लड़ रहा है। राहुल गांधी ने इसका उपाय दिया है और कहा है कि हर किसी को सरकार और प्रशासन में समान अधिकार मिलने चाहिए।'

भाजपा के लिए महिलाएं सम्मानीय

कैलाश विजयवर्गीय ने मध्य प्रदेश में महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 फीसदी सरकारी आरक्षण देने के फैसले पर कहा कि 'हमने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम किया है। साल 2014 से ही हम इस दिशा में काम कर रहे हैं और हमने महिलाओं के लिए आरक्षण बढ़ाया, उन्हें सेना-पुलिस में नौकरी के ज्यादा मौके दिए। राजनीति में भी उनके लिए आरक्षण लाए। हमारे लिए महिलाएं सम्मानीय हैं, जबकि विपक्ष के लिए महिलाएं 'माल' हैं।'

युवक ने पिज्जा का डिब्बा खोला तो कांप गया दिल, बोला- घर का खाना ही सबसे बेहतर है

शहडोल, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पिज्जा खाने का शौकीन एक युवक पिज्जा को पैक कराकर घर ले गया। घर पहुंचने के बाद जब उसने पिज्जा का पैकेट खोला तो उसमें कुछ ऐसी चीज निकली, जिसे देखकर युवक सिहर उठा। मध्य प्रदेश के शहडोल से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक एक दुकान से पिज्जा को पैक कराकर अपने घर पहुंचा और जब उसने डिब्बा खोला तो उसके पिज्जा में कीड़े रेंग रहे थे। युवक ने इसका वीडियो बना लिया, जो वायरल हो रहा है। हालांकि पिज्जा की दुकान के संचालक का कहना है कि ये साजिशन किया गया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी का कहना है कि इस मामले में अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। अगर आप भी चाव से पिज्जा खाते हैं तो सावधान रहने की जरूरत है। ये खबर आपके लिए चेतावनी हो सकती है कि बिना देखें कुछ भी ना खाएं। संभागीय मुख्यालय शहडोल के इतवारी मोहल्ला निवासी रोहन बर्मन बड़े ही चाव से स्टेडियम रोड पर स्थित डी लाइट काफी एंड रेस्टोरेंट से एक पिज्जा घर ले गया था। पैकेट खोलते ही पिज्जा में एक कीड़ा दिखा, इसके बाद पिज्जा को ठीक से देखा तो स्लाइस में एक और कीड़ा था। ताज्जुब की बात यह है कि दोनों कीड़े जिंदा थे और रेंग रहे थे। रोहन ने कहा कि डिब्बा खोलते ही मन में पिज्जा को लेकर एक डर सा बैठ गया। डिब्बे और स्लाइस में जिस तरह कीड़े रेंगते मिले, उसे देखकर मैं अंदर तक सिहर गया। उन्होंने कहा कि अगर डिब्बे में कीड़ा नहीं दिखा होता तो शायद मैं पिज्जा के अंदर कीड़े चेक नहीं करता और खाना शुरू कर देता। रोहन ने लोगों से अपील की है कि पिज्जा खाना छोड़कर अपने घर का खाना खाएं तो ज्यादा बेहतर रहेगा। इस पूरे मामले में डी लाइट काफी एंड रेस्टोरेंट के संचालक राज कुमार यादव का कहना है कि ये उनको फंसाने की साजिश है। पिज्जा में कीड़े निकलना संभव ही नहीं है।

योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' पर भड़के अकबरुद्दीन ओवैसी भाषण के बीच में बोले- 'अभी 15 मिनट बाकी हैं'

संभाजीनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के संभाजीनगर में एआईएमआईएम सुप्रीमो असद्दुदीन ओवैसी के छोटे भाई अकबरुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले नारे पर पलटवार किया है। अकबरुद्दीन ने योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे के मुकाबले में इत्तेहाद का नारा लगाया है और मुसलमानों से एकजुट होकर उनकी पार्टी को वोट करने की अपील की है। अकबरुद्दीन ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा है कि देश में मजहब के नाम पर नफरत की सियासत हो रही है। उन्होंने कहा कि मॉब लिंचिंग, बीफ, घर वापसी, टोपी और दाढ़ी के नाम पर 'काटा' जा रहा है।

'हिंदुस्तान मेरा भी है'

अकबरुद्दीन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'बंटोगे तो कटोगे से लोगों को कई एतराज है। लेकिन मैं ये कहूंगा कि बीफ के नाम पर, मॉब लिंचिंग और घर वापसी के नाम पर, टोपी पहनने के नाम पर, दाढ़ी रखने के नाम पर तो तुम बांट रहे हो। क्या इससे मुल्क कमजोर नहीं हो रहा है? मुसलमानों और हिंदुओं को लड़ाना क्या देश को बांटना नहीं है? मैं, अकबरुद्दीन ओवैसी, एक मुसलमान कह रहा हूं कि नरेंद्र मोदी और योगी, हिंदुस्तान जितना आपका है उतना ही मेरा भी है।' अकबरुद्दीन ओवैसी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वह मुसलमान हैं, इसलिए मुसलमानों की आवाज उठाते हैं। अकबरुद्दीन ओवैसी ने लोगों को संबोधित करते हुए रात के 09:45 पर कहा कि 'कैंपेनिंग का टाइम 10 बजे, अभी 15 मिनट बाकी है।' बता दें कि कुछ साल पहले अकबरुद्दीन ने कथित तौर पर '15 मिनट' का जिक्र करते हुए एक विवादित भाषण दिया था। उन्होंने अपने भाषण के दौरान योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बार-बार निशाना साधा। अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 20 नवंबर को आसमान में सिर्फ 'पतंग ही पतंग' होगी। बता दें कि पतंग एआईएमआईएम का चुनाव चिह्न है और 20 नवंबर को महाराष्ट्र में मतदान है। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

शराब के नशे में धुत 20 साल के रईसजादे ने मर्सिडीज से मारी महिला को टक्कर, मौके पर मौत

बेंगलुरु, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। 20 साल के एक छात्र ने कथित तौर पर शराब के नशे में मर्सिडीज-बेंज से 30 साल की महिला को कुचल दिया। यह घटना शनिवार शाम को बेंगलुरु के केंगेरी ट्रैफिक ट्रांजिट मैनेजमेंट सेंटर के पास हुई। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी है। मृतका की पहचान संध्या ए एस के रूप में हुई है, जो बसवेश्वर नगर की रहने वाली थी। वह सड़क पार कर रही थी तभी ड्राइवर, जिसकी पहचान धनुष परमेश के रूप में हुई, ने तभी गाड़ी से कंट्रोल खो दिया। परमेश नगरभावी का निवासी है और एक स्थानीय व्यवसायी परमेश का बेटा है, जो बेंगलुरु में एक ट्रैवल एजेंसी चलाता है।

आरोपी के खून में मिली शराब की मात्रा

पुलिस अधिकारी ने इस घटना की जानकारी देते हुए आगे बताया कि आरोपी ड्राइवर के एल्कोमीटर परीक्षण से पता चला कि उसके खून में अल्कोहल की मात्रा 177 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर थी, जो कानूनी रूप से स्वीकार्य सीमा 30 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से कहीं अधिक थी। धनुष, कथित तौर पर तेज गति से गाड़ी चला रहा था,जैसे ही वो केंगेरी केंद्र के पास पहुंचा, वह स्पीड ब्रेकर को नहीं देख पाया और इस वजह से उन्होंने गाड़ी का कंट्रोल खो दिया, जिसके कारण टक्कर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उसने संध्या को मारा लेकिन वहां रुका नहीं। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने धनुष को हिरासत में ले लिया और बाद में पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

धारा 105 के तहत गैर इरादतन हत्या का आरोप

इसके बाद केंगेरी ट्रैफिक पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक हिरासत में डाल दिया। उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत गैर इरादतन हत्या का आरोप है।

चुनावी मैदान में उतरे पति फहद अहमद के लिए स्वरा भास्कर भी एक्टिव, लोगों से की ये अपील

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने पति फहद अहमद के चुनाव प्रचार के लिए जनता से आर्थिक मदद मांगी है. फहद अहमद ने क्राउंडफंडिंग कैम्पेन शुरू किया है जिसका लिंक स्वरा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है. स्वरा ने कहा कि राजनीति में प्रतिबद्ध, प्रगतिशील और शिक्षित युवा के समर्थन के लिए कृपया दान दें. एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने 'एक्स' पर क्राउड फंडिंग का लिंक शेयर करते हुए लिखा, "मेरे पति फहद अहमद अणुशक्ति नगर से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं. यह उनका क्राउडफंडिंग कैम्पेन है. राजनीति में प्रतिबद्ध, प्रगतिशील, शिक्षा युवा को समर्थन देने के लिए कृपया दान दें." फहद अहमद को चुनाव में टिकट देने पर स्वरा भास्कर ने एनसीपी-एसपी के नेतृत्व के प्रति आभार भी जताया था.

क्राउडफंड के जरिए मिले अब तक करीब 1 लाख रुपये

फहद अहमद ने 35 लाख रुपये का टार्गेट रखा गया है. इसमें लिखा गया है कि जो लोग 20 हजार से अधिक दान करना चाहते हैं उनके लिए पैन अनिवार्य है. अभी तक 98612 रुपये क्राउडफंड के जरिए मिले हैं. अभी तक 64 लोगों ने दान किया है. दान करने के लिए अब 13 दिन शेष रह गए हैं. अभी तक केवल 3 प्रतिशत ही दान मिला है. क्राउडफंडिंग की शुरुआत कल यानी 5 नवंबर को हुई है और 19 नवंबर को समाप्त हो जाएगा.

चुनाव से पहले शरद पवार की पार्टी से जुड़े फहद

फहद अहमद पहले समाजवादी पार्टी में रहे हैं लेकिन चुनाव से पहले वह शरद पवार की एनसीपी-एसपी से जुड़ गए. एनसीपी-एसपी ने उनपर भरोसा जताते हुए अणुशक्ति नगर से टिकट दिया. अणुशक्ति नगर से नवाब मलिक विधायक हैं. वह अजित पवार गुट की एनसीपी के नेता हैं. 2009 में भी नवाब मलिक ने इस सीट से चुनाव जीता था. 2014 का चुनाव यहां से अविभाजित शिवसेना से तुकाराम काटे ने जीता था.

ब्रेकअप से परेशान शख्स आधी रात को श्मशान घाट पर करता था ये काम, फिर एक दिन कमरे में मिली लाश

भोपाल, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कहते हैं कि प्यार में इंसान बिल्कुल अंधा हो जाता है। उसे कुछ दिखाई ही नहीं देता, न जाति-पंथ, न अमीरी-गरीबी न ही सही गलत। ऐसे ही एक मामला मध्यप्रदेश के भोपाल से आया है। भोपाल में प्यार में पागल एक इवेंट मैनेजर ने तांत्रिक की वजह से आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मामले में जांच पड़ताल करते हुए तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला था, जिस वजह से उन्हें जांच में कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल ने बताया कि 10 अक्टूबर को इवेंट मैनेजर समर प्रताप सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने बताया कि समर के घर वालों ने उसकी मौत के लिए अशोका गार्डन में रहने वाला तांत्रिक आशुतोष उनके बेटे की मौत के लिए जिम्मेदार बताया है। इसके बाद पुलिस ने जब इवेंट मैनेजर समर प्रताप के फोन की जांच करवाई, तो वॉट्सएप चैट से खुलासा हुआ कि आशुतोष नाम के तांत्रिक की वजह से युवक ने जान दे दी।

तुझे भी तेरे बॉस के पास पहुंचा दिया जाएगा

जीशान सिद्दीकी के बाद उनके करीबियों से भी की गई पैसे की डिमांड, बताया बिश्नोई गैंग का सदस्य

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जीशान सिद्दीकी के बाद अब उनके करीबियों को भी एक्सटॉर्शन के लिए फोन आए। मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक, बाबा सिद्दीकी के परिवार के करीबी सदस्य ने मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उन्हें एक्सटॉर्शन के लिए फोन आ रहे हैं। फोन करने वाले शख्स ने 5 करोड़ की मांग की और खुद को बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया। मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में इकबाल नाम के एक शख्स ने मामला दर्ज कराया है, जो बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में चश्मदीद भी हैं। इकबाल ने पुलिस को बताया कि एक व्यक्ति ने उन्हें फोन किया और कहा गया कि 5 करोड़ तैयार रखना, वरना तुझे भी तेरे बॉस के पास पहुंचा दिया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीशान सिद्दीकी को भी धमकी भरा कॉल बांद्रा ईस्ट स्थित जनसंपर्क कार्यालय के फोन पर आया था। फोन पर शख्स ने अभिनेता सलमान खान और विधायक जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी दी थी और पैसे की मांग की थी। पुलिस ने फोन करने वाले शख्स को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया था। इस मामले में जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के कर्मचारी की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर निर्मलनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। वहीं, जब मामले की जांच की गई तो कॉल करने वाला शख्स नोएडा का निकला। मुंबई पुलिस ने नोएडा से उसे गिरफ्तार किया। बता दें कि 12 अक्टूबर की रात बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली है। बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में अब तक कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। 26 अक्टूबर को 15वें आरोपी को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया गया। उसका नाम सुजीश सुशील सिंह है। पुलिस इस मामले में अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है। इसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एंगल से भी जांच चल रही है, क्योंकि ऐसा माना जा रहा है कि सलमान खान से नजदीकी के कारण भी बाबा सिद्दीकी पर हमला हुआ हो सकता है। हालांकि, बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी का कहना है कि उनके पिता गरीबों के हक की आवाज उठा रहे थे, इसलिए उनकी हत्या की गई।

रेप पीड़िता को गुजरात हाईकोर्ट ने दी गर्भपात की मंजूरी

26 वर्षीय युवती को 17 हफ्ते से ज्यादा का गर्भ, मेडिकल रिपोर्ट सामान्य

अहमदाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात हाई कोर्ट में दिवाली की छुट्टियों के दौरान तत्काल सुनवाई के लिए आने वाले मामलों में एक 26 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता द्वारा गर्भपात की याचिका भी शामिल थी, जिसमें पीड़िता 17 सप्ताह से अधिक की गर्भवती है और उसने गर्भपात करने के लिए अपना इरादा व्यक्त किया था। मंगलवार को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मेडिकल जांच के बाद गुजरात हाई कोर्ट ने पीड़िता को गर्भपात कराने की इजाजत दे दी है। गौरतलब है कि इस घटना को लेकर अहमदाबाद के सोला हाई कोर्ट पुलिस स्टेशन में भारतीय न्यायिक संहिता की धारा 64(2)(एम) और 127(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एक्सपर्ट डॉक्टर्स ने मेडिकल परीक्षण किया

बीते दिन पीड़िता अपने वकील के साथ कोर्ट में पेश हुई और कोर्ट के सामने अपनी पहचान बताई। पीड़िता ने कोर्ट के सामने गर्भपात कराने की मंशा जताई। इस संबंध में कोर्ट ने सोला सिविल अस्पताल को निर्देश दिया और कहा कि चिकित्सा अधीक्षक, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ आदि विशेषज्ञ डॉक्टर लड़की की मेडिकल जांच करेंगे। इसके बाद मंगलवार को इस संबंध में हाई कोर्ट में हलफनामा भी दाखिल किया गया है।

भारतीय सेना को मिल गई स्वदेशी अस्मी पिस्टल, दुश्मन पर कहर बनकर टूटेगा

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। देश की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को बढ़ावा देते हुए, भारतीय सेना ने नॉर्दर्न कमांड में 550 'अस्मी मशीन पिस्टल शामिल की हैं। इस हथियार को भारतीय सेना के कर्नल प्रसाद बंसोड़ ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के सहयोग से विकसित किया है। इसका निर्माण हैदराबाद की लोकेश मशीन कंपनी कर रही है। दरअसल भारतीय सेना ने अपने जवानों को और भी हाईटेक बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सेना ने 550 'अस्मी' मशीन पिस्टल को अपनी नॉर्दर्न कमांड में शामिल कर लिया है। यह पिस्टल पूरी तरह से स्वदेशी है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कॉम्पैक्ट और विश्वसनीय हथियार

'अस्मी' मशीन पिस्टल एक मजबूत, कॉम्पैक्ट और विश्वसनीय हथियार है, जिसे नजदीकी लड़ाई और विशेष अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। इसका अनोखा सेमी-बुलपप डिजाइन पिस्टल और सबमशीन गन दोनों के रूप में सिंगल-हैंड चलाया जा सकता है। इस 100 प्रतिशत मेड-इन-इंडिया हथियार का शामिल होना देश को रक्षा मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने के लिए आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अस्मि पिस्टल की खासियत

आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन के लिए इस तरह के छोटे मशीन पिस्टल की बहुत जरूरत होती है। यह 100 मीटर तक सटीक निशाना लगा सकती है। इसकी एक मैगजीन में 33 गोलियां आती है। इसके ऊपर टेलिस्कोप, लेजर बीम, बाइनोक्यूलर आसानी से लगाया जा सकता है, जिससे ऑपरेशन में बड़ी आसानी होती है। खास बात यह है कि इस मशीन पिस्टल के लोडिंग स्विच दोनों तरफ है यानी लेफ्ट हैंडर हो या राइट हैंडर इस पिस्टल को चलाना दोनों के लिए आसान है।

आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन

इसके अलावा पिस्टल की बट को फोल्ड कर सकते हैं, जिससे इसका साइज छोटा बड़ा किया जा सकता है। इसे आसानी से छिपाकर भी ले जाया जा सकता है और एक पिस्टल के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इतना ही नहीं रायफल की तरह इसे कंधे पर टिकाकर फायर भी किया जा सकता है। नॉर्दर्न कमांड में अर्बन एरिया में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन को अंजाम दिया जाता है उसके लिए ये एक बेस्ट वेपन है।

मिथुन चक्रवर्ती मुश्किल में फंसे, दिया था विवादित बयान, अब दर्ज हुआ एफआईआर

कोलकाता, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अगले साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उससे पहले राज्य में भाजपा अपनी सदस्यता अभियान चला रही है। उसके संबंध में ही पिछले महीने 27 अक्तूबर को गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल पहुंचे थे। उनकी एक सभा में जनता को संबोधित करते हुए अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती ने कुछ ऐसा कह दिया कि अब उनपर एफआईआर दर्ज हो गया है। आइए आपको विस्तार से बताते हैं कि उन्होंने क्या कहा था जिसको लेकर उनपर एफआईआर दर्ज किया गया है।

मिथुन चक्रवर्ती ने दिया था यह बयान

अमित शाह की सभा में जनता को संबोधित करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'हमारे यहां एक नेता बोलता है कि हम 70 प्रतिशत मुस्लिम हैं और 30 प्रतिशत हिंदू हैं। हम इनको काटकर भागीरथी में बहा देंगे।' इसके आगे उन्होंने कहा, 'तुम काटकर भागीरथी में फेंक दोगे लेकिन एक दिन ऐसा आएगा जब हम तुमको काटकर भागीरथी में नहीं, तुम्हारी जमीन में फेकेंगे। आप हमारे झाड़ का एक फल तोड़ोगे तो हम आपको झाड़ का 4 फल तोड़ देंगे।'

अब दर्ज हुआ मुकदमा

सभा में इस तरह का बयान देना मिथुन चक्रवर्ती के लिए समस्या बन गया है क्योंकि उनके इस विवादित बयान के कारण उनपर एफआईआर दर्ज हो गया है। आपको बता दें कि बिधाननगर साउथ के पुलिस थाने में अभिनेता से भाजपा नेता बने मिथुन चक्रवर्ती पर एफआईआर दर्ज हुआ है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 7 नवंबर- 2024

गुरिल्ला शैली का प्रचार

महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव प्रचार चरमसीमा पर पहुंच गया हैं। समय खड़ाऊ पहनकर तेजी से सरपट दौड रहा है। कभी गेलेक्सी पर पाँव रखता है तो कभी पर्वतों को लांघता है। आदिवासी बहुल झारखंड में मामला उतना पेचीदा नहीं है जितना महाराष्ट्र में दिखाई दे रहा है। महाराष्ट्र के मतदाताओं की समझ में यह नहीं आ रहा है कि आख़िर कौन सी शिवसेना असली है और कौन सी एनसीपी अपनी? सबकी चीर-फाड़ करके टुकड़े कर दिए गए हैं, ढूँढते रह जाओगे वाली शैली में। मतदाता कहाँ जाएँ? किसको अपनाएँ, किसी के समझ में कुछ नहीं आ रहा है। दूसरी ओर लोकसभा चुनाव में अपनी साइलेंट उपस्थिति दर्ज करवा चुके मराठा क्षत्रप बनने वाले जरांगे पाटील ने अपनी गुरिल्ला युद्ध वाली नीति का परिचय देते हुए अचानक रण छोड दिया है। मराठा आंदोलन से पैदा हुए सामाजिक नेता जरांगे ने पहले कहा था अपने प्रत्याशी खड़े करके चुनाव मैदान में उतरूंगा। फिर पलट गए। अब कह रहे हैं- लड़ेंगे नहीं, हराएँगे। इशारा साफ है कि मराठा बाहुल्य सीटों पर वे किसे नुक़सान पहुँचाने वाले हैं! पिछले लोकसभा चुनाव में उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा को चोट पहुँचाई थी। इस बार उनकी चोट किधर होगी, कितनी दमदार होगी, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। वैसे, तब से अब तक गोदावरी में बहुत पानी बह चुका है और भाजपा ने जरांगे की काट ढूँढ ली है लाडकी बहना के रूप में। महाराष्ट्र में लाडकी बहना है तो झारखंड में झामुमो की मैया के मुकाबले दीदी ही भाजपा की नैया पार लगाने वाली है। नाम वापसी के बाद चुनाव जिताने और हराने के लिए जरांगे के अलावा भी कई लोग मैदान में हैं। चुनावी भाषा में इन्हें बागी कहा जाता है। ये बागी दोधारी तलवार हैं, जो चुनाव जिताते भी हैं और हराते भी हैं। ये खड़े होते भी हैं। खड़े किए भी जाते हैं। वोटों को बाँटना या काटना ही इनका मुख्य काम होता है। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख़ नजदीक आ रही है, नेता चिल्ला रहे हैं। बागी ताल ठोंक रहे हैं। मुनादी बजने लगी है। नगाड़ों भी शोर कर रहे हैं। रुकेगी नहीं ये लड़ाई। जिनके शब्दों के खन्जर तेज धार से भी ज्यादा वार करते फिरते थे, अब मतदाताओं के सामने सजदे करते फिर रहे हैं। कोई किसी से कम नहीं दिखना चाहता। किसी को, किसी का डर नहीं। सबको सत्ता चाहिए। सबकी चाहत कुर्सी है। किसे मिलेगी, किसे नहीं, यह आम आदमी को तय करना है। लेकिन मतदाता चुप है। अपने ही सिरहाने बैठकर, अपने को ही गहरी नींद में सोते हुए देखना उसकी आदत है। वह कुछ नहीं बोलता। उसे शौक़ है अपना सुनहरा दिन खूँटी से लटकाकर, हैंगर में टंगी रात पहनने का। अपने ही हाथों अपनी क़िस्मत में अंधेरा लिख लेता है वो। चुनाव परिणाम के दिन पता चलेगा कि क्या वह अपना मुँह खोल पा रहा है? क्या वह कुछ बोल पा रहा है? बोलने से याद आया- चुनाव परिणाम से पहले जो बोलते रहते हैं- यानी एग्जिट पोल। उनकी विश्वसनीयता को भी आग लग चुकी है। अब तो आम आदमी भी इन एग्जिट पोल को कानफोडू भोंपू मानने लगा है। लोकसभा चुनाव में औंधे मुंह गिरे थे और हरियाणा चुनाव के वक्त तो इन्हें जमींदोज करने के लिए ज़मीन तक नहीं मिल पाई! महाराष्ट्र और झारखंड में एक्जिट पोल का क्या होगा 23 नवंबर को पता लग जाएगा।

'छठ गीतों' से लोगों के दिलों में हमेशा रहेंगी शारदा सिन्हा

सुरेश गांधी

1 अक्टूबर 1952 को सुपौल, बिहार के सुपौल जिले के हुलास में जन्मीं शारदा सिन्हा ने अपने अधिकतर गाने मैथिली और भोजपुरी भाषाओं में गाए। उन्होंने बैचलर ऑफ एजुकेशन और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय से म्यूजिक में डॉक्टरेट किया है। उनके पिता सुखदेव ठाकुर शिक्षा विभाग में सीनियर अधिकारी हुआ करते थे। शारदा सिन्हा के पति का नाम ब्रजकिशोर सिन्हा था। हाल ही में ब्रेन हैमरेज से उनकी मौत हुई थी। उनके दो बच्चे हैं। बेटे का नाम अंशुमान सिन्हा और बेटी का नाम वंदना है बचपन से ही संगीत का शौक था। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा से खेतों से लेकर बड़े मंचों तक का सफर तय किया। उनके ससुराल वाले बेगूसराय के सिहमा गांव के थे, जहां उन्हें मैथिली लोकगीत सुनने का मौका मिला। यहीं से संगीत के प्रति उनका प्रेम और गहरा होता गया। शारदा सिन्हा ने 1974 में पहला भोजपुरी गाना गाया था। लेकिन इसके बाद उनका संघर्ष जारी रहा। फिर साल 1978 में उन्होंने छठ गीत 'उग हो सुरुज देव' गाया। इस गाने ने रिकॉर्ड बनाया और यहीं से शारदा सिन्हा और छठ पर्व एक दूसरे के पूरक हो गए। करीब 46 साल पहले गाए इस गाने को आज भी छठ घाटों पर सुना जा सकता है। इसके बाद तो उन्होंने छठ गीतों की झडी लगा दी। हे छठी मैया आई ना दुआरिया, पहिले पहिले हम कईनी, कार्तिक मास इजोरिया, कोयल बिन, दुखवा मिटाईं छठी मइया, हो दीनानाथ, केलवा के पात पर उगलन सूरजमल झुके

झुके जैसे गीत उन्हें बुलंदियों तक पहुंचा दिया। 1990 में शारदा सिन्हा ने बॉलीवुड फिल्म 'मैंने प्यार किया' में 'कहे तोसे सजना' गीत गाया, जो जबरदस्त हिट हुआ। इस गीत ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में एक नया मुकाम दिलाया और तब से उनकी पहचान केवल लोक संगीत के गायन तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे बॉलीवुड में भी एक प्रमुख गायिका बन गईं। इस फिल्म में सलमान खान के साथ इस गीत ने दर्शकों के बीच अपार लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद, शारदा सिन्हा ने लोक संगीत की समृद्ध परंपरा को कायम रखते हुए अपनी गायकी जारी रखी, लेकिन हमेशा इस बात का ध्यान रखा कि वे कभी भी द्विअर्थी गीत न गाएं। उनका संगीत शुद्ध और भावनात्मक रूप से प्रामाणिक रहता था, जो उनके शास्त्रीय और लोक धारा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। मैथिली, मगही, भोजपुरी और बज्जिका में गाए लोक गायिका शारदा सिन्हा के गीत पूर्वांचल के लोक पर्व की सांस्कृतिक पहचान बन चुके हैं। उनकी गायकी में सबसे अनोखापन उनकी देशज आवाज का अपना ठाठ था, जिसकी गरिमा उन्होंने पूरी जिंदगी साधे रखी। शारदा सिन्हा नहीं होतीं तो संभव है पूर्वांचल के शादी-ब्याह, लोकगीत, छठ पर्व की वह संगीतमय रौनक आज देखने को नहीं मिलती, जिसके लिए दुनिया उनकी मुरीद बनी हैं। समस्तीपुर महिला कॉलेज में संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष रहीं शारदा सिन्हा ने भोजपुरी, बज्जिका, मगही और मैथिली भाषाओं में विवाह और छठ जैसे विशेष अवसरों पर सैकड़ों पारंपरिक गीत गाए हैं। उनकी आवाज ने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखा।

सम्मान- शारदा सिन्हा को उनके संगीत योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले, जिनमें 1991 में पद्मश्री, 2000 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 2006 में राष्ट्रीय अहिल्या देवी अवार्ड, 2015 में बिहार सरकार पुरस्कार, और 2018 में पद्मभूषण के अलावा 'बिहार कोकिला' और 'भोजपुरी कोकिला' जैसे खिताबों से नवाजा गया। उन्हें 'भिखारी ठाकुर सम्मान', 'बिहार गौरव', 'बिहार रत्न', और 'मिथिला विभूति' सहित कई अन्य पुरस्कार मिले। उन्होंने अपनी मधुर आवाज और लोक संगीत के माध्यम से न केवल बिहार बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया। उनके गीतों में जो आत्मीयता और संस्कृति की झलक मिलती थी, वह अमूल्य थी। शारदा ने सिर्फ मैथिली ही नहीं, बल्कि भोजपुरी, मगही और हिंदी में भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उन्हें प्रयाग संगीत समिति ने अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया।

अधूरी रह गयी विश्वनाथ धाम में सुरों से हाजिरी

आज वह हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी एक आखिरी इच्छा बाबा श्री काशी विश्वनाथ धाम में अपने सुरों से हाजिरी लगाने की अधूरी रह गयी। आखिरी बार शारदा सिन्हा काशी साल 2018 में आई थी। हालांकि उस समय उन्होंने बीएचयू में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुई थीं। उसके बाद उन्हें कभी काशी आने का मौका नहीं मिला। अपने निधन से कुछ साल पहले उन्होंने कहा था- लोकगीतों या भोजपुरी गीतों में सफाई अभियान चलाना चाहती हूं। उन्होंने खुलकर कहा था- वो नई पीढ़ी को तैयार करना चाहती हूं। लेकिन आज उनकी वह ख्वाहिश अधूरी रह गई।उनकी आवाज में जो देशज ठाठ था, उसकी तलाश जारी रहेगी।

शारदा सिन्हा ने जिस दौर में गाना प्रारंभ किया, उस समय एक संभ्रांत परिवार की महिला का स्टेज पर चढ़कर गाना बहुत आसान नहीं था। यह परंपरा और परिवेश को झकझोर देने वाला विद्रोह था। शारदा सिन्हा की जीवन यात्रा, उनके आत्मसंघर्ष, कला साधना में परिवर्तनकारी आयामों को समेटे हुए है। मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी शारदा सिन्हा के पिता सुखदेव ठाकुर बिहार सरकार के शिक्षा विभाग में अधिकारी थे। इनके पिता ने अपनी बेटी के संगीत प्रेम को बचपन में ही पहचान लिया और ट्रेनिंग शुरू करा दी। घर पर ही इन्हें संगीत की शिक्षा मिलने लगी। हालांकि, पढ़ाई भी साथ-साथ जारी रही। पटना विश्वविद्यालय से शारदा सिन्हा ने कला वर्ग में स्नातक किया। शादी के बाद उनकी गायकी को लेकर ससुराल में आपत्ति हुई लेकिन उनके पति ने उनका साथ दिया और संगीत साधना में रमी रहीं। हाल फिलहाल तक शारदा सिन्हा समस्तीपुर में ही रहती थीं और एक कॉलेज में संगीत की शिक्षा भी देती थीं। 80 के दशक में मैथिली, भोजपुरी और मगही भाषा में परंपरागत गीत गाने वाली गायिका को तौर पर शारदा सिन्हा को प्रसिद्धि मिलने लगी।

उन्हें अक्सर इस क्षेत्र के लिए एक सांस्कृतिक राजदूत के रूप में जाना जाता है। सिन्हा छठ पूजा उत्सव के दौरान नियमित रूप से प्रस्तुति देती हैं और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के बिहार दौरे के समय भी उन्होंने मंच की शोभा बढ़ाई थी। परंपरागत लोकगीतों में नये प्रयोग व शास्त्रीय संगीत के साथ उनका संयोजन कर प्रस्तुति देने का उनका अपना अलहदा अंदाज रहा। शारदा सिन्हा पान की शौकीन थीं। कहती थीं कि पान महज होठों को लाल करने वाला या नशे की हुड़क मिटाने वाली कोई खुराक नहीं है। ये तो एक तहजीब है। अंदाज है। दूसरों के प्रति सम्मान दिखाने वाला हमेशा तैयार एक भेंट है।'दुखवा मिटाईं छठी मईया३' गीत को शारदा सिन्हा के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है।

धर्म स्थलों पर हमले के निहितार्थ

डॉ. रमेश ठाकुर

मंदिर पर हमले की जितनी निंदा की जाए कम है। 3 जून 2023 वह मुकर्रर तारीख थी जिसने कनाडा-भारत के रिश्तों में गहरी खाई खींची। इस तारीख को कनाडाई हुकूमत का एक पाला पोसा खालिस्तानी आतंकी मारा गया, जिसका का दोष भारत के माथे पर मढ़कर उनके प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के पुराने और पारंपरिक संबंधों की बली चढ़ा दी। मौजूदा कनाडाई मंदिर पर हमला उसी कड़ी का हिस्सा है जो बीते कुछ वर्षों से विदेशी धरती पर जारी है।

विदेशी धरा पर सनातनी संस्कृति और मंदिरों पर हमला बड़े षडयंत्र की ओर इशारा करता है। फिलहाल, कनाडा के ब्रैम्पटन स्थित हिंदू मंदिर पर खालिस्तानियों की नापाक खुराफात और उनके प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की कारगुजारी ही कही जाएगी। ये हमला सीधे-सीधे इशारा करता है कि भारत-कनाडा के रिश्ते अब किस कदर खराब हो चुके हैं। बेशक, भारतीय हुकूमत मंदिर पर हमले के बाद जस्टिन ट्रूडो से हिंदू मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुजारिश करे, लेकिन ये कृत्य अब रूकने वाले इसलिए नहीं हैं क्योंकि ऐसे हमले न सिर्फ कनाडा में हो रहे हैं बल्कि समूचे संसार में बदस्तूर जारी हैं।विदेशों में सनातनी स्थलों पर जारी हमलों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि हिंदू मंदिरों पर हमला अब ग्लोबल ट्रेंड बन गया है। ये हमले निश्चित रूप से स्वीकार्य, निंदनीय और दुखदाई हैं? कंट्टरपंथियों को गंदी राजनीति सोच छोड़कर सामाजिक सौहार्द के खातिर ये कृत्य छोड़ने होंगे नहीं तो विदेशी धरती मंदिर विहीन हो जाएगी। सन 1980 तक कनाडा में 2400 सौ से अधिक छोटे-बड़े मंदिर थे, जो सन-2010 तक भी यथावत रहे लेकिन पिछले 12 महीनों में इन मंदिरों की संख्या मात्र 1380 रह गई है। इस ओर ध्यान तब गया, जब रविवार को हमला हुआ। कनाडाई खालिस्तानी हिंदूओं की निशानी और उनका संपूर्ण वजूद उजाड़ने पर आमादा हैं। कनाडा में खालिस्तानी खुलेआम अपना अलग झंडा फहराते हैं, वो इसलिए क्योंकि उन्हें सरकार का खुला समर्थन जो हासिल है।

कनाडा में खालिस्तानियों के बिना सहयोग से कोई सियासी दल सरकार नहीं सकता। ट्रूडो के सामने सबसे बड़ी समस्या तो यही है? जबकि, नंबर के हिसाब से कनाडा में हिंदू तीसरी बड़ी आबादी है। कुल जनसंख्या करीब ढाई फीसदी के आसपास है। 2021 की जनगणना में हिंदुओं की आबादी 828,000 बताई गई थी। भारत और कनाडा के बीच 11173 किलोमीटर का फासला है लेकिन ये फासला पहले के मुकाबले अब और लंबा हो गया। दोनों देशों में कभी संबंध इतने मधुर होते थे कि कनाडा को दूसरा पंजाब कहते थे पर, अब दिलों में दूरी इतनी हैं कि 11173 किमी की दूरी भी दोगुनी लगने लगी है। कनाडा की कायराना हरकत पर वह देश भी निंदा कर रहे हैं जिनके यहां भी लगातार हिंदू मंदिर तोड़े जा रहे हैं। अमेरिका ने भी निंदा की है. वहां चुनाव है इसलिए हिंदुओं को अपने ओर साधने की कोशिशें हैं जबकि उनके यहां भी हाल में कई मंदिर तोड़े गए।

हाल में सनातनी धार्मिक स्थलों पर हुए हमलों की लिस्ट लंबी है, मात्र एकाध वर्षों के दरम्यान विदेशों में कई मंदिर ध्वस्त किए गए। अभी कुछ महीने पहले ही खालिस्तानियों और कट्टरपंथियों द्वारा अमेरिका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, ब्रिटेन और बांग्लादेश जैसे देशों में हिंदू मंदिरों पर हमला किया गया। इन सभी हमलों की भारत सरकार द्वारा मुखालफत की गईं, उनके भारतीय उच्चायुक्तों को तलब कर उन्हें चेताया भी? बावजूद इसके हमले रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। मंदिर तोड़ने का चलन अब कुछ ऐसा चल पड़ा है, अन्य देश भी देखा-देख अपने यहां हिंदू मदिरों पर हमले करवाने लगे हैं। ऐसे देश जो हमेशा से हमारी जी हुजूरी करते रहे, आर्थिक मदद भी समय-समय पर हमसे लेते रहे हैं, वह भी हिंदु मंदिरों को तुड़वाने से बाज नहीं आ रहे हैं। मलेशिया में ऐसी ही घटना हुई। पिछले महीने कोलंबिया में भी एक प्रसिद्ध हिंदू मंदिर को जमींदोज कर दिया गया। वहीं, अगस्त में पाकिस्तान के कराची में भी प्राचीन हनुमान मंदिर को कट्टरपंथियों ढहा दिया। अफगानिस्तान के काबुल के नजदीक बहने वाली एक नदी के तट पर बने विशाल प्राचीन मंदिर को भी तालिबानियों ने तहस-नहस कर दिया।

बहरहाल, विदेशों में हिंदू मंदिरों को तोड़ने का सिलसिला बीते वर्ष-2023 जून के बाद कुछ ज्यादा ही शुरू हुआ। दरअसल, जून में खालिस्तानी आंतकी हरदीप सिंह निज्जर का कनाडा में मर्डर कर दिया गया था। तब, मर्डर का सीधा आरोप भारत पर मढ़ा गया।

कुल मिला कर तभी से दोनों मुल्के के रिश्तें में तल्खी बढ़ी। उसके बाद तो कनाडा में लगातार हिंदु मंदिर निशाने पर हैं। आतंकी अच्छे से जानते हैं कि सनातनी लोगों की भावनाएं किससे आहत होती हैं। तभी, वो हिन्दुओं के धार्मिक स्थलों को टारगेट करने लगे हैं। एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि पिछले डेढ़ वर्ष में विदेशी धरती से करीब 5000 हजार छोटे-बड़े मंदिरों को ढहाया गया। अफगानिस्तान में तो तकरीबन हिंदू मंदिरों का सफाया हो चुका है। उसी राह पर पाकिस्तान और बांग्लादेश भी हैं। बांग्लादेश में मंदिर चुनचुन कर तोड़े जा रहे हैं। वहां, भी सरकार का खुला समर्थन है।

गौरतलब है कि कनाडाई मंदिर पर हमले की निंदा वहां के विपक्ष ने भी की है लेकिन उनका रवैया गुप्त खाने सरकार के ही पक्ष में है। कनाडा के एक हिंदू सांसद रामचंद्र आर्या ने अपनी सरकार को खालिस्तानियों पर अंकुश लगाने की मांग की है लेकिन उनकी मांग के चौबीस घंटे बाद ही उन्हें भी चुप रहने की धमकी खालिस्तानी आंतकियों द्वारा दी गई। उसके बाद वह भी चुप हो गए।

कुल मिलाकर अब कनाडा स्थिति हिंदू के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तो दूर की बात, विरोध में आवाज उठाने वाला भी वहां कोई नहीं पर, इतना तय है कनाडाई प्रधानमंत्री जिन खालिस्तानियों को छूट दे रहे हैं, भविष्य में यही उनकी मुसिबत भी बनेंगे। कनाडा सरकार में सार्वजनिक रूप से हिस्सेदारी की मांग खालिस्तानी उठाने लगे हैं। वह वक्त शायद ज्यादा दूर नहीं, जब अफगान की तरह कनाडा भी खालिस्तानियों की गिरफ्त में होगा? जस्टिन ट्रूडो का दीवाली के दिन हिंदू मंदिर जाना, त्यौहार की बधाई-शुभकामनाएं देना, ये सब उनकी गंदी कूटनीतिक रणनीतियों का हिस्सा ही कहा जाएगा। कनाडा ने जबसे भारत को दुश्मन देश माना है, तभी से अंदरूनी हालात इतने बिगड़ चुके हैं जिन्हें आसानी से अब नहीं सुलझाया जा सकता।

बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

प्रियंका सौरभ

महामारी के बाद भारत में बच्चों के लिए स्क्रीन का समय काफ़ी बढ़ गया है, उनके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे संतुलित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। डिजिटल इंटरैक्शन पर तेजी से निर्भर बच्चे व्यक्तिगत सामाजिक संकेतों और रिश्तों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि किशोरों में उच्च स्क्रीन समय भावनात्मक विनियमन में देरी से सम्बंधित है। स्क्रीन की लत शारीरिक गतिविधियों में बिताए गए समय को सीमित करती है, जिससे गतिहीन व्यवहार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट में शहरी बच्चों में बाहरी गतिविधियों में 40% की कमी को दर्शाया गया है।

स्क्रीन पर ज़्यादा समय बिताना बच्चों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। लैंसेट चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ (2024) ने 4 घंटे से ज़्यादा स्क्रीन पर समय बिताने वाले किशोरों में चिंता के लक्षणों में 15% की वृद्धि पाई। तेज़ गति वाली डिजिटल सामग्री के लंबे समय तक संपर्क में रहने से ध्यान अवधि और एकाग्रता के स्तर में कमी आ सकती है। एम्स दिल्ली (2023) द्वारा किए गए अध्ययन बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को एडीएचडी जैसे लक्षणों से जोड़ते हैं। स्क्रीन लाइट के संपर्क में आने से नींद के चक्र प्रभावित होते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं होती और संज्ञानात्मक कार्य कम होता है। इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग करने वाले 60% बच्चों की नींद का पैटर्न गड़बड़ा गया था। सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है, खासकर किशोरों में, अवास्तविक तुलना और साइबरबुलिंग के कारण। भारतीय किशोर अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोजर से आत्म-सम्मान सम्बंधी समस्याओं का अनुभव करते हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत में पदार्थों के समान ही तंत्र होता है, जो डोपामाइन में समान वृद्धि पैदा करता है। स्क्रीन के उपयोग में लगातार वृद्धि के साथ, मस्तिष्क के सर्किट अनुकूल हो जाते हैं और डोपामाइन के प्रति कम संवेदनशील हो जाते हैं। नतीजतन, आप जो देखते हैं वह समान आनंद का अनुभव करने के लिए अधिक उपभोग करने की बढ़ती आवश्यकता है। एक आम ग़लतफ़हमी यह है कि लत एक विकल्प या नैतिक समस्या है। सच्चाई इससे ज़्यादा दूर हो ही नहीं सकती। एक निश्चित बिंदु के बाद, लत एक जैविक समस्या बन जाती है जिसका शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। माता-पिता के लिए हस्तक्षेप करने, सही व्यवहार का मॉडल बनाने और अपने बच्चों को जीवन कौशल के रूप में स्क्रीन प्रबंधन सिखाने की स्पष्ट आवश्यकता है।

माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों से लैस करें। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के लिए डिजिटल प्रबंधन पर कार्यशालाओं की सिफ़ारिश की है। कम उम्र से ही स्क्रीन का जिम्मेदाराना उपयोग सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में डिजिटल वेलबीइंग को शामिल करें। दिल्ली सरकार ने चुनिंदा स्कूलों में डिजिटल साक्षरता सत्र शुरू किए हैं। आयु के आधार पर आधिकारिक स्क्रीन टाइम दिशा-निर्देश विकसित करें और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उनका प्रचार करें। WHO दिशा-निर्देश विकासात्मक चरणों के आधार पर स्क्रीन टाइम प्रतिबंधों का सुझाव देते हैं। स्वस्थ सामाजिक संपर्क के साथ डिजिटल उपभोग को संतुलित करने के लिए बाहरी और समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। खेलो इंडिया पहल बच्चों में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, जिससे स्क्रीन टाइम में अप्रत्यक्ष रूप से कमी आती है।

समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस (7 नवम्बर) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या?

जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं।

अब राखो लाज हरी

डॉ टी महादेव राव

बीस के दो टमाटर, बीस रुपये की हरी मिर्च और दस रुपये का एक इंच अदरक लेकर जैसे ही मैंने सब्जी वाले को पचास रुपये दिए देखा पीछे से कोई पीठ पर धौंस जमा रहा था। देखा भक्त दास खड़ा था।

तो भाई सब्जी भाजी की खरीदारी हो रही है उसने पूछा। मैंने कहा देखते नहीं मैं भजन कर रहा हूँ अब राखो लाज हरी।" "भाई मज़ाक मत करो!""शुरू किसने लिया था ? हां! नग के हिसाब से सब्जियाँ खरीद रहा हूँ। पहले किलो, आधा किलो का हिसाब चलता था। अब गिनती करके सब्जी खरीदनी होती है या फिर इंचों में नाप कर अदरक जैसी चीजें खरीदनी होती है। यही तो हमारा पिछले दस वर्षों में हुआ अच्छे दिनों का विकास है। हम अमेरिका से बड़ी गाढी दोस्ती निभा रहे हैं परिणाम स्वरूप डॉलर और रुपयों में समानता आ गई है।

कहां। रुपए 80 के बराबर एक डॉलर है न? मैं उसकी बात नहीं कर रहा हूं। डेढ़ डॉलर यानी एक सौ बीस में टमाटर, ढाई डॉलर यानी दो सौ रुपए में मिर्ची और दो डॉलर यानी एक सौ साठ रुपए में अदरक मतलब पहले जो चीज रुपयों में आसानी से मिलती थी, आज कल वही डॉलर के हिसाब से बिक रही है। यह हमारे विकास की कड़ी में अमेरिका से गहन मित्रता के नाम पर एक उदाहरण मात्र है।

भाई तुमको तो बस बोलने का शौक है। मुद्दा कोई भी बना लेते हो। महंगाई बढ़ रही है, फसल बाढ़ में बर्बाद है, देश में और भी मुद्दे हैं। बड़े भैया और उनके साथी चिंतित हैं।

मुझे तो उनकी चिंता जनसामान्य के प्रति दिखाई नहीं पड़ती। उन्हें चिंता है विपक्ष को कैसे उखाड़ फेंके? कैसे उनकी मिट्टी पलीद की जाए? किस बहाने उन्हें गरियाएं? दिन रात इसी उधेड़बुन में लगे हैं। उन्हें कभी देश की समस्याओं पर बात करते नहीं सुना।

तुम उन्हें भारत तक सीमित क्यों कर रहे हो। वे तो विश्वव्यापी व्यक्ति हैं। छोटी छोटी समस्याओं पर उनका ध्यान क्यों जाने लगा? रहां। यह क्यों नहीं कहते की अंतर्यामी हैं? फेंकने के लिए भारत क्या कम पद गया जो विदेश जाते हैं। अमेरिका की पहली यात्रा के समय भारत विश्व में दसवें नंबर पर था। अब दूसरी बार गए तो पांचवें नंबर पर है। सच ही तो है। लेकिन अब की बार अमेरिका न जाएं वरना अमेरिका दूसरे नंबर पर आ जाएगा।

भाई! तुम नहीं सुधरोगे। भैया ने छत्तीस राजनीतिक दलों के साथ गठ बंधन किया है, जबकि विपक्ष का गठबंधन इंडिया केवल छब्बीस पार्टियों का मिश्रण है। यहां भी वे बहुमत में है कि नहीं?

जो ग्यारह तटस्थ पार्टियां हैं, उनका क्या होगा, वे किस पक्ष में होंगे? तुम्हें बड़े भैया का एक बयान याद दिलाता हूं। भारत की राजनीतिक पार्टियां सारी लेकिन अकेले हम सब पर भारी। याद है। लेकिन अब भी वे भारी हैं। शरीर के वजन में न?

तुम भी न? जाओ मैं नहीं बोलता। और भक्त दास तेज कदमों से चला गया और मैं धनिया पत्ती खरीदने दूसरे दुकान में।

आज शाम डूबते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

सूर्य देव की बहन हैं छठ माता, छठ पूजा पर सूर्य को जल चढ़ाकर करें दिन की शुरुआत

आज शाम डूबते हुए सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा। संध्या अर्घ्य का शुभ मुहूर्त शाम 5 बजकर 25 मिनट पर है। सूर्य देव को अर्घ्य देने से पहले बांस की टोकरी को फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू और पूजा के सामान से सजाया जाता है। सूर्यास्त के समय सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद पांच बार परिक्रमा की जाती है।

आज 7 नवंबर को छठ पूजा है। 7 नवंबर को कार्तिक शुक्ल षष्ठी की शाम डूबते सूर्य को और 8 नवंबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

आमतौर पर उगते सूर्य को जल चढ़ाने की परंपरा है, लेकिन छठ पूजा पर्व पर डूबते सूर्य को अर्घ्य चढ़ाया जाता है। भगवान सूर्य पंचदेवों में से हैं और इस कारण सभी शुभ कामों की शुरुआत पंचदेवों की पूजा के साथ जाती है। सूर्य देव को रोज सुबह अर्घ्य चढ़ाना चाहिए। सूर्य पूजा से नकारात्मक विचार खत्म होते हैं और स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। सूर्य को अर्घ्य चढ़ाकर सूर्य के मंत्र और नामों का जप करना चाहिए। छठ पूजा पर्व पर सूर्य देव की बहन यानी छठ माता की पूजा की जाती है।

छठ माता से जुड़ी मान्यताएं

माना जाता है कि प्रकृति ने खुद को छह भागों में बांटा था। इनमें छठे भाग को मातृ देवी कहा जाता है। छठ माता को ब्रह्मा जी की मानस पुत्री मानी जाती हैं।

देवी दुर्गा के छठे स्वरूप यानी कात्यायनी को भी छठ माता कहते हैं।

छठ माता सूर्य देव की बहन मानी गई हैं। इस वजह से भगवान सूर्य के साथ छठ माता की पूजा की जाती है।

छठ माता संतान की रक्षा करने वाली देवी मानी जाती हैं। इस कारण संतान के सौभाग्य, लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना से छठ पूजा का व्रत किया जाता है।

एक अन्य मान्यता है कि बिहार में देवी सीता, कुंती और द्रौपदी ने भी छठ पूजा का व्रत किया था और व्रत के प्रभाव से ही इनके जीवन के सभी कष्ट दूर हो गए थे।

आज छठ पूजा व्रत का दूसरा दिन है खरना

छठ पूजा व्रत का दूसरा दिन खरने का होता है। खरने में शाम को सूर्यास्त के बाद पीतल के बर्तन में गाय के दूध से खीर बनाते हैं। व्रत करने वाला व्यक्ति ये खीर खाता है, लेकिन खीर खाते समय अगर उसे कोई आवाज सुनाई दे जाए तो वह खीर वहीं छोड़ देता है। इसके बाद पूरे 36 घंटों का निर्जल व्रत शुरू हो जाता है।

सूर्यास्त और सूर्योदय के समय देते हैं अर्घ्य

तीसरे दिन यानी छठ पूजा (7 नवंबर) के दिन शाम को सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन सुबह से व्रत करने वाला व्यक्ति निराहार और निर्जल रहता है। प्रसाद में ठेकुआ बनाते हैं। शाम को सूर्य पूजा करने के बाद भी रात में व्रत करने वाला निर्जल रहता है। चौथे दिन यानी यानी सप्तमी तिथि (8 नवंबर) की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत पूरा होता है।

शिवाजी ने बाघ नख से अफजल को घायल किया था

मराठों का इतिहास

इसके बाद शिवाजी का विजय अभियान शुरू हुआ। उन्होंने चाकन, पुरंदर और कोंडाना के किलों पर कब्जा किया। पुणे के आसपास की सह्याद्री पर्वतमाला उनके कब्जे में आ चुकी थी। इसके बाद थाणे के तटीय इलाके पर काबिज मुल्ला अहमद को हराया। उत्तरी इलाके में महुली का किला, कोंकण और रायरी का किला जीता। रायरी को ही बाद में रायगढ़ कहा गया जो शिवाजी की राजधानी बना।

कोंकण के किले पर सिद्दी राजाओं का कब्जा था, जिनके पास मजबूत जहाज थे। उन्हें हराने के लिए छत्रपति शिवाजी ने जहाज बनाए और बाद के सालों में एक मजबूत नौसेना खड़ी कर ली। छत्रपति शिवाजी के अभियानों के चलते आदिल शाह ने उनके पिता शाहजी को गिरफ्तार तक कर लिया, लेकिन शिवाजी नहीं रुके।

नवंबर 1656 में आदिल शाह की मौत के बाद, 18 साल का अली बीजापुर का सुल्तान बना था। सल्तनत का सबसे बड़ा कमांडर था अफजल खान। 7 फुट का अफजल अभी तक किसी से हारा नहीं था। सुल्तान के आदेश पर अफजल खान 20 हजार घुड़सवार लेकर शिवाजी से जंग करने निकला।

अब तक शिवाजी ने इतनी बड़ी सेना से युद्ध नहीं लड़ा था। उनको पता था कि सीधी लड़ाई में अफजल का मुकाबला मुश्किल होगा, इसलिए वे अपनी सेना सहित प्रतापगढ़ के किले में घुस गए। लड़ाई कई दिन अटकी रही तो संधि का रास्ता खुला। आखिरकार 10 नवंबर 1659 के दिन शिवाजी और अफजल खान की मुलाकात हुई। अफजल ने शिवाजी से आदिलशाही की अधीनता स्वीकारने की बात कही और आगे बढ़कर शिवाजी को गले लगाना चाहा। गले लगते ही उसने खंजर से शिवाजी की पीठ पर वार किया। छत्रपति शिवाजी तो वार से बच गए, लेकिन उन्होंने बाघ-नख (हाथ में पहना जाने वाला पंजे जैसा हथियार) निकालकर अफजल के पेट पर वार कर दिया। घायल अफजल भागा तो शिवाजी के एक साथी ने उसका सिर कलम कर दिया।

कहा जाता है कि अफजल खान ने जिन कृष्णाजी भास्कर को शिवाजी के पास संधि का प्रस्ताव लेकर भेजा था, उनसे शिवाजी को यह पता चल गया था कि अफजल बातचीत के बहाने उनकी जान लेना चाहता था। अफजल की मौत के बाद शिवाजी के लोगों ने 3 घंटे में अफजल के 3 हजार सैनिकों को मार डाला। अफजल की मौत के बाद आदिलशाही कमजोर पड़ गई। शिवाजी ने बिना समय गंवाए फरवरी 1660 तक कोंकण और कोल्हापुर के कई इलाके कब्जा लिए। इस बीच मुगल बादशाह औरंगजेब की निगाह शिवाजी पर थी। उसने अपने मामा शाइस्ता खान को शिवाजी पर हमले के लिए अहमदनगर से पुणे भेजा। शाइस्ता भी शिवाजी को हराने में सफल नहीं हुआ। 1664 में शाइस्ता को पुणे छोड़ना पड़ा। जब छत्रपति शिवाजी ने अहमदनगर का किला लूटा तो औरंगजेब ने शिवाजी से लड़ने के लिए जय सिंह को भेजा। जय सिंह 14 हजार सैनिकों की फौज लेकर 3 मार्च 1665 को दक्कन पहुंचे। पुरंदर के किले और उस्मानाबाद जैसी कई जगहों पर शिवाजी और जय सिंह की सेनाओं में लड़ाई हुई। इस लड़ाई में शिवाजी की हार हुई और उन्हें समर्पण करना पड़ा। यह शिवाजी की पहली और आखिरी हार थी। समझौते के तहत उन्हें पुरंदर सहित अपने जीते हुए 25 में से 23 किले मुगलों को देने पड़े और साथ ही यह वादा करना पड़ा कि उनके बेटे संभाजी मुगलों की सेना में सेवा देंगे। 12 मई 1666 को छत्रपति शिवाजी को बेटे संभाजी के साथ औरंगजेब के दरबार में पेश होना पड़ा। जहां उन्हें अपमानित करने के बाद नजरबंद कर दिया गया। किसी तरह 20 अगस्त 1666 को फलों की टोकरियों में बैठकर शिवाजी दक्कन भाग निकले। औरंगजेब के दरबार में छत्रपति शिवाजी को छोटे अधिकारियों की लाइन में खड़ा कर दिया गया, गुस्साए शिवाजी सभा छोड़कर चले गए। **(जारी)**

घर में बढ़ गया है क्लेश ?

कहीं तुलसी के आस-पास तो नहीं रखे ये पौधे ?

सनातन धर्म में कई सारे पेड़-पौधों को पूजनीय माना गया है, इसलिए इन्हें घर में लगाने या रखने पर कई बातों का ध्यान रखा जाता है। खासतौर पर तुलसी के पौधे की पूजा लगभग घरों में होती है और यह आसानी से जमीन या गमले में लगाया जा सकता है। तुलसी के पौधे के पास शाम को दीया रखना और पूजा करने से घर में सुख-शांति आती है। साथ ही माता लक्ष्मी की कृपा की प्राप्ति भी होती है।

लेकिन, वास्तु शास्त्र में तुलसी पौधे को लेकर कई सारी महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख किया गया है। इनमें से एक है तुलसी के आस-पास रखी जाने वाली चीजें, जो आपको अशुभ परिणाम भी दे सकती हैं। आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

तुलसी के पास ना रखें कैक्टस का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी के पौधे के पास कभी भी कैक्टस के पौधा नहीं रखना चाहिए क्योंकि वास्तु शास्त्र में कांटेदार पौधों का संबंध केतु से माना जाता है। यदि आप ऐसे पौधों को तुलसी के पास रखते हैं तो आपकी जिंदगी में समस्याएं बढ़ सकती हैं। कैक्टस के पौधों को घर के अंदर रखने की भी मनाही की जाती है।

भीनमाल की पौराणिक मान्यता

महालक्ष्मी का भगवान विष्णु से हुआ था विवाह! स्कंद पुराण में उल्लेख

भीनमाल, जिसे प्राचीन समय में श्रीमाल के नाम से जाना जाता था, धन की देवी महालक्ष्मी के विवाह स्थल के रूप में विशेष मान्यता प्राप्त है। यह स्थल राजस्थान के जालोर जिले में स्थित है और इसे महालक्ष्मी की नगरी के रूप में जाना जाता है। स्कंद पुराण और श्रीमाल पुराण के अनुसार, भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का विवाह यहीं संपन्न हुआ था। इस प्रकार, भीनमाल को रतनमाल और पुष्पमाल जैसे नामों से भी संदर्भित किया गया है।

जानें इस जगह की पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार ऋषि भृगु ने भगवान विष्णु को पैर से स्पर्श किया था, जिससे देवी लक्ष्मी को अत्यंत दुःख हुआ। भगवान विष्णु का सम्मान करवाने के उद्देश्य से देवी लक्ष्मी ने ऋषि भृगु के घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। विवाह के समय त्रयंबक सरोवर, जिसे आज तलबी तालाब के नाम से जाना जाता है, में स्नान करते समय महालक्ष्मी ने अपने असली स्वरूप को पहचाना। इसके पश्चात, उनका विवाह भगवान विष्णु से संपन्न हुआ, और इस प्रकार भीनमाल की भूमि धार्मिक और पौराणिक महत्व से भर गई।

मंदिर कमलेश्वरी मां का है, जो श्रीमाली ब्राह्मण समाज की कुलदेवी मानी जाती हैं। मंदिर की प्रतिमा के स्कंधों पर जल की वर्षा करते हाथियों की आकृतियां अंकित है, जो धन की वर्षा का प्रतीक मानी जाती है। यहां भगवान विष्णु और ब्रह्मा की मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं, जो इस स्थान के धार्मिक महत्व को दर्शाती है। इस प्राचीन मंदिर की सेवा सदियों से श्रीमाली ब्राह्मण पुजारियों द्वारा की जा रही है, जो इस स्थान को और भी विशेष बनाते हैं।

छठ पूजा का महाप्रसाद है ठेकुआ

ठेकुआ बनाने के लिए सामग्री
दरदरा गेहूं का आटा– 1/2 किलो
ताजा शुद्ध गुड़ – 250 ग्राम
नारियल – 2 चम्मच कद्दुकस या बारीक कटा
सौंफ – 1 छोटा चम्मच
किशमिश- दो चम्मच
देसी घी – तलने और मोईन डालने के लिए

छठ पूजा का महाप्रसाद यानी ठेकुआ, एक पारंपरिक बिहार की मिठाई है, जिसे खासतौर पर छठ के प्रसाद के रूप में ही बनाया जाता है। इसे पवित्रता के साथ घर के सदस्य मिलजुल कर बनाते हैं और मुख्य प्रसाद के रूप में तैयार करते हैं। आटे, गुड़ और घी से तैयार इस प्रसाद का स्वाद काफी खस्ता और बेहद स्वादिष्ट होता है। अगर आप कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखें तो घर पर इसे बड़ी आसानी से बना सकते हैं। यही नहीं, अगर आप पहली बार छठ पूजा करने वाले हैं और ठेकुआ बनाने की सोच रहे हैं तो इन स्टेप को फॉलो कर आप सरल तरीके से ठेकुआ बना सकते हैं।

ठेकुआ बनाने का तरीका–

ठेकुआ के लिए धुले गेहूं को दरदरा पिसवा लें। दरदरा पिसे आटे से ही ठेकुआ का प्रसाद बनाया जाता है। अब आधा किलो आटा एक बर्तन में रखें और इसमें एक-एक कर बारीक कटा नारियल, एक चम्मच सौंफ, दो चम्मच किशमिश डालें। अब इसमें मोयन डालने के लिए तीन से चार चम्मच पिघला हुआ देसी घी डालें और सारी चीजों को हथेली से मसलते हुए अच्छी तरह मिलाएं। घी का मोयन ठेकुए को खस्ता बनाएगा। जब ये अच्छी तरह मिल जाएगा तो आटे का रंग थोड़ा गहरा लगेगा।

अब एक बर्तन में ताजा शुद्ध गुड़ रखें और उसमें हल्का गुनगुना पानी डालकर इसे अच्छी तरह घोल लें। जब पानी और गुड़ अच्छी तरह घुल जाए तो इसे एक छन्नी से छान लें। अब इसे आटे के साथ मिलाएं और लोई बनाएं। याद रखें ठेकुआ का आटा सामान्य से काफी कड़ा होता है। अब सांचा में इस लोई को रखें और दबाकर इस पर डिजाइन बना दें। इस तरह दबाएं कि ठेकुआ का हर कोना बराबर साइज का रहे। इस तरह सारी लोई बनाकर इसे ठेकुआ का आकार दें और प्लेट में रखते जाएं। फिर पैन में घी डालें और गैस पर गर्म करें। मध्यम आंच पर तेल गर्म करें और ठेकुआ को इसमें डीप फ्राई करें। इसे पकने में 5 से 6 मिनट लग सकता है। जब ये पक जाए तो इसे प्लेट में निकाल लें। इस तरह ठेकुआ बनकर तैयार हो जाएगा।

क्या है वैजयंती माला, लड्डू गोपाल को पहनाने के हैं अनेक फायदे

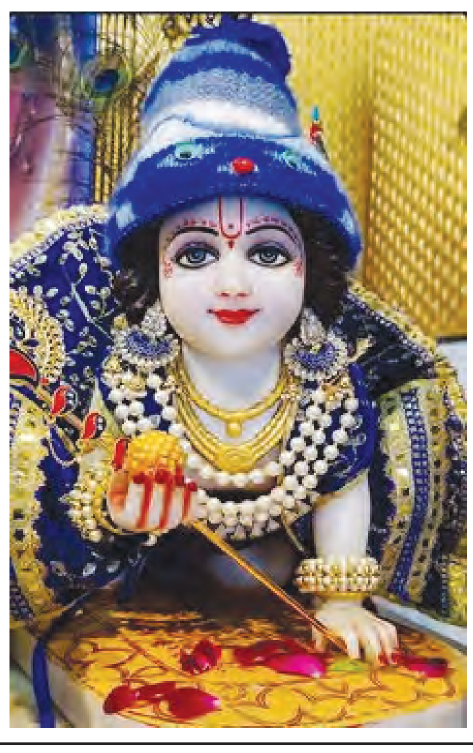

अधिकतर घरों में लड्डू गोपाल को पूजा जाता हैं। इनकी प्रतिमा के साथ-साथ उनकी पसंदीदा चीजों का भी ध्यान रखा जाता है। बाल गोपाल के साथ उनकी प्रिय चीज जैसे बांसुरी, सिर पर मोर पंख, गाय की मूर्ति इन चीजों को रखना चाहिए। इसके अलावा एक चीज और है, जो भगवान कृष्ण को बहुत पसंद है वो है वैजयंती माला। कहते हैं जो भक्त वैजयंती के बीजों से बनी माला को अर्पित करता है उन पर श्रीकृष्ण की विशेष कृपा बनी रहती है, इसके अलावा इस माला को धारण करने से भी जातक की आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है। और घर में खुशियों का वास होता है। क्योंकि इस माला को मां लक्ष्मी का भी कारक माना गया है।

इसलिए भगवान कृष्ण के भक्त उन्हें वैजयंती माला जरूर चढ़ाते है। ताकि उनके जीवन में सुख शांति सदैव बनी रहे। चालिए इसी के साथ ही इस लेख में जानते है भगवान को वैजयंती माला अर्पित करने से क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं।

वैजयंती की माला को भगवान विष्णु और भगवान कृष्ण भी धारण करते हैं। यह बहुत शुभ होती है। यदि इस माला को भगवान को अर्पित करते हैं तो उसके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। वैजयंती माला से कई शुभ फल की प्राप्ति होती हैं। जातक की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आता है। घर में खुशियों का वास हो जाता है। इसके अलावा उसे कभी नुकसान नहीं होता और उस पर काले जादू या तंत्र-मंत्र का असर नहीं होता है। साथ ही ऐसी मान्यता है कि यदि किसी की हाय लगी है तो वैजयंती माला टूटकर गिरने लगती है।

जानिए क्या है वैजयंती माला ?

वैजंयती माला का अर्थ है जीत की माला। जैसा की नाम से ही पता चलता है विजय दिलाने वाली माला। इसका शाब्दिक अर्थ होता है विजय होना। इस माला का उल्लेख महाभारत कथा में वनमाली के रूप में है, वनमाली भगवान विष्णु का दूसरा नाम है।

वैजयंती माला के फायदे

नकारात्मकता होती है दूरः यदि कोई व्यक्ति इस माला को धारण करता है, तो उसके अंदर मौजूद निगेटिविटी दूर होने लगती है साथ ही सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। इसके अलावा इसे पहनने से मानसिक सुकून भी मिलता है।

आत्मविश्वास बढ़ता हैः वैजयंती माला धारण करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होने लगती है। इससे पहनने के बाद आप बेहतरीन तरीक से अपने काम को करने लगते है और हर काम में सफलता हासिल होती है।

धन की कमी होगी दूरः वैजयंती की माला लड्डू गोपाल को अर्पित करने से धन की कमी नहीं रहती है क्योंकि भगवान विष्णु की अर्धांगिनी हैं मां लक्ष्मी ऐसे में अगर आप भगवान को माला चढ़ाते है या स्वंय भी वैजयंती माला पहनते है तो मां लक्ष्मी की कृपा आप पर बने रहती है। क्योंकि यह माला विष्णु जी की प्रिय है।

संजू-डंकी के बाद तीसरी बार राजकुमार हिरानी के साथ काम करेंगे विक्की कौशल, निभाएंगे मुख्य किरदार

राजकुमार हिरानी की फिल्म संजू और डंकी में विक्की कौशल के किरदार को बहुत पसंद किया गया। इसके बाद से ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में मजबूत पकड़ बना ली है। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि इन दो सफल फिल्मों के बाद राजकुमार हिरानी ने विकी कौशल से संपर्क किया। उनकी अगली फिल्म में विक्की मुख्य किरदार में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल इस बार राजकुमार हिरानी के साथ तीसरी फिल्म करने जा रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा खास बात यह है कि इस बार फिल्म में विक्की कौशल को मुख्य किरदार में रखा जाएगा।

छावा में नजर आएंगे विक्की कौशल

राजकुमार हिरानी मनोरंजक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी पिछली फिल्मों में विक्की का अभिनय भी शानदार रहा है। विक्की कौशल की अभिनय क्षमता की हर कोई सराहना करता है। विक्की कौशल की आने वाली फिल्म की बात करें तो वह अगली बार लक्ष्मण उटेकर की छावा में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना भी हैं। यह फिल्म छह दिसंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अल्लु अर्जुन की पुष्पा 2 के साथ टकराव से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया गया है। हालांकि, अभी तक इस फिल्म की रिलीज डेट की पुष्टि नहीं हो पाई है।

संजय लीला भंसाली के साथ करेंगे फिल्म

संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में भी विक्की कौशल नजर आएंगे। इस फिल्म में विक्की के अलावा रणवीर कपूर और आलिया भट्ट भी हैं। रणवीर और विक्की दोनों इस फिल्म में भारतीय सशस्त्र बल के अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। हाल ही में रणवीर कपूर और विक्की कौशल की जोधपुर यात्रा के बाद कई तस्वीरें वायरल हुई हैं। एक फैन ने उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें दोनों अभिनेताओं ने एयरफोर्स अधिकारी के साथ तस्वीर खिंचवा रहे थे। पिंकविला ने हाल ही में बताया कि लव एंड वॉर की शूटिंग सात नवंबर को मुंबई में शुरू होगी और 20 मार्च 2026 को यह सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रभास ने अपनी फीस में किया जबर्दस्त इजाफा, आजादी के पहले की इस फिल्म का बजट पहुंचा 400 करोड़

पैन-इंडियन स्टार प्रभास की लोकप्रियता जैसे-जैसे बढ़ रही है, वह अपनी फीस भी बढ़ा रहे हैं। प्रभास अब सिर्फ दक्षिण भारत ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एक स्टार के तौर पर पहचाने जाने लगे हैं। देशभर में उनके करोड़ों प्रशंसक हैं। शायद यही वजह है कि प्रभास अपनी फिल्मों की फीस में भी इजाफा कर रहे हैं।

'फौजी' में सैनिक की भूमिका अदा कर रहें प्रभास

अभिनेता लगातार बड़े बजट की फिल्में साइन कर रहे हैं और उन्होंने हाल ही में हनु राघवपुडी द्वारा निर्देशित फौजी की शूटिंग शुरू की है। यह फिल्म से पहले के युग पर आधारित है। इस फिल्म में प्रभास एक सैनिक की भूमिका निभा रहे हैं। हनु अपने काव्यात्मक वर्णन के लिए जाने जाते हैं और प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता सेट के माध्यम से इतिहास रचने को तैयार हैं।

फिल्म का बजट पहुंचा चार सौ करोड़

फिल्म 'फौजी' 400 करोड़ रुपये के बड़े बजट पर बनी है। निर्माताओं को यह कॉन्सेप्ट पसंद आया और उन्होंने फिल्म पर बड़ा निवेश करने का फैसला किया। हालांकि, प्रभास की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह फिल्म भी 400 करोड़ रुपये कमा सकती है। प्रभास ने अपनी फीस भी बढ़ा दी है और कुल मिलाकर फिल्म की लागत 400 करोड़ रुपये है।

इमानवी होंगी लीड एक्ट्रेस

प्रभास के अलावा फिल्म में इमानवी लीड एक्ट्रेस हैं और इसका नवीनतम शेड्यूल हैदराबाद में शूट हो रहा है। फिल्म में विशाल चंद्रशेखर को संगीत और बैकग्राउंड स्कोर के लिए शामिल किया गया है। 'मैथ्री मूवी मेकर्स' इसके निर्माता हैं।

प्रभास का वर्क फ्रंट

प्रभास को आखिरी बार 'कल्कि 2898 एडी' में देखा गया था। उनके आगामी कार्यों की बात की जाए तो वह मारुति की 'राजा साब' की भी शूटिंग कर रहे हैं और फिल्म को 2025 की गर्मियों में रिलीज करने का लक्ष्य रखा गया है।

दिव्या भारती की मौत के 31 साल बाद खुला सच गुड्डी मारुति ने कहा 'उसे निचे गिरते हुए देखा था'

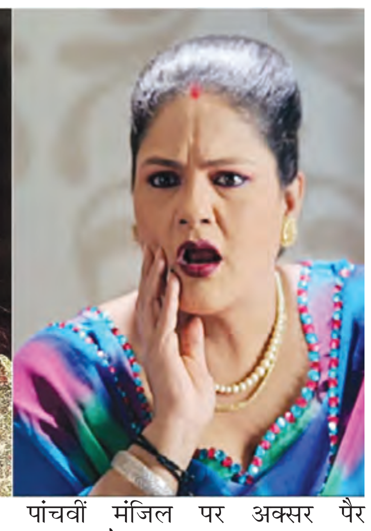

बॉलीवुड अभिनेत्री गुड्डी मारुति ने हाल ही में दिवंगत दिव्या भारती के साथ काम करने की अपनी यादें साझा कीं और उनकी मौत पर उन्होंने बेहद हैरान करने वाली बात कही है. दिव्या के बारे में उन्होंने कहा कि वो कमाल की लड़की थी और बिंदाश होकर जिंदगी को आगे लेकर जाती थी. इसके साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि दिव्या की आदत थी वो अपने घर के बाहर कई बार छत पर लापरवाही से बैठे रहती थी और उन्हें देखकर मैं हैरान रह जाती थी. इसके साथ ही गुड्डी वे ये भी बताया कि जब उनकी मौत हुई तो इस दौरान साजिद कहा था और किसने उन्हें गिरते हुए देखा था.

दिव्या की मौत से पहले हम पार्टी कर रहे थे

सिद्धार्थ कन्नन से बात करते हुए, गुड्डी ने कहा, 'वह एक अच्छी लड़की थी लेकिन वह थोड़ी उलझी हुई थी, मैं उसके बचपन के बारे में नहीं जानता लेकिन वह थोड़ी परेशान रहती थी.वह जिंदगी ऐसे जीती थी जैसे आज आखिरी दिन है, बिंदास, वह एक अच्छी लड़की थी.उस वक्त वह साजिद नाडियाडवाला को डेट कर रही थीं. यह वह समय था जब हम शोला और शबनम की शूटिंग कर रहे थे, उनकी मृत्यु 5 अप्रैल की रात को हुई और 4 अप्रैल को मेरा जन्मदिन होता है तो, हम सभी एक साथ पार्टी कर रहे थे. इस पार्टी में गोविंदा, दिव्या, साजिद और अन्य थे. वह पार्टी में ठीक थी लेकिन मुझे लगा कि वह थोड़ी उदास थी और उसे आउटडोर शूट के लिए जाना था लेकिन वह ऐसा नहीं करना चाहती थी.

पांचवीं मंजिल पर अक्सर पैर लटकाकर बैठती थी

गुड्डी को याद आया कि उन्होंने 6 अप्रैल की सुबह दिव्या की मौत की दुखद खबर सुनी थी, जब वह फ्लाइट में थी. एक और उदाहरण याद करते हुए जब उन्हें दिव्या का व्यवहार अजीब लगा, गुड्डी ने साझा किया, 'वह जुहू में एक इमारत की पांचवीं मंजिल पर रहती थी. एक रात मैं उस इमारत के पास आइसक्रीम की दुकान के अंदर जा रहा था और मुझे मेरा नाम चिल्लाते हुए एक आवाज़ सुनाई दी. मैंने ऊपर देखा तो वह दिव्या थी, वह पांचवीं मंजिल की छत पर पैर लटकाकर बैठी थी. मैंने उससे कहा कि यह सुरक्षित नहीं है और उसे अंदर आ जाना चाहिए. उसने मुझसे कहा, 'कुछ नहीं होगा.' वह ऊंचाई से नहीं डरती थी मैं तो उसे देखकर ही डर गई थी'.

नीता ने उसे गिरते हुए देखा है- गुड्डी

इसके साथ ही गुड्डी ने कहा कि जब दिव्या की मौत हुई तो उसकी मां की हालत बेहद खराब थी और हरे सदमे में थी और साजिद का हाल बुरा था वो खत्म हो चुका था, क्योंकि जब घटना घटी तब वह घर पर भी नहीं थे. दिव्या यह देखने के लिए अपनी खिड़की से नीचे झुकी कि क्या साजिद की कार आई है और तभी वह नीचे गिर गई थी. एक्ट्रेस ने आगे कहा कि 'जब यह घटना घटी तो डिजाइनर नीता लुल्ला वहां मौजूद थीं, नीता लुल्ला वहां थीं, वे बात कर रहे थे जब दिव्या कार की तलाश में मुड़ी और नीता ने उसे गिरते हुए देखा था.

'दिल्लगी' को फिर से बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं बॉबी देओल, बोले- शानदार संगीत और फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल ने अपने करियर में फिर से चढ़ाव देखा। उन्होंने अपनी पसंदीदा फिल्म 'दिल्लगी' (1999) को फिर एक बार बड़े पर्दे पर देखने की इच्छा व्यक्त की। इसके अलावा भी उन्होंने अपनी कुछ अन्य फिल्मों को सिल्वर स्क्रीम पर देखने की इच्छा जताई। मौजूदा समय में वे अपनी आने वाली फिल्म कंगुवा का प्रमोशन कर रहे हैं। बता दें कि इस फिल्म के जरिए बॉबी देओल साउथ की फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख रहे हैं।

बॉबी देओल की पसंदीदा फिल्म है दिल्लगी

मीडिया चैनल को दिए एक साक्षात्कार में बॉबी देओल ने बताया कि दिल्लगी उनकी सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उन्होंने कहा, कुछ फिल्में जो बॉक्स ऑफिस में अच्छा नहीं कर पातीं, वह आपके लिए कल्ट फिल्म बन जाती हैं। दर्शक अचानक से उन्हीं फिल्मों को पसंद करने लगते हैं जो बॉक्स ऑफिस में नहीं चल पाती हैं।इसलिए मैं चाहता हूं कि उनमें से कुछ फिल्में फिर से रिलीज हो।

सनी देओल थे दिल्लगी के निर्देशक

55 वर्षीय बॉलीवुड अभिनेता ने कहा, ₹दिल्लगी मेरी पसंदीदा फिल्म है। मेरे भाई (सनी देओल) ने इसे निर्देशित किया। इसकी कहानी और संगीत शानदार थी और यह फिल्म निर्देशक के तौर पर उसकी (सनी देओल) पहली फिल्म थी। मुझे वह फिल्म बहुत पसंद है। इस वजह से नहीं कि इसे मेरे भाई ने निर्देशित किया है, बल्कि मुझे यह फिल्म इसके तरीके के कारण से पसंद है। मैं कामना करता हूं कि दर्शक इसे फिर से देखें। दिल्लगी के अलावा बॉबी देओल ने अपने अन्य फिल्मों को भी सिल्वर स्क्रीन पर देखने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा,

अन्य फिल्में भी सदाबहार हैं, क्योंकि लोगों को आज भी सोल्जर, गुप्त, बिच्छू के गाने पसंद आते हैं। 'करीब' भी एक शानदार फिल्म थी, लेकिन बाद में यह एक कल्ट क्लासिक बन गया। लोग आज भी इन फिल्मों के बारे में बात करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इन फिल्मों को फिर से रिलीज करना चाहिए।

कंगुवा का प्रमोशन कर रहे बॉबी देओल

बता दें कि बॉबी देओल फिलहाल अपनी फिल्म 'कंगुवा' का प्रमोशन कर रहे हैं। यह साउथ फिल्म इंडस्ट्री में उनकी पहली फिल्म है। इसफिल्म में दिशा पटानी भी शामिल हैं और यह 14 नवंबर को रिलीज होगी।

'हमारे प्यार का बर्थडे', दो साल की हुई आलिया-रणबीर की बेटी राहा कपूर

दादी नीतू कपूर ने तस्वीर शेयर कर लुटाया प्यार

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की बेटी राहा कपूर आज यानी 6 नवंबर को पूरे 2 साल की हो गई है। इस मौके पर दादी नीतू कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक बेहद खूबसूरत तस्वीर शेयर करते हुए राहा को अपना प्यार बताया है। उन्होंने जो तस्वीर शेयर की है उसमें राहा रणबीर और आलिया के बीच कार की पीछे वाली सीट पर बैठी है और रणबीर अपनी बेटी को किस कर रहे हैं।

तस्वीर शेयर करते हुए नीतू ने लिखा, "हमारे प्यार का बर्थडे।" इस तस्वीर पर फैंस भर-भरकर राहा पर प्यार लुटा रहे हैं और बर्थडे विश कर रहे हैं। तमाम लोगों ने 'हैप्पी बर्थडे' लिखते हुए राहा को ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया है। नीतू के अलावा राहा की बुआ यानी ऋद्धिमा कपूर ने भी अपनी भतीजी को बर्थडे विश किया है। ऋद्धिमा ने अपनी बेटी के साथ राहा की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, "हैप्पी बर्थडे मेरी क्यूटी पाई, हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं।"

बता दें कि आलिया और रणबीर अपनी बेटी से बहुत प्यार करते हैं और दादी नीतू भी उस पर जान लुटाती है। रणबीर-आलिया ने हमेशा ही बेटी के लिए अपने प्यार को खुलकर बयां किया है। आलिया ने एक इंटरव्यू में वर्किंग मदर होने से उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इसके बारे में बात की थी। इसके साथ ही उन्हें अब अपने माता पिता के लिए भी बुरा लगता है, क्योंकि जब वो एक वर्किंग बेटी थीं तो अपने माता पिता को समय नहीं दे पाती थीं।

द नॉड मैग से बात करते हुए, आलिया भट्ट ने एक बार लंदन में अपनी फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' की शूटिंग के दौरान रातों की नींद उड़ जाने की बात शेयर की थी क्योंकि उन्हें लगता था कि वह एक अच्छी बेटी नहीं हैं। आलिया ने बताया कि जब वह 23 साल की थीं और प्रोजेक्ट्स में व्यस्त थीं, तो उनके पास अपनी मां सोनी राजदान के साथ समय बिताने के लिए मुश्किल से ही समय होता था। "मैं शायद 23 साल की थी जब मैंने घर छोड़ दिया। मैं लंबे समय तक शूटिंग शेड्यूल पर दूर रहती थी, और कभी-कभी आपको पता भी नहीं चलता था कि मैं किस शहर में हूं।"

आलिया ने आगे कहा था, "लेकिन मुझे लगता है कि मैंने बहुत जल्दी घर छोड़ दिया और मैं राहा के साथ ऐसा नहीं होने दूंगी। मानो या न मानो, आमतौर पर मैं आगे का सोचने वाली व्यक्ति हूं, लेकिन राहा के साथ, मैं हर दिन को वैसे जीती हूं। पापा ने हाल ही में मुझसे कहा "यदि आप राहा को गिरने नहीं देते हैं, तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती होगी क्योंकि वह कभी नहीं सीख पाएगी कि खुद को कैसे उठाया जाए।"

'भाभी से बहन बन गईं', राणा दग्गुबाटी ने ली सामंथा से चुटकी, अभिनेत्री नहीं रोक पाईं हंसी

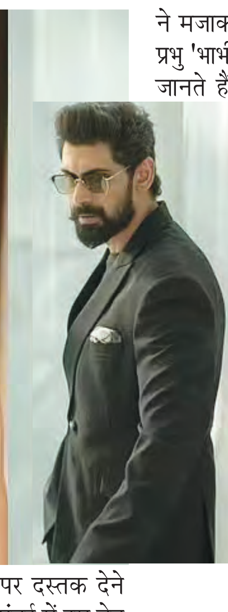

प्राइम वीडियो की 'सिटाडेल हनी बनी' 7 नवंबर को रिलीज होने वाली है। राज और डीके के इस शो को लेकर लोगों में काफी ज्यादा उत्साह देखने को मिल रहा है। सीरीज के ओटीटी पर दस्तक देने से पहले हाल ही में मुंबई में इस वेब सीरीज का एक शानदार प्रीमियर कार्यक्रम आयोजित किया गया। अब हाल ही में, अभिनेता राणा दग्गुबाती ने मजाक में कहा कि सामंथा रूथ प्रभु 'भाभी से बहन' बन गईं। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने इस पर कैसी प्रतिक्रिया दी है।

राणा दग्गुबाटी ने ली सामंथा से चुटकी

हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में राणा दग्गुबाती ने सामंथा से मजाक करते हुए कहा, ₹सामंथा टॉलीवुड से हॉलीवुड चली गई। मेरी भाभी से बहन बन गई,₹ जिसे सुन अभिनेत्री जोर हंस पड़ी और वहां बैठे लोगों ने भी इस मजाक पर खूब तालियां बजाई।

ज्यादा तेलुगु फिल्में नहीं कर रही हैं सामंथा

उन्होंने यह भी बताया कि वह तेलुगु फिल्में ज्यादा नहीं कर रही हैं और कहा, अगर मैं कोई फिल्म करूंगी, तो वह नरसिम्हा नायडू जैसी होनी चाहिए, राणा नायडू जैसी नहीं। हालांकि, राणा आगे मजाक करने के मूड में थे क्योंकि उन्होंने जवाब दिया, यह सिनेमा नहीं है, बहन, यह एक शो है। उन्होंने मुझसे कहा कि आप इस पर कुछ भी कर सकते हैं, मैंने यह फैमिली मैन से सीखा है।

इन सितारों से सजी है सीरीज

काम की बात करें तो सामंथा सबसे पहले सिटाडेल हनी बनी में नजर आएंगी। सिटाडेलः हनी बनी राज और डीके द्वारा निर्देशित एक हिंदी जासूसी एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज है। इस सीरीज में वरुण धवन और सामंथा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा सीरीज में के के मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजूमदार और कई अन्य कलाकार नजर आएंगे। दर्शक सामंथा को एक बार फिर से स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं।

भूल भुलैया 3 की एक्ट्रेस का दर्द : सीरियल से निकाल दिया गया था, रोज सरदाना बोलीं- तंग आकर टीवी छोड़ दी

एक्ट्रेस रोज सरदाना ने टेलीविजन से करियर की शुरुआत की, लेकिन उन्हें सक्सेस नहीं मिली। तंग आकार एक्ट्रेस ने टीवी छोड़, फिल्मों के लिए कोशिश शुरू की। 'दृश्यम 2' और 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी रोज सरदाना की फिल्म 'भूल भुलैया 3' रिलीज हुई है। पिछले दिनों एक्ट्रेस ने दैनिक भास्कर से बातचीत की।

करियर की शुरुआत से लेकर 'भूल भुलैया 3' तक का सफर बहुत ही अनुभव भरा रहा है। मुंबई जैसे शहर में बहुत ही उतार-चढ़ाव रहे हैं। मैंने फिल्मों के बारे में कभी नहीं सोचा था। मुझे लगता था कि फिल्मों की दुनिया बहुत ही अलग है। इसलिए मैं टेलीविजन में ही करियर बनाना चाह रही है, लेकिन टेलीविजन में कभी सफल नहीं रही। मुझे या तो शो से निकाल दिया जाता था, या फिर रिप्लेस कर दिया जाता था।

टेलीविजन पर पहला मौका मुंबई आने के दो महीने के बाद ही मुझे बालाजी टेलीफिल्म्स के शो 'मेरी आशिकी तुमसे ही' में मौका मिला। मैं बहुत खुश थी, लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि शूटिंग कैसे होती है? पहला शॉट देते वक्त बहुत नर्वस थी। उस शो को अनिल सर (अनिल वी कुमार) डायरेक्ट कर रहे थे। वो इतना डांटने लगे कि मैं रोने लगी थी। दो महीने के बाद मुझे शो से निकाल दिया गया।

जब शो से निकाल दिया गया तो उस समय मुझे बिल्कुल भी बुरा नहीं लगा था। मैं ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थी। कोई भी प्रोडक्शन हाउस अपना नुकसान क्यों चाहेगा? उसके बाद भी टेलीविजन की मेरी जर्नी बहुत ही दुख भरी रही है। मैंने जितने शो किए, उनमें से मुझे निकाल दिया गया या फिर रिप्लेस कर दिया गया। कई शो तो बंद हो गए। टीवी में जहां भी कोशिश करती थी, मेरे साथ ऐसा होता था। मैंने सब टीवी के लिए एक शो 'हम आपके घर में रहते हैं' किया था। इसमें मेरी लीड भूमिका थी। मुझे लगा कि अब तो लाइफ सेट है। चार महीने के बाद प्रोडक्शन से फोन आया कि आपको रिप्लेस किया जा रहा है। चैनल आपके काम से खुश नहीं है।

उसके बाद तंग आकार मैंने डिसाइड किया कि अब टीवी नहीं करना है। मैंने ओटीटी और फिल्मों के लिए कोशिश करनी शुरू कर दी। वहां से मुझे रिस्पॉन्स मिलने लगा। मुझे 'दृश्यम 2' में काम करने का मौका मिला। इसमें छोटा सा ही किरदार था, लेकिन उस किरदार को लोगों ने नोटिस किया। इसके बाद मैंने लव रंजन की फिल्म 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब में काम किया। सबसे अच्छी बात यह थी कि इस फिल्म की शूटिंग मेरे होम टाउन चंडीगढ़ में हुई थी। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसके बाद मुझे 'भूल भुलैया 3' में मौका मिला।

भूल भुलैया 3 मुझे ऑडिशन से मिली थी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मेरे लिए सबसे यादगार क्षण माधुरी मैम (माधुरी दीक्षित) से मिलना था। मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि माधुरी मैम के साथ परफॉर्म करूंगी। इस फिल्म मैंने तृप्ति डिमरी की बहन का किरदार निभाया है। जब यह फिल्म कर रही थी तो इसके बारे में किसी को भी नहीं बताया था। इतना रिजेक्शन झेल चुकी थी कि मुझे डर लग रहा था कि पता नहीं क्या होगा? मेरे पेरेंट्स को रिजेक्शन सुनने की आदत लग गई थी। वो यही सोचते थे कि पता नहीं इसका क्या होगा?

मम्मी को जब बताया तो उनको लगा कि पागल हो गई हूं। पापा बिल्कुल भी तैयार नहीं थे। मैं बेंगलुरु में जॉब कर रही थीं। पापा चाह रहे थे कि जॉब ही करूं। मैं जॉब से खुश नहीं थी। सात महीने के दौरान ही पूरी तरह से डिप्रेशन में चली गई थी।

मुंबई में पिछले दस साल से कॉन्सर्ट में एंकरिंग कर रही हूं। इससे मुझे आर्थिक रूप से बहुत हेल्प मिली। पेरेंट्स भी इस वजह से शांत रहते थे कि कुछ तो कमा रही है। वर्ना उनको बहुत चिंता रहती थी कि मुंबई में क्या कर रही होगी? रिश्तेदारों की बातें भी बहुत चुभती थीं। एक बार पेरेंट्स को मुंबई बुलाया। तब एक छोटे से कमरे में रहती थी। उनको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि छोटे से कमरे में रहती हूं। वो मुंबई का माहौल देखकर बहुत खुश थे। मुंबई ऐसा शहर हैं, जहां पर लड़कियां रात के दो बजे भी बिना डरे घूम सकती हैं।

एक्टिंग में करियर बनाना शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित और जूही चावला की फिल्में देख कर लग था कि यह कैसी दुनिया है। उस समय सब सपने जैसा लगता था। चंडीगढ़ जैसे शहर में फिल्मों के बारे में सोचना बहुत बड़ी बात थी। मैंने सिर्फ टीवी के बारे में सोचा था। खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि 'भूल भुलैया 3' जैसी फिल्म में काम करने का मौ का मिला।

नींद न आने की समस्या बढ़ा सकती है कई बीमारियों का खतरा
अच्छी नींद पाने के लिए क्या करें?

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक माना जाता है। ये मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है। डॉक्टर बताते हैं, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है।

नींद न आने की समस्या के कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव या चिंताएं अक्सर दिमाग को इतना सक्रिय कर देती हैं कि व्यक्ति आराम से सो नहीं पाता। इसके अलावा चाय, कॉफी, सिगरेट और अन्य कैफीनयुक्त पदार्थों का सेवन करने वालों को भी नींद विकारों की दिक्कत हो सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियां और मानसिक रोग के शिकार लोगों की भी नींद अक्सर बाधित रहती है।

नींद की समस्याओं के कारण

नींद न की समस्या (अनिद्रा) एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है या रात में अक्सर उसकी नींद टूट जाती है। नींद की कमी का असर दीर्घकालिक रूप से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नींद की बढ़ती समस्याओं के लिए मोबाइल या कंप्यूटर जैसे स्क्रीन्स का अधिक इस्तेमाल भी माना जा सकता है। इन उपकरणों से निकलने वाली ब्लू लाइट नींद के लिए आवश्यक मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को रोकती है। नींद में सुधार के लिए कुछ उपाय मददगार हो सकते हैं।

एक ही समय पर रोज सोने की बनाएं आदत

हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे शरीर का बायोलॉजिकल क्लॉक नियमित होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसके अलावा कमरे को नींद के अनुकूल बनाएं। कमरा शांत, अंधेरा वाला और ठंडा होना चाहिए। अनुकूल माहौल में अच्छी नींद मिलती है।

स्क्रीन से बनाएं दूरी

सोने से 1-2 घंटे पहले स्मार्टफोन, कंप्यूटर, या टेलीविजन का इस्तेमाल न करें। इन उपकरणों की ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन के स्तर को प्रभावित करती है, जिससे नींद आने में परेशानी होती है। मेलाटोनिन एक प्राकृतिक हार्मोन है जो नींद को नियंत्रित करता है। अनिद्रा के शिकार लोग डॉक्टर से सलाह लेकर इसका सप्लीमेंट ले सकते हैं। अगर नींद की समस्या किसी मानसिक विकार जैसे अवसाद या एंग्जायटी के कारण है, तो इसके लिए मनोचिकित्सक से सलाह लें।

नियमित व्यायाम जरूरी

नियमित शारीरिक व्यायाम नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक है। व्यायाम करने से शरीर को थकावट महसूस होती है, जिससे सोने में आसानी होती है। ध्यान रहे कि सोने से पहले व्यायाम न करें, क्योंकि यह शारीरिक उत्तेजना बढ़ा सकता है। ध्यान, गहरी सांस लेने की तकनीक और मांसपेशियों को आराम देने वाली एक्सरसाइज सोने से पहले करने से तनाव कम होता है और नींद में सुधार होता है।

शरीर को ऊर्जावान और लचीला बनाने के लिए रोजाना करें इन योगासनों का अभ्यास

भागदौड़ भर जिंदगी में ऊर्जावान बने रहने के लिए योग आवश्यक है। ऊर्जावान रहने के साथ ही शरीर को लचीला बनाने और शारीरिक क्षमता को बढ़ाने के लिए भी योग असरदार है। योग मानसिक शांति और संतुलन भी प्रदान करता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, लचीलापन बढ़ता है और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहता है। यहां हम कुछ ऐसे योगासनों के बारे में जानेंगे, जिनका रोजाना अभ्यास करने से आप अपने शरीर को ऊर्जावान और लचीला बना सकते हैं।

सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार को संपूर्ण शरीर के लिए सर्वश्रेष्ठ योगासन माना जाता है। सूर्य नमस्कार 12 चरणों में होता है, जो शरीर की सभी प्रमुख मांसपेशियों और जोड़ों को मजबूत और लचीला बनाता है। साथ ही यह शरीर में रक्त संचार बढ़ाने और ऊर्जा को बेहतर बनाने में सहायक होता है।

इस आसन को करने के लिए सीधे खड़े होकर हाथों को नमस्कार मुद्रा में जोड़ें। गहरी सांस लेते हुए हाथों को ऊपर उठाएं और फिर आगे की ओर झुकें। पैरों को पीछे ले जाकर दंडासन की मुद्रा में आ जाएं और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ें और जमीन पर झुकें। इस प्रक्रिया को 12 चरणों में पूरा करें।

भुजंगासन

इस आसन के नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है और पीठ में लचीलापन आता है। भुजंगासन का अभ्यास शरीर में ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ावा देता है। साथ ही मांसपेशियों में तनाव को दूर करने में मदद करता है। भुजंगासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर हाथों को कंधों के पास जमीन पर रखें। धीरे-धीरे सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाएं। सिर को पीछे की ओर ले जाकर आसमान की ओर देखें और गहरी सांस लें।

त्रिकोणासन

शरीर के निचले और ऊपरी हिस्से को लचीला बनाने में त्रिकोणासन लाभकारी योग क्रिया है। इस आसन से कूल्हों, जांघों और कमर की मांसपेशियों में खिचांव आता है, जिससे शरीर का संतुलन और लचीलापन बेहतर होता है। साथ ही, यह शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाने में सहायक होता है। त्रिकोणासन करने के लिए सीधे खड़े होकर दोनों पैरों के बीच दूरी बनाए रखें। फिर दाएं हाथ को दाएं पैर की ओर झुकाकर नीचे की ओर ले जाएं और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा करें। कुछ समय तक इस स्थिति में रुकें और फिर दूसरी दिशा में भी इसे दोहराएं।

वृक्षासन

वृक्षासन शरीर को लचीला बनाने के साथ ही संतुलन को बेहतर बनाने में फायदेमंद है। वृक्षासन का अभ्यास मांसपेशियों में मजबूती लाता है। यह शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाने और मानसिक शांति प्राप्त करने में सहायक है।वृक्षासन के लिए सीधे खड़े होकर एक पैर को उठाकर दूसरे पैर के जांघ पर रखें। फिर दोनों हाथों को नमस्कार मुद्रा में जोड़ें और सिर के ऊपर ले जाएं। कुछ देर इसी स्थिति में रहने के बाद दूसरी ओर से दोहराएं।

पश्चिमोत्तानासन

यह आसन शरीर के पीछे के हिस्से को खींचता है और लचीलापन बढ़ाता है। साथ ही, यह पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और थकान को दूर करता है। यह योगासन मानसिक तनाव कम करने में भी मदद करता है। पश्चिमोत्तानासन के अभ्यास के लिए पैरों को सामने की ओर फैलाकर बैठें। धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें और हाथों से पैरों के अंगूठे पकड़ें। सिर को पैरों के पास लाने की कोशिश करें और गहरी सांस लें।

क्या आपको भी बार-बार आती रहती है जम्हाई? कहीं किसी गंभीर बीमारी का कारण तो नहीं

काम करते-करते कई बार आपको भी जम्हाई या उबासी आती होगी। आमतौर पर इसे थकान या नींद आने का एक लक्षण माना जाता है जिसे हम लोग नजरअंदाज कर देते हैं। पर अगर आपको बार-बार जम्हाई आ रही है तो कुछ स्थितियों में सावधान हो जाने की जरूरत है, ये किसी गंभीर बीमारी का भी संकेत हो सकता है।

जम्हाई आना एक प्राकृतिक प्रतिक्रिया है जिसमें हम मुंह खोलकर इसी के माध्यम से गहरी सांस लेते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो जम्हाई आने का कोई सटीक कारण नहीं है, लेकिन इसे अक्सर थकान की स्वाभाविक प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाता है। जब आप काम से बहुत थक जाते हैं या शायद जब आप ऊब जाते हैं तो जम्हाई लेना स्वाभाविक है। हालांकि, अत्यधिक जम्हाई आना कई बार बीमारियों का संकेत भी हो सकता है।

क्यों आती है जम्हाई?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं अत्यधिक जम्हाई आने का सटीक कारण ज्ञात नहीं है। हालांकि कुछ स्थितियां हैं जो इसको बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

थकावट या थकान के कारण जम्हाई आ सकती है।

अनिद्रा, तनाव या शिफ्ट वर्क के कारण नींद की कमी।

नींद संबंधी विकार, जैसे स्लीप एपनिया या नार्कोलेप्सी।

अवसाद या चिंता की दवाओं के साइड इफेक्ट्स के कारण भी इस तरह की दिक्कतें हो सकती हैं।

कहीं आपको स्लीप एपनिया तो नहीं?

ज्यादा उबासी आना नींद संबंधी बीमारी, जैसे कि ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का एक संकेत भी हो सकता है। इस समस्या में अत्यधिक नींद आती है और रात में सोते समय कई तरह की दिक्कतों का सामना भी करना पड़ता है, जिससे नींद पूरी नहीं हो पाती है औरअगले दिन काफी थका हुआ महसूस कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ मामलों में ज्यादा उबासी आना मेटाबॉलिज्म से जुड़ी बीमारियों के कारण भी हो सकता है। रक्त में ग्लूकोज का स्तर कम होने से उबासी आनी शुरू हो जाती है।

नार्कोलेप्सी भी नींद से जुड़ी एक समस्या है। इसमें व्यक्ति कभी भी और कहीं भी अचानक सो सकता है। इस बीमारी में मरीज को दिनभर में कई बार नींद आती है, जिससे उसे ज्यादा उबासी आती रहती है। इंसोमनिया यानी अनिद्रा में रात में नींद ठीक से नहीं आती है। अगर एक बार नींद खुल जाए तो दोबारा सोना काफी मुश्किल हो जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वरिष्ठ चिकित्सक कहते हैं, कई बार थके होने के कारण बार-बार उबासी आती है। यह सामान्य बात है, लेकिन अगर यह समस्या काफी दिनों से बनी हुई है तो इसे नजरअंदाज न करें और फौरन डॉक्टर से सलाह लें। स्लीप एपनिया या अनिद्रा जैसी समस्याओं में समय रहते इलाज की जरूरत होती है इसलिए अगर आप कई दिनों से बार-बार उबासी लेनें की समस्या से परेशान हैं तो इस बारे में डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

खाने के बाद गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग से हैं परेशान

रात का खाना हमारा आखिरी भोजन होता है जो हमें रात में 7 बजे तक कर लेना चाहिए, लेकिन शहरी लाइफस्टाइल इतना ज्यादा खराब है कि हम देर रात तक खाते हैं और खाने के बाद सीधे बिस्तर पर पहुंच जाते हैं। देर रात तक खाना और खाने में हैवी फूड्स का सेवन करने से पाचन से जुड़ी परेशानियां बढ़ने लगती हैं। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट ने बताया अगर आप चाहते हैं कि आपको खाने के बाद गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग की परेशानी नहीं रहे तो आप खाने के बाद कुछ खास कामों को कीजिए। एक्सपर्ट ने बताया आप चाहे जितना भी थक जाएं लेकिन खाने के बाद सीधे बिस्तर पर नहीं जाएं। आप खाने के बाद आधे घंटे की वॉक जरूर करें। रात के खाने के बाद चहलकदमी करने से पाचन दुरुस्त रहता है और रात को सुकून की नींद आती है। खराब पाचन की वजह से आपको रात भर दिक्कत हो सकती है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि रात का खाना ठीक से हजम करने के लिए कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखें।

खाने के बाद गुनगुने पानी का सेवन करें

अगर आपका पाचन ठीक नहीं रहता तो आप रात के खाने के बाद गुनगुने पानी का सेवन करें। गुनगुना पानी पाचन को बेहतर करता है और पाचन से जुड़ी परेशानियों को दूर करता है। आयुर्वेद के मुताबिक ठंडा पानी पीने से खाना जल्दी नहीं पचता और पेट में सड़ने लगता है। गर्म पानी उष्णोदक होता है जो खाना पचाने में मदद करता है।

अदरक की चाय का करें सेवन

खाने के बाद अदरक की चाय का सेवन करने से आपका पाचन दुरुस्त रहता है। अदरक की चाय पाचन को दुरुस्त करती है। इसका सेवन करने से पेट में बनने वाली गैस, एसिडिटी और अपच जैसी परेशानी से निजात मिलती है। इस चाय का सेवन करने से पाचन दुरुस्त रहता है और पेट से जुड़ी परेशानियां दूर होती है। आप रात को खाने के बाद एक कप अदरक की चाय पिएं तो कब्ज का इलाज होता है और पाचन ठीक रहता है।

जीरे के पानी का करें सेवन

आप एक चम्मच जीरे को एक गिलास पानी में पकाएं और उसे गुनगुना ही सेवन करें आपको खाने के बाद पेट से जुड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।

ध्यान और प्राणायाम भी दिलाएगा राहत

पाचन को खराब करने में तनाव भी जिम्मेदार है। अगर आप मानसिक तनाव को कम करने के लिए योग और प्राणायाम करें। योग और प्राणायाम करने से आपका खाना पचता है और आपको पाचन से जुड़ी परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

मात्र 7 दिन में नजर आएंगे नए पत्ते

मनी प्लांट हर किसी के घर और ऑफिस डेस्क की शोभा बढ़ा सकता है। इस पौधे की खास बात ये है कि ये तेजी से बड़ा होता है और इसकी ग्रोथ अच्छी हो तो इससे आप अपना घर खूबसूरती से सजा सकते हैं। लेकिन, सबसे बड़ी चिंता की बात ये है कि इसकी अच्छी ग्रोथ कैसे करें। ऐसे में इसे लगाने से लेकर इसकी केयर तक कई चीजों का ख्याल रखना जरूरी है। तो आज सबसे बेसिक चीज के बारे में जानते हैं कि मनी प्लांट को बोतल में कैसे लगाएं , इसका सही तरीका क्या है।

मनी प्लांट को बोतल में लगाने का सही तरीका

मनी प्लांट को बोतल में लगाने का सही तरीका अगर आप समझ जाएं तो ये काम आसानी से हो सकता है। जिसमें सबसे पहली समझना ये है कि मनी को प्लांट की कटिंग कहां से करें और इसे कैसे लगाएं।

जानें मनी प्लांट की कटिंग का सही तरीका

मनी प्लांट की कटिंग सही होगी तभी आप इसे सही तरीके से लगा पाएंगे। तो आपको करना ये है कि मनी प्लांट में जहां से आपको सफेद-सफेद जड़ जैसा नजर आ रहा हो उसके नीचे जहां प्लांट जुड़ रहा हो वहां से कंटिंग करें। कटिंग करने के बाद नीचे की पत्तियों को काटकर हटा दें।

मनी प्लांट को बोतल में कैसे डालते हैं

मनी प्लांट को बोतल में रखने का सही तरीका ये है कि

-पहले बोतल को साफ करके इसमें फिल्टर किया हुआ या आरओ भर लें।

-अब इसमें प्लांट को डालें ऐसे कि सफेद वाले जड़ पानी के अंदर ज्यादा से ज्यादा हों।

-अब इसे रख दें।

-आप देखेंगे कि 3 दिन बाद ही सफेद वाली जड़ बढ़ेगी और ऊपर एन नए पत्ते के आने की शुरुआत होगी। -हर 7 से 10 दिन पर पानी बदल दें।

मनी प्लांट की अच्छी ग्रोथ बढ़ाने के लिए आप इसमें पानी वाले पौधों के लिए खास फूड डाल सकते हैं। ये फूड आपको ऑनलाइन भी मिल जएगा। इस प्रकार से आप मनी प्लांट की ग्रोथ बढ़ा सकते हैं।

स्किन को बैक्टीरिया का घर बना सकता है गंदा तौलिया
कितने दिनों में धो लेना चाहिए तौलिए

तौलिये का इस्तेमाल हर कोई करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तौलिये को कितने दिनों में धो लेना चाहिए? अगर नहीं, तो यहां हम आपको इसी सवाल का जवाब देने वाले हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स?

मामले को लेकर इंडियन एक्सप्रेस संग हुई खास बातचीत के दौरान द एस्थेटिक क्लिनिक्स में कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट, कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट और डर्मेटोसर्जन डॉ. रिंकी कपूर ने बताया, लोग नहाने के बाद बॉडी से पानी को सोखने के लिए तौलिये का इस्तेमाल करते हैं। इनमें ज्यादातर लोग इस्तेमाल के बाद तौलिये को ऐसे ही सुखा लेते हैं, अगले दिन फिर इसका इस्तेमाल करते हैं और फिर रख देते हैं। यानी वे कई-कई दिनों तक तौलिये को धोते नहीं हैं। अगर आप भी इन्हीं लोगों में से एक हैं, तो बता दें कि आपकी ये आदत आपको गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।'

हो सकते हैं ये नुकसान

डॉ. कपूर बताती हैं, तौलिए में मौजूद नमी और बॉडी ऑयल बैक्टीरिया, फंगस और अन्य माइक्रोऑर्गेनिज्म के पनपने के लिए सही वातावरण बना देते हैं। ऐसे में अगर बहुत अधिक दिनों तक इसे धोया न जाए, तो ये माइक्रोऑर्गेनिज्म खासकर कई त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

लंबे समय तक बिना धुले तौलिये का इस्तेमाल करने से बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। यानी आपकी त्वचा पर बैक्टीरिया फैल सकता है, जिससे संक्रमण, जलन या एक्ने की परेशानी हो सकती है।

गंदा तौलिया एथलीट फुट का कारण बन सकता है।

इन सब से अलग तौलिये पर गंदगी, पसीना और तेल जमा होने से रोमछिद्र बंद हो सकते हैं, जो स्किन के लिए तो हानिकारक है ही, साथ ही ये फॉलिकुलिटिस (बालों के रोम में सूजन आ) का कारण भी बन सकता है।

कितने दिनों में धो लेना चाहिए तौलिया?

इस सवाल का जवाब देते हुए डॉ. कपूर बताती हैं, 'तौलिये को हर 2-3 दिनों के बाद धोने लेना चाहिए। हालांकि, अगर आप हर बार ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो संक्रमण और जलन के जोखिम को कम करने के लिए कम से कम हर पांच दिन में तौलिये को जरूर धोएं। इसके अलावा हर बार इस्तेमाल के बाद तौलिये को कुछ देर धूप में भी जरूर सुखाएं।'

आयकर विभाग ने कुछ शर्तों के साथ करदाताओं को दी बड़ी राहत

कर देनदारी पर बकाया ब्याज होगा माफ

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने करदाताओं को बड़ी राहत देते हुए कुछ खास शर्तों के साथ टैक्स अधिकारियों को बकाया ब्याज माफ करने या कम करने की अनुमति दे दी है। इसके तहत, इस दायरे में आने वाले करदाताओं को 1.50 करोड़ रुपये से अधिक की रियायत मिल सकती है। आयकर विभाग ने कहा, आयकर अधिनियम की धारा-220(2ए) के तहत अगर कोई करदाता किसी मांग नोटिस के मामले में कर चुकाने में विफल रहता है, तो उसे भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए हर महीने एक फीसदी की दर से ब्याज भरना होगा। हालांकि, प्रधान मुख्य आयुक्त या मुख्य आयुक्त या प्रधान आयुक्त या आयुक्त रैंक के अधिकारी इस बकाया ब्याज राशि को कम कर सकते हैं या माफ कर सकते हैं। यह अधिनियम इन अधिकारियों को देय ब्याज राशि को कम करने या माफ करने का अधिकार देता है। नांगिया एंड कंपनी एलएलपी साझेदार सचिन गर्ग ने कहा, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के इस कदम से ब्याज में छूट या कमी के लिए करदाता की ओर से किए गए आवेदनों का शीघ्र निपटान करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

कौन अधिकारी दे सकता है कितनी राहत

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने चार नवंबर को जारी सर्कुलर में कहा, आयकर अधिनियम की धारा-220(2ए) के तहत प्रधान मुख्य आयुक्त रैंक का अधिकारी 1.50 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया ब्याज को माफ कर सकता है या कम कर सकता है।

अमेरिका में ट्रंप की जीत से भारत में सेंसेक्स-निफ्टी झूमे

1% से अधिक की बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत की खबरों के बीच भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 901.50 अंक उछलकर 80,378.13 पर जबकि निफ्टी 270.75 अंक बढ़कर 24,484.05 पर पहुंच गया।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की जीत तय होने के बीच आईटी और फार्मा शेयरों में भारी लिवाली दिखी। बीएसई सेंसेक्स में दूसरे दिन भी तेजी जारी रही और यह 901.50 अंक या 1.13 प्रतिशत उछलकर 80,378.13 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,093.1 अंक या 1.37 प्रतिशत बढ़कर 80,569.73 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 270.75 अंक या 1.12 प्रतिशत बढ़कर 24,484.05 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इंफोसिस में 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, अडानी पोर्ट्स, लार्सन एंड टूब्रो, मारुति और रिलायंस इंडस्ट्रीज भी बड़ी बढ़त वाले शेयरों में शामिल रहे। टाइटन, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक पिछड़ गए। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अमेरिकी चुनाव के नतीजों के बाद वैश्विक बाजारों में राहत भरी तेजी देखी गई। ट्रंप को मजबूत जनादेश मिलने से राजनीतिक अनिश्चितता कम हुई। इससे कर कटौती और सरकारी खर्च में वृद्धि की उम्मीदों के कारण जोखिम को लेकर मजबूत धारणा बनी है।

'एलएमवी लाइसेंस धारक 7500 केजी तक वजन वाले ट्रांसपोर्ट वाहन चलाने के हकदार'

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) का ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाले व्यक्तियों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने व्यवस्था दी है कि एलएमवी का ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाला व्यक्ति 7,500 किलोग्राम से कम वजन वाले परिवहन वाहन को चलाने के हकदार हैं।

कोर्ट ने कहा कि ऐसे कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, जिससे यह साबित हो सके कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के लिए एलएमवी लाइसेंस धारक जिम्मेदार हैं। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय ने प्रधान न्यायाधीश सहित चार न्यायाधीशों की ओर से फैसला लिखते हुए कहा कि यह मुद्दा हल्के मोटर वाहन लाइसेंस धारकों वाले चालकों की आजीविका से संबंधित है।

पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने सुनाया फैसला

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ इस पर फैसला सुनाया। यह कानूनी सवाल दुर्घटना मामलों में बीमा कंपनियों की तरफ से मुआवजे के दावों के विवादों का कारण बन रहा था, जिनमें एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस धारकों की तरफ से ट्रांसपोर्ट वाहन चलाए जा रहे थे।

बीमा कंपनियों का क्या है तर्क?

बीमा कंपनियों का कहना है कि मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) और अदालतें उनके आपत्तियों की अनदेखी करते हुए उन्हें बीमा दावे का भुगतान करने के आदेश दे रही हैं। बीमा कंपनियों का कहना है कि अदालतें बीमा विवादों में बीमाधारकों के पक्ष में फैसला ले रही हैं।

तीन जजों की पीठ ने सुरक्षित रखा था फैसला

जस्टिस हृषिकेश रॉय, पी एस नरसिम्हा, पंकज मिथल और मनोज मिश्रा वाली पीठ ने इस मुद्दे पर 21 अगस्त को अपना फैसला सुरक्षित रखा था, जब केंद्र के वकील, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा था कि मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम, 1988 में संशोधन पर विचार-विमर्श लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संशोधन को संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है, और इसलिए अदालत ने इस मामले को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। क्या लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) के ड्राइविंग लाइसेंस धारक को 7,500 किलोग्राम तक वजन वाले ट्रांसपोर्ट वाहन को चलाने का अधिकार है, यही कानूनी सवाल सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

यह सवाल 8 मार्च 2022 को तीन-सदस्यीय पीठ की तरफ से संविधान पीठ को भेजा गया था, जिसमें जस्टिस यूयू ललित (अब सेवानिवृत्त) शामिल थे। यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के 2017 के मुकुंद देवांगन बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड मामले से उठा था। मुकुंद देवांगन मामले में, अदालत ने कहा था कि 7,500 किलोग्राम तक वजन वाले ट्रांसपोर्ट वाहन को एलएमवी की परिभाषा से बाहर नहीं किया गया है।

इस फैसले को केंद्र सरकार ने स्वीकार किया और मोटर वाहन अधिनियम के नियमों को इस निर्णय के अनुरूप संशोधित किया गया। 18 जुलाई को संविधान पीठ ने इस कानूनी सवाल पर 76 याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की।

सरकारी सब्सिडी चिंता का विषय, आरबीआई गवर्नर बोले-जीडीपी पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को विभिन्न योजनाओं के तहत सरकार की ओर से दी जा रही सब्सिडी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों का पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है, लेकिन उच्च सब्सिडी व्यय चिंता का विषय है। दास मुंबई में आयोजित बीएफएसआई शिखर सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सब्सिडी व्यय बहुत अधिक है और पहली तिमाही में सरकारी व्यय जीडीपी को नीचे खींच रहा है। गवर्नर ने कहा, सरकारी व्यय में वृद्धि शुरू हो गई है। केंद्र और राज्यों के राजस्व और पूंजीगत व्यय दोनों में वृद्धि शुरू हो गई है। सब्सिडी व्यय एक मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में सरकार की सब्सिडी के लिए भुगतान बढ़ा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-20
सूर्यास्त. - 17-38
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 00-34 तक उपरान्त सप्तमी
मास - कार्तिक शुक्ल , गुरुवार 07 November
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 11-46 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - धृति 09-50 तक उप शूल
करण- कौलव 12-42 तक उप तैतिल
विशेष:- व्रत -त्योहार - सूर्य षष्ठी डाला छठ

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	तुला	मे
चंद्र-	धनु	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	धनु	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	वृश्चिक	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
तुला--	04-51	बजे
वृश्चिक-	07-01	बजे
धनु----	09-15	बजे
मकर...	11-21	बजे
कुंभ-	13-12	बजे
मीन-	14-50	बजे
मेष---	16-25	बजे
वृष---	18-11	बजे
मिथुन	20-11	बजे
कर्क--	22-23	बजे
सिंह---	00-35	बजे
कन्या--	02-42	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:25 से 14:50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:20 - 07:44	शुभ	अमृत.	17:38 - 19:16	शुभ
रोग	07:44 - 09:09	अशुभ	चंचल.	19:16 - 20:50	शुभ
उत्पात	09:09 - 10:34	अशुभ	रोग	20:50 - 22:25	अशुभ
चंचल.	10:34 - 11:59	शुभ	काल.	22:25 - 23:59	अशुभ
लाभ	11:59 - 13:25	शुभ	लाभ.	23:59 - 01:35	शुभ
अमृत	13:25 - 14:50	शुभ	उत्पात	01:35 - 03:09	अशुभ
काल	14:50 - 16:16	अशुभ	शुभ	03:09 - 04:44	शुभ
शुभ	16:16 - 17:38	शुभ	अमृत	04:44 - 06:20	शुभ

अमेरिका में ट्रंप की वापसी की आहट से क्रिप्टो बाजार भी गुलजार, बिटकॉइन ऑल टाइम हाई पर पहुंचा

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बुधवार को बिटकॉइन ने एक नया सर्वकालिक उच्च स्तर हासिल किया। अमेरिका में राषट्रपति चुनाव के नतीजों में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के आगे निकलने से बिटकॉइन अपने पिछले उच्च स्तर 73,750 डॉलर से आगे निकलकर 75,000 डॉलर के पार पहुंच गया।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप ने बहुमत के लिए जरूरी 270 इलेक्टरल सीट्स में से 267 सीट हासिल कर ली है। ट्रम्प ने आठ राज्यों में जीत हासिल की, जबकि हैरिस तीन राज्यों और वाशिंगटन, डीसी में सफल रही हैं। चुनाव अब भी कड़ा है, अंतिम परिणाम सात स्विंग राज्यों पर निर्भर होने की संभावना है। बुधवार को बिटकॉइन 8.4% बढ़कर $75,060 पर कारोबार करता दिखा। ईथर में भी बढ़त देखी गई, जो 7.2% बढ़कर $2,576 पर पहुंच गया। हैरिस की तुलना में क्रिप्टोकरेंसी के प्रति ट्रम्प के रुख से बाजार में तेजी का माहौल बना है। एग्जिट पोल में ट्रम्प की शुरुआती बढ़त के बाद, डॉलर इंडेक्स - जो यूरो और येन सहित छह प्रमुख साथियों के मुकाबले अमेरिकी डॉलर को मापता है- 1.25% बढ़कर 104.72 पर पहुंच गया। विश्लेषक आमतौर पर यह मानते हैं कि प्रतिबंधित आव्रजन, कर कटौती और व्यापक टैरिफ की ट्रम्प की योजनाएं, यदि लागू हो जाती हैं, तो हैरिस की नीतियों की तुलना में मुद्रास्फीति और बॉन्ड मार्केट पर अधिक दबाव डालेंगी।

यूएस ट्रेजरी यील्ड में भी बढ़ोतरी हुई, 10 साल के ट्रेजरी नोट की यील्ड 4.279% से बढ़कर 4.351% हो गई, जो हाल के चार महीने के उच्चतम स्तर 4.388% के करीब है। दो साल की यील्ड 4.189% से बढ़कर 4.241% हो गई।

इस बीच, अन्य प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसमें बीएनबी (+5%), सोलाना (+13.5%), एक्सआरपी (+5%), डॉगकॉइन (+21.6%), कार्डानो (+6.6%), शिबा इनु (+10%), एवलांच (+12.3%), और चेनलिंक (+11.4%) शामिल हैं। कॉइनमार्केट के उपलब्ध डेटा के अनुसार, सभी स्टेबलकॉइन की मात्रा अब $100.92 बिलियन है, जो कुल 24 घंटे के क्रिप्टो मार्केट वॉल्यूम का 92.46% है। पिछले 24 घंटों में, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी के रूप में बिटकॉइन का मार्केट कैप बढ़कर 1.445 ट्रिलियन डॉलर हो गया। बिटकॉइन का प्रभुत्व वर्तमान में 59.86% है। पिछले 24 घंटों में इसका वॉल्यूम 40.89% बढ़कर 59.26 बिलियन डॉलर हो गया।

चांदी के भाव घटे सोना भी हुआ सस्ता

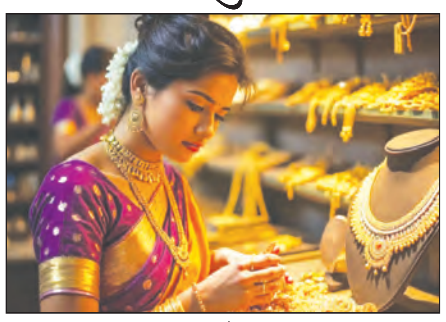

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 6 नवंबर 2024 की सुबह सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है. हालांकि, सोना 78 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है तो वहीं, चांदी का भाव 91 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78106 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 91993 रुपये प्रति किलो है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 78566 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज (बुधवार) सुबह सस्ता होकर 78106 रुपये तक आ गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी दोनों सस्ते हुए हैं।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपका मन अटकलों और अनावश्यक चीज़ो की और भागेगा , परन्तु फिर भी आपकी केंद्रित रहने की क्षमता काफी मजबूत रहेगी । आप कम से कम समय में अधिक से अधिक काम खत्म करने के क्रम में घर पर या अपने कार्यालय डेस्क पर रहे , हालांकि घर पर काम करने में अधिक समय, ऊर्जा और पैसे का हास होगा । आप कुछ सामान या खाद्य सामग्री मंगवा सकते है या कुछ ऑनलाइन खरीदारी भी कर सकते हैं।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपको महसूस होगा की अपनी नौकरी में आपको वह संतुष्टि नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नौकरी छोड़ने के लिए अंतिम कदम भी उठा सकते हैं , हालांकि यह एक बुरी बात नहीं है क्यों की बहुत जल्द ढेर सारे सुनहरे अवसर आपके पास आ सकते है और आप जो चाहते थे , वो हो सकता है , हालाँकि प्रारंभिक वेतन कम हो सकता है, लेकिन यहाँ आपको प्रसन्नता मिलेगी ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है । आप हमेशा अपने धन को लेकर उत्तरदायी और जिम्मेदार रहे है पर ये समय अपने आप को थोड़ी खुशिया देने का समय है। आप अपने लिए कुछ उपहार ले सकते है जो की काफी हद तक आपको तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा । आप दुसरो का काफी ध्यान रखते है पर आज अपने लिए कुछ समय निकालकर अपने ऊपर कुछ खर्च करे।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है क्यों की कोई सहकर्मी आपके करियर के विपरीत कार्य कर सकता है जो की आपके करियर के लिए हानिकारक है।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा । कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी । आय में भी वृद्धि की संभावना है।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
चुनौतीपूर्ण समय खत्म हो गया हैं। आपने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार कर लिया है , जो की भाग्य ने आप पर फेके थे , इसलिए ये बहुत आवश्यक है की आप अपने को शांत बनाए रखे । इसके अलावा, आप आराम करने की मुद्रा में आ सकते है , क्योंकि कार्य का दबाव आपके कार्यस्थल पर काफ़ी कम हो गया है ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी । यह एक जोखिम भरा कदम हो सकता है , लेकिन आगे बढ़ने में ये कदम काफी कारगर साबित होगा ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे। आप एक बड़ी परियोजना के लिए उन्हें प्रेरित भी करते रहे ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे । जो उचित है , इस विचार को रखने में आप जरा भी न घबरायें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत ब्रांड गेहूं के आटे और चावल की खुदरा बिक्री का दूसरा चरण शुरू, इस बार महंगा मिलेगा राशन

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं को ऊंची कीमतों से राहत देने के लिए भारत ब्रांड के तहत रियायती दर पर गेहूं के आटे और चावल की खुदरा बिक्री का दूसरा चरण मंगलवार को शुरू कर दिया है। हालांकि, पहले चरण की तुलना में दूसरे में खरीदारों को अधिक कीमत पर राशन मिलेगा।

इतने दामों पर बेचा जाएगा गेहूं-आटा

सहकारी समितियों भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड), केंद्रीय भंडार और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिये राशन बेचा जाएगा। दूसरे चरण में गेहूं का आटा 30 रुपये प्रति किलोग्राम और चावल 34 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से पांच और 10 किलोग्राम के पैकेट में बेचा जाएगा।

पहले चरण में ऐसे थे गेहूं-आटे के दाम

पहले चरण मे दरें क्रमशः 27.5 रुपये और 29 रुपये प्रति किलोग्राम थीं। दूसरे चरण में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से 3.69 लाख टन गेहूं और 2.91 लाख टन चावल आवंटित किया गया है। खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इन सहकारी समितियों की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा, यह तब तक जारी रहेगा जब तक आवंटित भंडार समाप्त नहीं हो जाता। यदि और जरूरत होगी तो हमारे पास पर्याप्त भंडार है। पहले चरण में अक्तूबर, 2023 से 30 जून, 2024 तक 15.20 लाख टन गेहूं के आटे और 14.58 लाख टन चावल का वितरण किया गया था।

अक्तूबर 2023 में शुरू किया गया था पहला चरण

इस योजना का पहला चरण अक्तूबर 2023 में शुरू किया गया था। उस दौरान सरकार की ओर से किफायती दरों पर चावल और गेहूं के आटे के साथ-साथ चना दाल, मूंग दाल और साबुत मूंग की खुदरा बिक्री की गई थी। प्रथम चरण के तहत भारत ब्रांड के गेहूं के आटे का भाव 30 रुपये प्रति किलोग्राम (27.50 रुपये से ऊपर), चावल का 34 रुपये प्रति किलोग्राम (29 रुपये से ऊपर), चना दाल का 70 रुपये प्रति किलोग्राम (60 रुपये से ऊपर) हैं, जबकि मूंग दाल और साबुत मूंग का भाव क्रमशः 107 रुपये प्रति किलोग्राम और 93 रुपये प्रति किलोग्राम तय किया गया था।

एनवीडिया एपल को पछाड़कर फिर से दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी, 2024 में बढ़े शेयरों के भाव

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। एनवीडिया बाजार पूंजीकरण के मामले में एपल को पछाड़कर दूसरी बार दुनिया की सबसे मूल्यवान सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनी बन गई।

कारोबरी सत्र के दौरान एनवीडिया का शेयर करीब 3% बढ़कर 3.43 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ बंद हुआ, जो कि एपल के 3.4 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप से अधिक है।

2024 में एनवीडिया के शेयर लगभग तीन गुना बढ़े हैं, क्योंकि निवेशकों ने कंपनी की ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट या जीपीयू से तेजी से विकास दर बनाए रखने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मार्केट में कंपनी के नेतृत्व की स्थिति में निरंतर विश्वास दिखाया है। दूसरी ओर, इस वर्ष एपल के शेयरों में लगभग 17% की वृद्धि हुई है। कई विश्लेषकों का कहना है कि आईफोन के लिए एपल इंटेलिजेंस सुविधाओं के हाल ही में जारी होने से बिक्री में वृद्धि हो सकती है और कंपनी को 'एज एआई' में नेतृत्व की स्थिति में ला सकता है, जिससे जीपीयू आधारित सर्वरों पर निर्भरता कम हो सकती है। एनवीडिया जीपीयू का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, जिसका उपयोग ओपनएआई के चैटजीपीटी जैसे उन्नत एआई सॉफ़्टवेयर को विकसित करने के लिए किया जाता है। पिछले पांच वर्षों में इसका स्टॉक अब तक 2,700% से अधिक उछला है, और पिछली पांच तिमाहियों में से प्रत्येक में कंपनी का राजस्व दोगुने से अधिक हुआ है। तीन तिमाही में राजस्व में तीन गुना इजाफा हुआ।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के विलय का चौथा चरण शुरू-यूपी समेत देशभर में खत्म हो जाएंगे 15 आरआरबी

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के विलय का चौथा चरण शुरू कर दिया है। इसके तहत, यूपी समेत विभिन्न राज्यों में 15 आरआरबी का वजूद खत्म हो जाएगा। विलय के बाद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की संख्या 43 से घटकर 28 रह जाएगी। वित्तीय सेवा विभाग ने सरकारी बैंकों के प्रमुखों को भेजे पत्र में कहा, कृषि-जलवायु या भौगोलिक प्रकृति और आरआरबी की समुदायों के साथ निकटता बनाए रखने के लिए एक राज्य-एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के लक्ष्य को हासिल करने के वास्ते इन बैंकों को और अधिक समेकित करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इससे आरआरबी की दक्षता बढ़ने के साथ लागत भी कम होगी।

आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा चार आरआरबी

आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा चार आरआरबी हैं। उत्तर प्रदेश व पश्चिम बंगाल में तीन-तीन, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान दो-दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक हैं। एक राज्य-एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक' के लक्ष्य के तहत इनका विलय होगा। बता दें कि तेलंगाना में विलय आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक की परिसंपत्तियों व देनदारियों को तेलंगाना ग्रामीण बैंक के साथ विभाजन के अधीन होगा।

ट्रम्प के हाथों में आएगा न्यूक्लियर फुटबॉल

बाइडेन कैसे ट्रांसफर करेंगे सत्ता, नतीजों से पद संभालने तक क्या-क्या होगा

वाशिंगटन, 6 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत लगभग तय हो गयी है। नतीजों से पद संभालने तक क्या-क्या होगा।

राष्ट्रपति चुनाव के बाद अब अमेरिका में क्या होगा?

वोटिंग खत्म होते ही नतीजे आने शुरू हो गए हैं। अब तक 43 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। इनमें 27 में रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प और 15 में डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस को जीत मिली है। अब सभी राज्यों के इलेक्टर्स तय होंगे। यह मिलकर इलेक्टोरल कॉलेज बनाएंगे जो राष्ट्रपति का चुनाव करेंगे।

सभी अमेरिकी राज्यों के इलेक्टर्स, इलेक्टोरल कॉलेज के लिए वोट भेजने से पहले 11 दिसंबर को मिलेंगे। वोट भेजने के कम-से-कम 6 दिन पहले राज्यों के इलेक्टर्स को यह मीटिंग करनी होगी। इस दिन मिलकर वे इलेक्टर्स के चुनाव से संबंधित कोई भी परेशानी को सुलझाएंगे। इसके बाद चुने गए इलेक्टर्स राष्ट्रपति का चुनाव करेंगे। नियमों के अनुसार यह प्रक्रिया दिसंबर के पहले बुधवार के बाद आने वाले मंगलवार (इस बार 10 दिसंबर) को ही की जाती है। इस दिन अपने-अपने राज्यों में सभी इलेक्टर्स मिलेंगे और राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति का चुनाव करेंगे। ये इलेक्टर्स अपने वोट के साथ साइन किया हुआ सर्टिफिकेट वॉशिंगटन डीसी भेजेंगे।

6 जनवरी को अमेरिकी कांग्रेस इलेक्टोरल कॉलेज के वोटों की गिनती करेगी। जो कैंडिडेट 538 में से 270 वोटों के आंकड़े को पार कर जाएगा, उसके नाम का नए राष्ट्रपति के रूप में ऐलान हो जाता है।

20 जनवरी को नए राष्ट्रपति शपथ लेंगे। राष्ट्रपति जो बाइडेन चुने हुए नए राष्ट्रपति को सत्ता सौंपेंगे।

अगर कांग्रेस के वोट गिनने पर किसी कैंडिडेट को बहुमत नहीं मिलता तो क्या होता?

मौजूदा रुझानों में तो ट्रम्प को बहुमत मिलता दिख रहा है। हालांकि, अगर अगर 6 जनवरी को अमेरिकी कांग्रेस की गिनती में किसी भी कैंडिडेट को 270 इलेक्टोरल वोट नहीं मिलते, तो प्रेसिडेंट के चुनाव की प्रक्रिया में संविधान के अमेंडमेंट 12 के अंतर्गत राष्ट्रपति का चुनाव होता है।

इस स्थिति में हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव राष्ट्रपति का चुनाव करते हैं। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव भारत की लोकसभा की तरह संवैधानिक निकाय है। इसमें सभी अमेरिकी राज्यों से 435 प्रतिनिधि होते हैं। लेकिन, इस वोटिंग में प्रत्येक राज्य को एक वोट मिलता है। 50 राज्यों के वोट में से जो

कैंडिडेट 26 वोट जुटा लेता है, प्रेसिडेंट बन जाता है। इसी तरह 100 सीनेट सदस्य उपराष्ट्रपति का चुनाव करते हैं।

अगर राष्ट्रपति के चुनाव टाई हो जाए तो सीनेट द्वारा चुना गया उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति चुने जाने तक राष्ट्रपति का पदभार संभालता है।

अमेरिका के इतिहास में दो बार ऐसा हो चुका है, जब किसी कैंडिडेट को बहुमत नहीं मिला। सबसे पहले साल 1800 में ऐसी स्थिति आने पर हाउस ने थोमस जेफर्सन को राष्ट्रपति चुना था। इसके बाद साल 1824 में हाउस ने जॉन क्विंसी एडम्स को राष्ट्रपति चुना था।

अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में क्या होगा?

नए राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह 20 जनवरी को वॉशिंगटन डीसी की कैपिटल बिल्डिंग में होगा। इस दिन सबसे पहले नए राष्ट्रपति अपने आवास से निकलकर चर्च जाएंगे। यह परंपरा 1933 में प्रेसिडेंट फ्रांकलिन डी रूजवेल्ट ने शुरू की थी।

इसके अलावा परंपरा यह भी रही है कि कैपिटल बिल्डिंग में आने से पहले नए राष्ट्रपति, व्हाइट हाउस मौजूदा राष्ट्रपति से मिलने जाते हैं। यहां दोनों के बीच औपचारिक संवाद होता है। हालांकि, जब जो बाइडेन राष्ट्रपति बने थे तो उनके शपथ ग्रहण के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प वैकेशन पर चले गए थे। ऐसे में देखना होगा कि अगर इस बार ट्रम्प राष्ट्रपति बनते हैं तो क्या जो बाइडेन उनके शपथ ग्रहण में शामिल होते हैं या नहीं।

व्हाइट हाउस में पूर्व राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद, नए राष्ट्रपति कैपिटल बिल्डिंग जाएंगे। यहां कांग्रेस सदस्यों सहित कई गेस्ट राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण की प्रतीक्षा करेंगे।

कैपिटल बिल्डिंग में सबसे पहले उपराष्ट्रपति शपथ लेंगे। थोड़ी देर बाद राष्ट्रपति शपथ लेंगे। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस राष्ट्रपति को शपथ दिलाएंगे। राष्ट्रपति वही एक लाइन की शपथ लेते हैं जो पहले प्रेसिडेंट जॉर्ज वॉशिंगटन ने ली थी- मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूं कि मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के पद का ईमानदारी से पालन करूंगा, और अपनी सर्वोत्तम क्षमता से संयुक्त राज्य के संविधान का संरक्षण, सुरक्षा और बचाव करूंगा।

शपथ के बाद राष्ट्रपति अमेरिका की जनता को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम हो जाने के बाद नए राष्ट्रपति की प्रेसिडेंट रूम में साइनिंग सेरेमनी होगी। इस दौरान राष्ट्रपति नोमिनेशन और पद ग्रहण करने के बाद अपने पहले आदेशों को साइन करते हैं।

यह परंपरा 1981 में प्रेसिडेंट रोनॉल्ड रीगन ने शुरू की थी। इसके बाद राष्ट्रपति इनॉगरल डे परेड में शामिल होंगे। कार्यक्रम के समापन के बाद नए राष्ट्रपति अपने परिवार के साथ व्हाइट हाउस में शिफ्ट हो जाएंगे। शपथ ग्रहण समारोह के बाद पूर्व राष्ट्रपति नए राष्ट्रपति को एक ब्रीफकेस देते हैं। इसमें क्या होता है?

अमेरिका के नए राष्ट्रपति को शपथ ग्रहण के बाद पूर्व राष्ट्रपति एक ब्रीफकेस सौंपते है। इसे न्यूक्लियर फुटबॉल कहते हैं। यह काले रंग का ब्रीफकेस अमेरिका के राष्ट्रपति को न्यूक्लियर बम कंट्रोल करने की शक्ति देता है। इस ब्रीफकेस में न्यूक्लियर वॉर का प्लान होता है। साथ ही यह ब्रीफकेस अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी भी स्थिति में न्यूक्लियर बम लॉन्च करने का अधिकार देता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जहां भी जाते हैं, उनके साथ एक मीलीट्री ऑफिसर इस ब्रीफकेस को साथ लेकर चलता है। किसी भी आपातकाल की स्थिति में राष्ट्रपति एटम बम लॉन्च करने का फैसला ले सकते हैं। इस ब्रीफकेस के पूरे सिस्टम के बारे में अन्य जानकारियां गोपनीय रखी गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति कैसे शपथ लेते हैं?

अमेरिका के राष्ट्रपति आमतौर पर बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते हैं।

2021 में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने परिवार की 19वीं सदी की बाइबिल पर हाथ रखकर राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। इस दौरान उनकी पत्नी जिल बाइडेन ने बाइबिल अपने हाथ में पकड़ी थीं। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने दो बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ ली थी, जिसे उनके पति ने हाथ में पकड़ा था। इसमें से एक बाइबिल सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस थर्गुड मार्शल की थी और दूसरी कैलिफोर्निया में उनकी पड़ोसी की जिन्हें वे अपनी दूसरी मां मानती थी। पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन ने भी 1789 में बाइबिल पर हाथ रखकर ही शपथ ली थी। हालांकि नियमों के अनुसार नए राष्ट्रपति को सिर्फ शपथ लेनी होती है। इसमें किसी बाइबिल या कोई और धार्मिक पुस्तक से शपथ लेने जैसा कोई नियम नहीं है। प्रेसिडेंट जॉन क्विन्सी ने कानून की किताब की शपथ ली थी। जबकि थियोडोर रूजवेल्ट ने बिना किसी किताब पर हाथ रखे राष्ट्रपति पद की शपथ ले ली थी।

अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव जीतने के बाद पुराने राष्ट्रपति कैसे नए राष्ट्रपति को कुर्सी देते हैं?

अमेरिका में राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण के बाद पुराने राष्ट्रपति और नए राष्ट्रपति आपस में अपनी कुर्सियां बदलते हैं। यानी पूर्व राष्ट्रपति अपनी राष्ट्रपति की कुर्सी नए राष्ट्रपति को सौंपते हैं। यह शांति से सत्ता हस्तांतरण का संकेत होता देता है। हालांकि, जो बाइडेन के शपथ ग्रहण में पूर्व राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप शामिल नहीं हुए थे। इसके चलते इस प्रकार कुर्सियां नहीं बदल पाई थीं।

जेजेएमपी से पूछ कर मगध कोलियरी में करें काम

उग्रवादियों ने पेट्रोल छिड़क ट्रक और ट्रेलर जलाया, पर्चा छोड़ घटना की जिम्मेदारी भी ली

लातेहार, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बालूमाथ थाना अंतर्गत सीसीएल द्वारा संचालित मगध कोलियरी के गोलिटाड गांव के पास जेजेएमपी के हथियार बंद उग्रवादियों ने उत्पात मचाया। यहां नक्सलियों ने दो कोयला लदे वाहनों में आग लगा दी। जिससे दोनों वाहन जलकर खाक हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मगध कोलियरी से एक ट्रक और एक ट्रेलर कोयला लोड कर बालूमाथ साइडिंग आ रहा था। इसी बीच 5-6 वर्दी धारी हथियार बंद उग्रवादी गोलीताड़ चौक के समीप पहुंचकर दोनों वाहनों को हथियार के बल पर जबरन रोका। इसके बाद अपने साथ लाएं पेट्रोल छिड़क कर दोनों वाहनों को आग के हवाले कर दिया। घटना की सूचना पाकर बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार व अमरवाड़ी पिकेट प्रभारी अनुभव सिन्हा घटना स्थल पर पहुंच आग को बुझाने का प्रयास किया। तब तक दोनों वाहन जलकर खाक हो चुका था। जाते समय उग्रवादियों ने एक हस्तलिखित पर्चा छोड़कर घटना की जिम्मेवारी लेते हुए कहा है कि मगध कोलयरी के कोल ट्रांसपोर्टर, डिओ होल्डर, कंस्ट्रक्शन कंपनी, एनटीपीसी, जमीन दलाल बगैर इजाजत के कोई भी काम नहीं करें अन्यथा जेजेएमपी संगठन द्वारा फौजी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस पार्षद ने दोस्त का किया मर्डर

जांजगीर में दोनों ने शराब पी, फिर रॉड से फोड़ा सिर, थाने पहुंचकर बोला- फ्रेंड को मार दिया

जांजगीर-चांपा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में कांग्रेस पार्षद आनंद कश्यप ने अपने ही दोस्त की लोहे के रॉड से सिर फोड़कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों दोस्तों ने पहले जमकर शराब पी। इसके बाद नशे की हालत में कांग्रेस पार्षद ने हमला किया। थाने में जाकर बोला- दोस्त को मार दिया हूं। मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाले युवक का नाम मोहनीश केशरवानी है। रॉड से हमले में सिर फूट गया। चेहरे पर भी गहरी चोट है। वारदात के बाद शरीर खून से सना हुआ था। गंभीर हालत में उसे सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर्स की टीम ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया पार्षद आनंद कश्यप और मोहनीश केशरवानी के बीच अक्सर किसी न किसी बात को लेकर विवाद होते रहता था। मंगलवार सुबह भी पहले दोनों ने साथ बैठकर शराब पी, फिर लड़ाई शुरू कर दी। विवाद बढ़ा तो मोहनीश नवागढ़ थाने में आनंद के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने पहुंचा।

इस दौरान पार्षद आनंद भी थाने पहुंच गया। पुलिस ने दोनों की सुलह कराई। सुलह के बाद दोनों फिर शराब पीने चले गए। दोनों ने साथ में बैठकर शराब पी, लेकिन एफआईआर कराने को लेकर पार्षद आनंद के मन में गुस्सा था। इसी का बदला लेने के लिए आनंद कहीं से रॉड लाया और दोस्त के सिर पर वार किया। हत्या के बाद आरोपी रॉड लेकर खुद थाने पहुंचा और पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी पार्षद के हाथ से खून ले सने हुए रॉड को छुड़ाया और हिरासत में लिया। पुलिस आरोपी को फौरन वारदात वाली जगह लेकर पहुंची। जहां खून के कतरे भी मिले हैं। पुलिस ने मोहनीश केशरवानी की लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया है।

वहीं मामले में सीएम साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने कहा कि अब जांजगीर-चांपा में कांग्रेस पार्षद ने की युवक की हत्या की। इससे पहले गुरु प्रकाशमुनि के आश्रम पर कांग्रेसियों ने हमला किया।

आरा मिल में आग लगने से लाखों रुपये की लकड़ी जलकर राख

दमकल कर्मियों ने बामुश्किल पाया काबू

जांजगीर चांपा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले के बलौदा में आरा मिल में भीषण आग लगने से लाखों रुपये की लकड़ी जलकर राख हो गई। आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है, अंदेशा जताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना बलौदा थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह करीबन 10 बजे अचानक आनन्द आरा मिल परिसर से धुआं उठने लगा, देखते ही देखते आग की लपटे बढ़ गईं। जहां आग लगी थी उसके बगल में हॉस्पिटल भी है जहां मरीज भर्ती थे।

वोटिंग से पहले नक्सली हेमंत पर नरम, मोदी पर भड़के

कोल्हान-सारंडा के जंगलों में भाकपा माओवादी ने पोस्टर चिपकाया- अबुआ राज कायम हो

पश्चिमी सिंहभूम, 6 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में वोटिंग से पहले नक्सली संगठन एक्टिव हो गए हैं। उन्होंने पर्चा, बैनर व पोस्टर लगाकर लोगों से वोटिंग से दूर रहने की अपील की है। भाकपा माओवादी की बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी ने सारंडा, कोल्हान व पोड़ाहाट वन प्रमंडल के जंगलों में पोस्टर चिपकाया है। हालांकि, इन पोस्टरों का असर राजनीतिक पार्टियों के चुनाव प्रचार और आम जनता पर नहीं दिख रहा है। नक्सलियों ने पोस्टर में भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा अंबानी-अडानी, टाटा-बिरला, जिंदल-मित्तल आदि बड़ी कंपनियों व पूंजीपतियों पर निशाना साधा है। वहीं, भाकपा माओवादियों ने हेमंत सोरेन सरकार के प्रति थोड़ी

नरमी दिखाई है। पोस्टर में लिखा है कि ब्राह्मणीय हिंदुत्व फांसीवादी खतरे से झारखंड को बचाएं और धोखाधड़ी पूर्ण झारखंड विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करें। वोट का रास्ता गुलामी व लूट-शोषण का रास्ता छोड़ दें। सशस्त्र कृषि-क्रांति न दीर्घकालीन जन युद्ध का रास्ता, मुक्ति का रास्ता, अबुआ : दिशोम रे अबुआः राज कायम करने के रास्ते पर आगे बढ़ें। पोस्टर में भाजपा और उनके नेताओं के खिलाफ लिखा हुआ है। नक्सलियों ने जंगलों में भारी पैमाने पर लाल व सफेद कपडे. पर नारा लिखकर रखा है। इसे पूरे क्षेत्र में लगाने की तैयारी है। विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करें, गांव-गांव, इलाके-इलाके में क्रांतिकारी जन कमेटी व जनता की जन सरकार का निर्माण करने के लिए जन युद्ध व जन आंदोलन को तेज करे। जनता पर युद्ध अभियान 'ऑपरेशन कगार' को तत्काल बंद करो, गांव-गांव से पुलिस कैंप अविलंब वापस करो। चुनाव के जरिए सरकार बदल कर जनता की एक भी बुनियादी समस्या का हल नहीं होता है, बुनियादी समस्या हल करना है तो व्यवस्था को बदलें। पहले लुटेरे टाटा-बिरला-जिंदल-मित्तल-अंबानी-अडानी और उसके चमचे भाजपा नेताओं को मार भगाओ, उसके बाद बांग्लादेशी घुसपैठिए पर विचार करो। बांग्लादेशी घुसपैठिए एनआरसी का मात्र बहाना है, आदिवासी-मूलवासी उसका असली निशाना है।

दो थाने के टीआई हटाए गए

शराब की अवैध-बिक्री पर लगाम नहीं, मस्तूरी में एक केस में दो एफआईआर, थानेदार को पता नहीं

बिलासपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में एसपी की सख्ती के बावजूद थानेदारों की मनमानी और लापरवाही कम नहीं हो रही है। इससे नाराज एसपी रजनेश सिंह ने कोटा और मस्तूरी टीआई को लाइन अटैच कर दिया है। दरअसल, कोटा इलाके में अवैध गतिविधियों और शराब की अवैध बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। वहीं, मस्तूरी में थानेदार की जानकारी के बिना एक ही मामले में दो एफआईआर दर्ज कर ली गई। जारी आदेश के मुताबिक, कोटा थाने का प्रभार अब प्रशिक्षु डीएसपी रोशन आहुजा को दिया गया है। मस्तूरी थाने में निरीक्षक सईद अख्तर को पदस्थ किया गया है। वहीं, कोटा टीआई उमेश साहू और मस्तूरी टीआई अवनीश पासवान को लाइन अटैच कर दिया गया है। दरअसल, टीआई उमेश साहू हमेशा विवादों में रहे हैं। जांजगीर-चांपा जिले में आरक्षक से उनका विवाद हो गया था। जिस कारण उन्हें लाइन अटैच किया गया था। जिसके बाद बिलासपुर में पदस्थापना हुई, तब भी उन पर अवैध वसूली और मनमानी करने के आरोप लगते रहे हैं। पिछले दिनों क्राइम मीटिंग में एसपी रजनेश सिंह ने उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी भी दी थी। इसके बाद भी उनके काम में कोई सुधार नहीं हुआ। एक दिन पहले ही टिंगीपुर जंगल से आबकारी विभाग के अमले ने 675 लीटर शराब और करीब 1800 किलो लहान जब्त किया।

बॉलीवुड सिंगर नीति बोलीं-स्टेज पर बहुत मच्छर

मैंने 2-3 खा लिए, बहुत मजा आ रहा, छत्तीसगढ़-राज्योत्सव में गानों पर झूमे लोग

रायपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को नवा रायपुर में बॉलीवुड सिंगर नीति मोहन ने लाइव परफॉर्मेंस दी। उन्होंने अपने गानों से लोगों का दिल जीत लिया। नीति के गानों पर लोग झूमते नजर आए। परफॉर्मेंस के दौरान सिंगर नीति को स्टेज पर मच्छरों और कीड़ों ने खूब परेशान किया। लेकिन नीति बैक टू बैक अपनी परफॉर्मेंस देती रहीं। उन्होंने कहा कि, स्टेज पर बहुत ही खास मेहमान उड़ रहे हैं। यह खास मेहमान मच्छर हैं। मुझे नहीं पता कि आप इन्हें देख पा रहे हैं या नहीं, लेकिन अब तक मैं दो-तीन मच्छर खा चुकी हूं। बहुत मजा आ रहा है। नीति मोहन ने परफॉर्मेंस की शुरुआत जिया रे गाने से की,

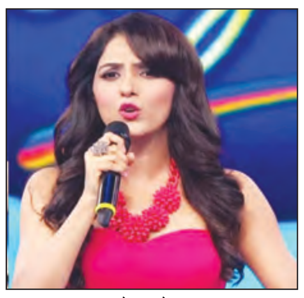

इसके बाद बैंग-बैंग, घुंघरू टूट गए, नैनो वाले ने, लंडन ठुमकदा और बारी बरसी जैसे गाने सुनाए। आखिरी में उन्होंने पंजाबी सॉन्ग के अलावा दूसरे सिंगर के भी गाने भी गाए। जिस पर लोगों ने जमकर डांस भी किया। राज्योत्सव में परफॉर्म करने से पहले नीति मोहन ने मीडिया से बातचीत की और सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि, इंडस्ट्री में चाहे कोई भी हो, लेकिन मैंने ऐसा महसूस किया है कि लड़कियों को अपनी जगह बनाने बहुत मेहनत करनी पड़ती है। हमारे परिवार में 4 लड़कियां हैं। शक्ति डांस में और मुक्ति एक्टिंग में जाना चाहती थी। मैंने सिंगिंग को चुना। हम तीनों को पता नहीं था कि, कैसे इंडस्ट्री में कदम रखें। हालांकि आज लड़कियां बहुत मेहनत कर रही हैं। बहुत निडर भी हैं। यही कारण है कि वे हर क्षेत्र में अच्छा कर रही हैं। नीति ने बताया कि, एआर रहमान साहब को मैं गुरु मानती हूं। उनके साथ बहुत काम किया है और बहुत कुछ सीखा भी है। जब भी उनके आस-पास रहती हूं, म्यूजिक ही नहीं लाइफ के बारे में सीखती हूं। उनके साथ काम करने पर डर लगता है और खुशी भी मिलती है।

पत्नी ने पति की चिता को दी मुखाग्नि

रिश्तेदारों ने अंतिम-संस्कार के बदले 1 लाख या 5 डिसमिल जमीन की डिमांड की थी

कोरिया, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में पत्नी ने ही अपने पति की अर्थी को कंधा देकर मुखाग्नि दी। वो तेरहवीं तक अंतिम संस्कार की सभी रस्में भी पूरी करेगी। पति की मौत के बाद बाकी परिजनों ने अंतिम संस्कार के लिए एक लाख रुपए या पांच डिसमिल जमीन मांगी थी। उनकी शर्तें पूरी नहीं होने पर अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। दरअसल, पटना तहसील के ग्राम करजी निवासी कतवारी लाल राजवाड़े (47) को दो साल से मुंह का कैंसर था। करीब 6 महीने पहले हालत ज्यादा खराब हो गई। पैतृक संपत्ति का कुछ हिस्सा बेचकर उसकी पत्नी श्यामपति ने इलाज कराया। इसी बीच कतवारी की सोमवार रात मौत हो गई। कतवारी लाल

राजवाड़े और श्यामपति की 25 साल पहले शादी हुई थी। लेकिन उनका कोई बच्चा नहीं हुआ। इसलिए कतवारी के निधन के बाद यह समस्या आ गई कि, मुखाग्नि कौन देगा। हिंदू रीति-रिवाज के साथ क्रिया कर्म कौन करेगा। राजवाड़े समाज के लोगों ने कतवारी के बड़े पिता के बेटे संतलाल राजवाड़े को मुखाग्नि देने और क्रिया कर्म करने के लिए कहा। लेकिन संतलाल ने अंतिम संस्कार के बदले एक लाख रुपए या 5 डिसमिल जमीन देने की मांग की। श्यामपति 15 हजार रुपए देने को तैयार थी, लेकिन वे नहीं माने।

अंबेडकर अस्पताल में फायर फाइटिंग सिस्टम फेल

आग बुझाने लगाए गए 20 से ज्यादा सिलेंडर में कई एक्सपायरी, स्प्रिंकलर भी नहीं किया काम

रायपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बड़े सरकारी अस्पतालों में शामिल रायपुर के अंबेडकर अस्पताल में मंगलवार को आग लगने की घटना में बड़ी लापरवाही सामने आई है। आग लगने के दौरान जब फ्लोर पर लगे फायर फाइटिंग सिलेंडर से आग बुझाने की कोशिश की गई तो आग और भड़क गई। जब आग लगने की वजह जानने ग्राउंड जीरो पहुंची तो वहां फर्स्ट फ्लोर से लेकर थर्ड फ्लोर तक 20 से ज्यादा फायर फाइटिंग सिलेंडर लगे थे, लेकिन इनमें से अधिकांश एक्सपायरी मिले। लाखों रुपए खर्च कर लगाए गए स्प्रिंकलर भी काम नहीं किया। फायर फाइटिंग सिस्टम काम क्यों नहीं किया? इस सवाल पर प्रबंधन पूरे मामले को हादसा बताते हुए लापरवाही छिपाने का प्रयास करता रहा। अंबेडकर अस्पताल में 5 नवंबर की दोपहर जिस समय आग लगी, उस समय ट्रामा में मरीज का ऑपरेशन जारी था। सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटेभर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की घटना से ओटी के अलावा थर्ड फ्लोर में धुंआ भर गया था। मरीज के रेस्क्यू में जुटे डॉक्टर भी धुंए की चपेट में आने से बेहोश होने की स्थिति में आ गए थे। सूचना पर पहुंची टीम ने आग बुझाने के बाद स्मोक ब्लोवर (धुआं खींचने वाला उपकरण) का इस्तेमाल किया। स्मोक ब्लोवर इस्तेमाल करने के बाद भी देर शाम तक डॉक्टर, कर्मचारी, मरीज और उनके परिजन धुएं और उसकी बदबू से परेशान होते रहे। अस्पताल पहुंचकर आग लगने की वजह पता लगाने की कोशिश की। प्रत्यक्षदर्शी डॉक्टरों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया, कि आग सबसे पहले वॉटर कूलर में शॉट सर्किट की वजह से लगी थी। वॉटर कूलर की आग वायर के सहारे एसी तक पहुंच गई। एसी का प्लास्टिक जब जलने लगा, तब डॉक्टरों को आग के बारे में पता चला। आग को कंट्रोल करने के लिए ट्रामा सेंटर में मौजूद कुछ लोगों ने फ्लोर पर लगे फायर फाइटिंग सिलेंडर से आग बुझाने की कोशिश की। जैसे ही सिलेंडर का स्प्रे आग पर मारा गया, वैसे ही आग और भड़क गई। आग का विकराल रूप देखकर डॉक्टर चिल्लाने लगे और ऑपरेशन थिएटर से मरीजों को बाहर निकाला गया।

पांच साल में आधी हुई सुनील सोनी की प्रॉपर्टी

बीजेपी-कांग्रेस प्रत्याशियों से ज्यादा उनकी पत्नियों के पास संपत्ति, दोनों करोड़पति, 30 प्रत्याशी मैदान में

रायपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में 30 कैंडिडेट्स ने नॉमिनेशन फाइल किया है। इसमें दर्ज संपत्ति के ब्योरे के मुताबिक बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के प्रत्याशी करोड़पति हैं, लेकिन बीते 5 साल में बीजेपी के सुनील सोनी की प्रॉपर्टी घटकर आधी हो गई है, जबकि उनकी पत्नी की संपत्ति दोगुनी हुई है। सुनील सोनी की पत्नी तारा सोनी के नाम पर 1 करोड़ 42 लाख 7 हजार 400 रुपए है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा की पत्नी अपूर्वा शर्मा के पास 49 लाख का सोना, 1 किलो चांदी और ढाई लाख के हीरे के जेवर हैं। इस तरह दोनों ही

प्रत्याशियों से ज्यादा की संपत्ति उनकी पत्नियों के पास है। एडीआर रिपोर्ट के अनुसार 2019 में सुनील सोनी ने जब लोकसभा का चुनाव लड़ा था, उस दौरान उनकी संपत्ति 4 करोड़ 60 लाख 68 हजार 126 रुपए थी। पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद अब वह वर्तमान में 2 करोड़ 74 लाख 71 हजार 600 रुपए के मालिक हैं। यानी बीते 5 साल में 1 करोड़ 85 लाख 96 हजार 526 रुपए की प्रॉपर्टी कम हो गई है। इसी तरह 292 ग्राम सोने के जेवरात, 10 किलो चांदी के बर्तन है, जिनकी कीमत लगभग 24 लाख 17 हजार है। सुनील सोनी के पास 1 लाख 78 हजार कैश है। अकाउंट में 58 लाख 36 हजार है, जबकि उनकी पत्नी तारा सोनी के पास 2 लाख 76 हजार रुपए नकद और अकाउंट में 8 लाख रुपए हैं। सोनी परिवार पर कर्ज 18 लाख 79 हजार 744 है। इसमें 13 लाख रुपए कर्ज सुनील सोनी के ऊपर और बाकी उनकी पत्नी पर है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। आकाश शर्मा के पास 80 हजार कैश और अलग-अलग खातों में 6 लाख 36 हजार रुपए है। उनकी पत्नी अपूर्वा के पास 1 लाख 50 हजार कैश और अकाउंट में कुल 2 लाख 65 हजार रुपए हैं। छत्तीसगढ़ में उपचुनाव की आचार संहिता के बीच प्रत्याशी मतदाताओं को अपने-अपने पक्ष में करने के लिए सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक प्रचार प्रसार कर रहे हैं।

संसदीय समिति ने ट्रूडो सरकार से चीन के साथ शोध सहयोग खत्म करने की मांग की

'सुरक्षा चिंताओं' का हवाला

ओटावा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा की संसदीय समिति ने अपनी एक रिपोर्ट में जस्टिन ट्रूडो सरकार से अनुरोध किया कि वह चीन के साथ शोध सहयोग को तुरंत समाप्त करे। रिपोर्ट के मुताबिक, इस तरह के सहयोग से बीजिंग को खतरनाक वायरस तक पहुंच हासिल करने में मदद मिली है और यह ओटावा की सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है।

'पहले से कहीं अधिक आक्रामक हो गईं चीन की गतिविधियां'

'कनाडा-चीन संबंध पर विशेष समिति' की अंतरिम रिपोर्ट में कहा गया कि चीन अब अधिक आक्रामक हो गया है, जिसमें विदेश में हस्तक्षेप और जासूसी शामिल हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि चीनी सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह 2049 तक दुनिया की सबसे उन्नत और आधुनिक सैन्य ताकत विकसित करना चाहती है। इसके साथ ही चीन गतिविधियां अब पहले कहीं ज्यादा आक्रामक हो गई हैं, जिसमें विदेश में हस्तक्षेप और जासूसी भी शामिल हैं।

'पीएचएसी के दस्तावेज पेश करने में विफल रही ट्रूडो सरकार'

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का प्रतिभा प्रबंधन कार्यक्रम कनाडा से शोध और प्रौद्योगिकी हासिल करने का एक तरीका है। इसमें आगे कहा गया है कि कनाडा सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी (पीएचएसी) के दस्तावेज पेश करने में विफल रही। जबकि, हाउस ऑफ कॉमन्स की विशेष समिति ने कई बार सरकार से ऐसा करने को कहा था।

प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्रों में सहयोग समाप्त करने की मांग

समिति की रिपोर्ट में कनाडा सरकार से यह भी मांग की गई है कि वह चीन के संस्थानों और व्यक्तियों के साथ कनाडा के संवेदनशील प्रौद्योगिकी अनुसंधान क्षेत्रों जैसे उन्नत डिजिटल आधारभूत संरचना, उन्नत उर्जा प्रौद्योगिकीच उन्नत सामग्री और निर्माण उन्नर सेंसर और निगरानी, उन्नत हथियार, एयरोस्पेस, अंतरिक्ष और उपग्रह प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मानव-मशीन एकीकरण, जीवन विज्ञान प्रौद्योगिकी, क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स में सभी शोध सहयोग को तुरंत समाप्त करे।

समिति ने अपनी रिपोर्ट में कनाडा सरकार से सिफारिश की कि सुरक्षा मूल्यांकन और मंजूरी प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जाएं। इसके अलावा, वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और चीन से जुड़े अन्य संस्थानों व कार्यक्रमों की विशेष रूप से निगरानी बढ़ाई जाए।

नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री योव गैलेंट को बर्खास्त किया

कहा- हमारे बीच भरोसा खत्म हो गया था, जंग में दुश्मन इसका फायदा उठा रहे

यरुशलम, 6 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को रक्षा मंत्री योव गैलेंट को बर्खास्त कर दिया। नेतन्याहू ने कहा कि उनके बीच विश्वास की कमी थी, जो जंग के समय में ठीक नहीं है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, विदेश मंत्री इजराइल काट्ज रक्षा मंत्री का पद संभालेंगे। वहीं, गिदियन सार अब इजराइल के विदेश मंत्री होंगे। नेतन्याहू के ऑफिस की तरफ से मंगलवार रात 8 बजे गैलेंट को एक लेटर सौंपा गया। इसमें नेतन्याहू ने लिखा था कि चिट्ठी मिलने के 48 घंटे बाद उनका कार्यकाल खत्म हो जाएगा। मैं बतौर रक्षा मंत्री आपकी सेवा के लिए धन्यवाद देता हूं।

इसके बाद नेतन्याहू ने एक वीडियो मैसेज के जरिए योव गैलेंट को पद से हटाने की जानकारी दी। नेतन्याहू ने कहा, जंग की शुरुआत में हमारे बीच भरोसा था, हमने साथ मिलकर काफी काम किया, लेकिन पिछले कुछ महीनों से हमारे बीच यह विश्वास खत्म हो

रहा था। हम जंग के कई पहलुओं पर एक-दूसरे से सहमत नहीं थे। गैलेंट ने कई बार ऐसे फैसले और बयान दिए हैं जिस पर कैबिनेट की रजामंदी नहीं थी। इस दौरान इजराइली पीएम ने गैलेंट पर देश के दुश्मनों का भी फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। नेतन्याहू ने कहा, मैंने कई बार हमारे बीच की दूरियों को कम करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा न हो सका। धीरे-धीरे ये जनता को भी नजर आने लगीं। सबसे बुरा तब हुआ जब हमारे दुश्मनों ने इसका फायदा उठाना शुरू कर दिया। भरोसे की कमी की वजह से हमारे मिलिट्री ऑपरेशन को नुकसान पहुंच रहा है। नेतन्याहू ने बताया कि सरकार और कैबिनेट के ज्यादातर लोग गैलेंट को हटाने के पक्ष में हैं। इसी के साथ यह पिछले 2 सालों में दूसरी बार है, जब नेतन्याहू ने गैलेंट को बर्खास्त किया है। पिछली बार देश के ज्युडीशियल सिस्टम में बदलाव की मांग को लेकर नेतन्याहू ने गैलेंट को हटाया था। हालांकि, उन्हें एक महीने के अंदर ही वापस पद सौंप दिया गया था। रक्षा मंत्री के पद से हटने के बाद गैलेंट ने कहा, इजराइल की सुरक्षा हमेशा से मेरे जीवन का लक्ष्य रही है और आगे भी मैं देश की सुरक्षा के लिए तत्पर रहूंगा। इसके बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भावुक होते हुए गैलेंट ने कहा, मुझे बर्खास्त करने की वजह 7 अक्टूबर के हमले में अगवा हुए लोगों की रिहाई की जरूरत और जंग में कमिशन ऑफ इंक्वायरी के गठन करने की मांग रही। गैलेंट ने कहा कि इजराइल आने वाले सालों में कई मुश्किलों का सामने करने वाला है। ऐसे हालातों में हमारे पास कोई विकल्प नहीं होगा। देश के सभी नागरिकों को साथ आकर सेना में अपनी सेवाएं देनी होंगी, जिससे हम इजराइल की रक्षा के मिशन में सफल हो सकें।

पटवारी को रिश्वत देने कलेक्टर से मांगा उधार

भू-स्वामी बोला- मैं गरीब घूस देने में असमर्थ, नक्शा दुरुस्त करने मांग रहे पैसे

सरगुजा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में पटवारी ने जमीन पर सड़क का नक्शा दुरुस्त करने के लिए 10 हजार रुपए रिश्वत मांगी, तो परेशान भू-स्वामी कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंच गया। भू-स्वामी ने पटवारी को रिश्वत देने के लिए कलेक्टर से 8500 रुपए उधार मांगा है। भू-स्वामी ने उधार की रकम एक महीने में वापस करने की बात कही। आवेदन मिलने से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। अंबिकापुर एसडीएम फागेश सिन्हा ने कहा कि, जांच कर मामले में कार्रवाई करेंगे।

जानकारी के मुताबिक, मोमिनपुरा निवासी मुस्तकिम ने 28 जून 2024 को अंबिकापुर की जमीन खसरा क्रमांक 4658/1, 4658, 4658/, 4654/1 पर भू-स्वामियों की आपसी सहमति से 15 फीट की सड़क बनाने का फैसला लिया। इसके लिए नक्शा दुरुस्त करने का आवेदन एसडीएम अंबिकापुर के न्यायालय में पेश किया गया। एसडीएम न्यायालय ने 15 जुलाई को ज्ञापन जारी किया।

मो. मुस्तकिम ने कलेक्टर जनदर्शन में बताया कि, नक्शा काटने के लिए उन्होंने हलका पटवारी श्रवण पांडेय को 2500 रुपए रिश्वत दिए थे। पटवारी 8500 रुपए और मांग रहा है। वो गरीब है और रिश्वत की राशि देने में असमर्थ है।

मुस्तकिम ने कलेक्टर से 8500 रुपए उधार मांगा है, जिससे वो पटवारी को रिश्वत दे सके। मुस्तकिम ने कहा है कि, वह राशि एक महीने में लौटा देगा। आवेदक मुस्तकिम ने आवेदन में कहा है कि, हलका क्रमांक 15 के पटवारी श्रवण पांडेय ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत तय एक महीने के समय सीमा में कार्य नहीं किया। इसलिए पटवारी पर 2500 रुपए अर्थदंड लगाकर रिश्वत में दिया गया ढाई हजार वापस कराया जाए। इस मामले में एसडीएम फागेश सिन्हा ने कहा कि, जनदर्शन में शिकायत मिली है।

जबरदस्ती शारीरिक संबंध या सहमति! आरोप बना पहेली

पॉक्सो का आरोपी हाईकोर्ट से बरी

रायपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक 24 साल के आदमी को पॉक्सो एक्ट के मामले में बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लड़की की उम्र और सहमति साफ़ नहीं है। जस्टिस रजनी दुबे और संजय कुमार जायसवाल की बेंच ने कहा कि आरोपी को संदेह के आधार पर दोषमुक्ति के सिद्धांत पर बरी किया जाता है। यह मामला 2019 का है, जब पॉक्सो कोर्ट ने आदमी को 20 साल की सज़ा सुनाई थी। तब से वो जेल में बंद था। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि अगर उस पर कोई और केस नहीं है तो उसे तुरंत रिहा कर दिया जाए। सरकारी वकील के मुताबिक 30 जून 2019 को एक लड़की ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने अपने पड़ोसी पर बार-बार धमकाने और बलात्कार का आरोप लगाया था। लड़की का आरोप था कि अक्टूबर 2015 में वह उसके घर में घुस गया और पहली बार उसके साथ बलात्कार किया। उसके बाद डरा धमकाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। 30 जून 2019 को उसने अपने परिवार को इस बारे में बताया, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। जांच के दौरान लड़की का मेडिकल परीक्षण किया गया और गवाहों के बयान दर्ज किए गए। फोरेंसिक जांच के लिए सबूत भेजे गए। इसके आधार पर आरोप तय किए गए और 24 दिसंबर 2019 को ट्रायल कोर्ट ने 16 साल से कम उम्र की लड़की से बार-बार बलात्कार करने के आरोप में आदमी को दोषी ठहराया था। आदमी ने अपनी सज़ा को हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसके वकील ने गवाहों के बयानों में विसंगतियों का हवाला दिया और तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष संदेह से परे अपराध साबित करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि लड़की सहमति से संबंध बना रही थी। उसकी बताई गई उम्र पर सवाल उठाते हुए वकील ने इस बात को चुनौती दी कि कथित अपराधों के समय वह नाबालिग थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि घटना के समय पीड़िता की उम्र 16 साल से कम थी या नहीं और यह भी साफ नहीं है कि क्या आरोपी और पीड़िता के बीच शारीरिक संबंध सहमति से थे या जबरदस्ती।

मंडल मुर्मू के सिर पर 50 लाख का इनाम!

रांची, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सिद्धो-कान्हू के वंशज और हेमंत सोरेन के प्रस्ताव रहे मंडल मुर्मू की मुश्किलें भाजपा में शामिल होने के बाद बढ़ रही हैं। मंडल मुर्मू को लेकर एक व्हाट्स एप चैट वायरल हो रहा है। चैट में कहा जा रहा है कि मंडल मुर्मू का सिर जो भी काटेगा उसे सिद्धो-कान्हू वैसी समिति की ओर से 50 लाख रुपए देकर सम्मानित किया जाएगा। व्हाट्स एप के इस चैट को लेकर सरायकेला से भाजपा उम्मीदवार चंपाई सोरेन ने चिंता जताई है। उन्होंने इस व्हाट्स एप चैट को अपने एक्स अकाउंट पर साझा करते हुए मंडल मुर्मू के परिवार को सुरक्षा देने की बात कही है। अपने एक्स अकाउंट पर चंपाई सोरेन ने लिखा है कि यह राजनीति का निम्नतम स्तर है। ऐसी धमकियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने इस व्हाट्स एप चैट को झारखंड पुलिस, साहिबगंज पुलिस को मेंशन करते हुए लिखा है कि ऐसी आपराधिक मानसिकता वाले लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। उन्होंने चुनाव आयोग और साहिबगंज डीसी को भी मेंशन किया है। जहां उन्होंने मंडल मुर्मू के परिवार की सुरक्षा का इंतजाम करने को कहा है। बरहेट से जेएमएम उम्मीदवार और राज्य के सीएम हेमंत सोरेन के प्रस्तावक मंडल मुर्मू तीन दिन पहले ही भाजपा ज्वाइन की है। देवघर में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पार्टी के झारखंड प्रभारी सह असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा, पार्टी के संगठन प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत बाजपेयी की मौजूदगी में मंडल मुर्मू ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सरकारी अधिकारी के 400 से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले

सोशल मीडिया पर लीक होने से बवाल

मालाबो, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश इक्वेटोरियल गिनी के एक शीर्ष सरकारी अधिकारी के 400 से ज्यादा अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हो गए हैं। इससे मध्य अफ्रीका के इस देश में भूचाल आ गया है और सरकार की इस मुद्दे पर भारी बदनामी हो रही है। दरअसल इन वीडियो में आरोपी सरकारी अधिकारी विभिन्न सरकारी अधिकारियों की पत्नियों के साथ शारीरिक संबंध बनाते दिख रहा है। स्थिति ये हो गई है कि सरकार ने इन वीडियो के प्रसार को रोकने के लिए इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया है।

आरोपी अधिकारी की पहचान बाल्टसार एबांग एंगोंगा के रूप में हुई है। आरोपी अधिकारी नेशनल फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी का निदेशक है। आरोपी अधिकारी ने अपने कार्यालय, घर समेत विभिन्न स्थानों पर महिलाओं के साथ शारीरिक संबंध बनाए। गौरतलब है कि जिन महिलाओं के साथ आरोपी अधिकारी ने शारीरिक संबंध बनाए, उनमें से कई इक्वेटोरियल गिनी सरकार के शीर्ष अधिकारियों की पत्नियां हैं। इक्वेटोरियल गिनी के उपराष्ट्रपति टेयोडोरो न्गुएमा ओबोइंग ने उन सभी अधिकारियों को तुरंत निलंबित करने का आदेश दिया है, जो अपने कार्यालय में शारीरिक संबंध बनाते पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह आचार संहिता का उल्लंघन है। बता दें कि इक्वेटोरियल गिनी में पहली बार नहीं है, जब वहां के सरकारी अधिकारियों के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हुए हैं, पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम 'परिवार संस्था को बर्बाद होते नहीं देख सकते'। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी अधिकारी को भ्रष्टाचार के एक मामले में जेल भेजा गया था। इस दौरान जांच एजेंसियों उसके घर की तलाशी लेने पहुंची तो उन्हें जांच के दौरान आरोपी अधिकारी की अश्लील वीडियो मिलीं। माना जा रहा है कि किसी ने इन वीडियो को पहले व्हाट्सएप ग्रुप पर डाला और फिर वहां से ये अश्लील वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो गई हैं। आरोपी अधिकारी शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं।

फोन पर झगड़ा और तीन करोड़ का नुकसान

जज ने पत्नी के व्यवहार को माना क्रूर, पति की तलाक याचिका मंजूर

बिलासपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में पत्नी के दुर्व्यवहार से रेलवे स्टेशन मास्टर को नौकरी में निलंबन झेलना पड़ा। पत्नी के इस तरह के व्यवहार से क्षुब्ध होकर पति ने तलाक के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई।

कोर्ट ने पत्नी के इस व्यवहार को क्रूरता माना एवं पति के तलाक की याचिका को स्वीकार किया है। मामले की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे एवं जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की बेंच में हुई। याचिकाकर्ता विशाखापत्तनम निवासी स्टेशन मास्टर की 12 अक्तूबर 2011 को भिलाई के चरोदा निवासी युवती से हिन्दू रीति रिवाज से शादी हुई। 14 अक्तूबर 2011 को पति ने विशाखापटनम में रिसेप्शन अयोजित किया। इसमें पत्नी खुश नहीं थी। रात में उसने पति को बताया, कि उसका इंजीनियरिंग कॉलेज के ग्रंथपाल के साथ प्रेम सम्बन्ध है उसने प्रेमी के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाया है। पति ने इस बात की जानकारी उसके पिता को दी। पिता ने अपनी बेटी को समझाया, और भविष्य में ऐसा न करने की गारंटी ली। जिस पर दोनों साथ रह रहे थे। एक रात पति ड्यूटी में था तब पत्नी फोन कर झगड़ा करने लगी। पति ने उसे घर आकर बात करेंगे कहा और अंतिम शब्द ओके कहा। माइक में ओके शब्द सुनकर साथ में काम कर रहे दूसरे स्टेशन मास्टर ने रेलगाड़ी को रवाना करने का सिग्नल दे दिया। नक्सल क्षेत्र होने के कारण उस खंड में रात 10 से सुबह 6 बजे तक रेल यातायात निषेधित है। इसके कारण रेलवे को तीन करोड़ का नुकसान हुआ और पति को निलंबित कर दिया गया।

लगातार पत्नी द्वारा प्रताड़ित किये जाने पर उसने तलाक के लिए विशाखापटनम परिवार न्यायालय में आवेदन दिया, तो पत्नी ने 498 के तहत पति, उसके 70 वर्षीय पिता, शासकीय सेवक बड़े भाई, भाभी व मौसेरा भाई बहन के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पति के आवेदन को दुर्ग न्यायालय ट्रांसफर किया गया। दुर्ग परिवार न्यायालय से आवेदन खारिज होने पर पति ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। हाईकोर्ट ने सुनवाई में पाया कि पत्नी ने पति पर भाभी के साथ अवैध संबंध होने का आरोप लगाया था, जबकि याचिकाकर्ता की माँ का 2004 में निधन हो गया है। उसकी शादी में भाभी ने मां की सभी रस्म की है।

स्कूल में बच्चों को पीटते थे ट्रम्प, पिता ने मिलिट्री स्कूल भेजा

ओबामा के ताने सुनकर राष्ट्रपति बनने की ठानी, उनकी पूरी कहानी

वॉशिंगटन, 6 नवंबर (एजेंसियां)। 30 अप्रैल 2011 की बात है, व्हाइट हाउस में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने एक डिनर पार्टी रखी थी। ओबामा बार-बार पार्टी में मौजूद एक शख्स का नाम लेकर उस पर तंज कस रहे थे। वो शख्स कोई और नहीं बल्कि उस वक्त अमेरिका का सबसे बड़ा बिजनेस टाइकून डोनाल्ड ट्रम्प था।ट्रम्प कुछ ही समय पहले रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हुए थे। वे बार-बार ओबामा की अमेरिकी पैदाइश पर सवाल उठाते थे।

जब ओबामा ने उन्हें प्रोग्राम में देखा तो पलटवार करने की सोची और ट्रम्प को खूब कोसा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प को ये अपमान बर्दाश्त नहीं हुआ। उसी दिन उन्होंने यह ठान ली थी कि वे एक दिन अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। आज ट्रम्प ने दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीता है। स्टोरी में ट्रम्प की पैदाइश से लेकर पिता की विरासत मिलने और दूसरी बार फिर बार राष्ट्रपति चुनाव जीतने की कहानी-

ट्रम्प के दादा फ्रेडरिक जर्मनी के रहने वाले थे। जब फ्रेडरिक 8 साल के थे तभी उनके पिता की मौत हो गई। वे बचपन से ही बहुत कमजोर थे, इस वजह से खेती नहीं कर पाते थे। इसके चलते उनकी मां ने उन्हें नाई बनने की ट्रेनिंग दिलाई। लेखिका ग्वेन्डा ब्लेयर ने अपनी किताब 'द ट्रम्प्सः थ्री जेनरेशन्स दैट बिल्ट एन एम्पायर' में लिखा है कि फ्रेडरिक काफी मेहनती थे और सातों दिन काम करते थे। हालांकि, 16 साल की उम्र में ही फ्रेडरिक को अमेरिका भागना पड़ा। दरअसल, उस समय जर्मनी में यह कानून था कि हर शख्स को कम से कम 3 साल के लिए आर्मी में भर्ती होना पड़ेगा। फ्रेडरिक ने इससे डरकर देश छोड़ दिया। वे 10 दिन का सफर तय कर अक्टूबर, 1885 में न्यूयॉर्क पहुंचे। अमेरिका आकर फ्रेडरिक ने नाई का काम करना शुरू किया। कुछ पैसे इकठ्ठा कर लेने के बाद उन्होंने अलास्का में खनन के बिजनेस में हाथ आजमाया। उनका यह बिजनेस चल पड़ा। उनकी खदानों से खूब सोना निकला। फ्रेडरिक कुछ ही सालों में काफी अमीर हो गए। कुछ साल बाद फ्रेडरिक जर्मनी गए और साल 1902 में एलिजाबेथ क्राइस्ट नाम की एक लड़की से शादी की। दोनों बाद में अमेरिका लौट गए। लेकिन एलिजाबेथ को अमेरिका की सर्दी रास नहीं आई। वह बीमार रहने लगी। पत्नी की हालत देखकर फ्रेडरिक 1904 में फिर जर्मनी चले गए। हालांकि, उनका आना जर्मन सेना के अधिकारियों को पसंद नहीं आया। फ्रेडरिक को देश छोड़ने का आदेश दिया गया। कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि फ्रेडरिक ने जर्मनी में स्टांप से जुड़े कुछ घोटाले किए थे। इससे नाराज होकर बवेरिया के राजा ने उन्हें देश छोड़ने का फरमान सुनाया। फ्रेडरिक अपनी गर्भवती पत्नी और छोटी बेटी को न्यूयॉर्क वापस ले आए। कुछ महीनों बाद, एलिजाबेथ ने डोनाल्ड ट्रम्प के पिता फ्रेड ट्रम्प को जन्म दिया। फ्रेडरिक के तीन बच्चों में डोनाल्ड ट्रम्प के पिता फ्रेड ट्रम्प मंझले थे। उनका जन्म 11 अक्टूबर 1905 को न्यूयॉर्क में हुआ था। पिता के जर्मनी से होने के बावजूद फ्रेड पूरी तरह से अमेरिकी थे और जर्मन भाषा बिल्कुल नहीं जानते थे।

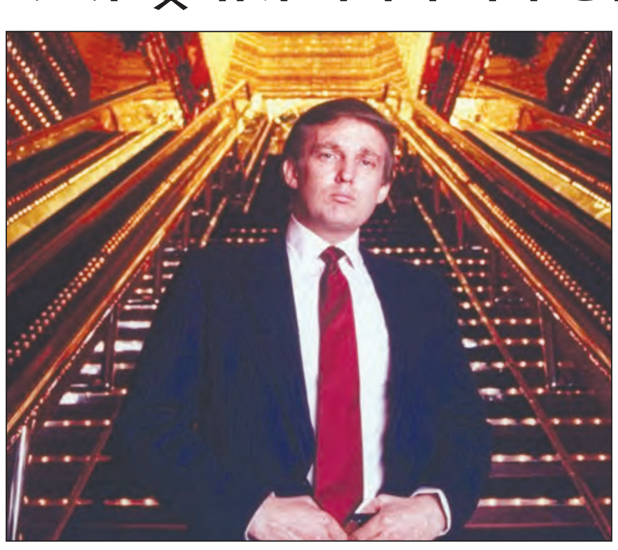

उन्होंने अमेरिका में ट्रम्प परिवार की प्रतिष्ठा बनाने में बहुत मेहनत की। फ्रेड में बचपन से ही मेहनत करने की लगन थी। वह स्कूल के बाद रात में कन्स्ट्रक्शन से जुड़े प्लम्बिंग, कारपेंट्री और इलेक्ट्रिक वायरिंग का काम सीखते थे। साल 1918 में, जब वह महज 15 साल के थे तब उनके पिता फ्रेडरिक की मौत हो गई, और घर-परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ गई। 1927 में फ्रेड ने अपनी मां के नाम पर एक रियल एस्टेट कंपनी 'एलिजाबेथ ट्रम्प एंड सन' शुरू की। फ्रेड ट्रम्प ने घर बनाने का काम बड़े पैमाने पर किया, और कुछ ही समय में वे न्यूयॉर्क के सबसे सफल युवा कारोबारियों में से एक बन गए। उन्होंने खासतौर पर, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान सरकारी योजनाओं का फायदा उठाते हुए कई घर बनाए। वह ब्रुकलिन और क्वींस जैसे इलाकों में सस्ते घर बनाकर वहां लोगों को किराए पर रहने के लिए देते थे। उनके प्रोजेक्ट्स बड़े होते थे, जिससे उन्हें अच्छा मुनाफा होता था। 1930 के दशक की बात है फ्रेड ट्रंप एक पार्टी में गए थे, जहां वह मैरी ऐनी मैकलियोड नाम की एक स्कॉटिश महिला से मिले। बायोग्राफी 'ट्रंप रिवील्ड' में माइकल क्रैनिश और मार्क फिशर बताते हैं कि उसी रात, जब फ्रेड अपने घर लौटे, तो उन्होंने ऐलान किया कि उन्होंने उस महिला को ढूंढ़ लिया है, जिससे वे शादी करेंगे। इसके बाद 1936 में मैरी ऐनी मैकलियोड से उनकी शादी हो गई। फ्रेड का कारोबार लगातार बढ़ रहा था। लेकिन, उनसे जुड़े कुछ विवाद भी थे।

1970 के दशक में उन पर आरोप लगे कि वे अश्वेतों को घर किराए पर नहीं देते हैं। इसके लिए उन पर मुकदमा भी हुआ, जो बाद में सुलझ गया।

'चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए थे डोनाल्ड ट्रम्प'

अमेरिका के न्यूयॉर्क में 14 जून 1946 को डोनाल्ड ट्रम्प का जन्म हुआ था। अमीर परिवार में जन्म के चलते डोनाल्ड ट्रम्प के बारे में कहा जाता है कि वो चांदी की चम्मच के साथ पैदा हुए। फ्रेड के पांच बच्चों में डोनाल्ड ट्रम्प चौथे हैं। ट्रम्प से बड़े उनके भाई फ्रैड जूनियर और दो बहनें थीं। इसके अलावा एक भाई रॉबर्ट ट्रम्प उनसे छोटे थे। फ्रेड एक सख्त और अनुशासनप्रिय पिता थे। वह चाहते थे कि उनके बच्चे भी मेहनती बनें और बड़े सपने देखें। उन्हें अपने बेटे डोनाल्ड से खास लगाव भी था। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रम्प जब 3 साल के थे, तब से उन्होंने अपने पिता के बिजनेस से सालाना 2 लाख डॉलर कमाना शुरू कर दिया था। जब ट्रम्प 8 साल के हुए तब तक वे करोड़पति बन चुके थे। ट्रम्प जब ढाई साल के थे, तो उनकी मां बीमार रहने लगी थी। इस वजह से ट्रम्प की परवरिश पर उनके पिता का असर काफी पड़ा। ट्रम्प की भतीजी मैरी बताती हैं कि जब डोनाल्ड बड़े हो रहे थे, तो उन्हें मां का लाड़-प्यार नहीं मिला। ट्रम्प की जीवनी लिखने वाले मार्क फिशर कहते हैं कि जब भी कोई ट्रम्प से पूछता है कि उनकी मां उन्हें कैसे प्यार करती थी, इस पर ट्रम्प के पास कोई जवाब नहीं होता है। ट्रम्प ने 7वीं क्लास तक की पढ़ाई न्यूयॉर्क शहर में की। स्कूल के दिनों से ही ट्रम्प का रवैया आक्रामक रहा है। वो स्कूल में अपने साथ पढ़ने वाले बच्चों को बुली यानी परेशान किया करते थे। इसे लेकर अक्सर ट्रम्प के पिता के पास उनकी शिकायतें आती थीं। यहां तक कि ट्रम्प ने अपने घर पर भाई को भी बुली करना शुरू कर दिया था। इस वजह से उनके पिता ने उनका एडमिशन न्यूयॉर्क मिलिट्री स्कूल में करा दिया। ट्रम्प को 13 साल की उम्र में ही मिलिट्री स्कूल जाना पड़ा। ट्रम्प पर किताब लिख चुके टिमोथी ओ'ब्रायन कहते हैं कि ट्रम्प को अपने मिलिट्री स्कूल के बारे में बात करना पसंद है। ट्रम्प बताते हैं कि जब वो मिलिट्री स्कूल पहुंचे, तो लाइन से बाहर निकलने पर उन्हें किसी ने थप्पड़ मार दिया था। ट्रम्प के जीवनीकार मार्क फिशर के मुताबिक डोनाल्ड ट्रम्प मिलिट्री स्कूल में भी अपने साथ पढ़ने वालों पर चीखते और चिल्लाते थे। पिता से मिली परवरिश ने ट्रम्प को स्वभाविक तौर पर प्रतिस्पर्धी बना दिया था। मिलिट्री स्कूल में भी उनका वही रवैया रहा। यहां भी वो सभी के साथ प्रतिस्पर्धा करते थे। द ट्रम्पस की लेखिका ग्वेंडा ब्लेयर कहती हैं कि ट्रम्प को मिलिट्री स्कूल में ये सब करना बेहद पसंद था।

हालांकि, इसकी वजह से उनके साथ पढ़ने वाले उन्हें पसंद नहीं करते थे। ट्रम्प मिलिट्री स्कूल से अपने अंदर लीडरशिप का गुण लेकर पासआउट हुए। 1964 में मिलट्री स्कूल से पासआउट होने के बाद ट्रम्प ने दो साल तक फोर्डहम यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी में ट्रांसफर ले लिया था। यहां उन्होंने रियल स्टेट प्रोग्राम में शिक्षा हासिल की। इसके बाद ट्रम्प ने 1968 में इकोनॉमिक साइंस में डिग्री ली। ट्रम्प का अपने बड़े भाई फ्रैड के प्रति बेहद लगाव था। फ्रैड की मौत की 43 साल की उम्र में ज्यादा शराब पीने से हो गई थी। तभी ट्रम्प ने भी जीवन भर के लिए शराब और सिगरेट को छोड़ने का फैसला किया।

1960 के दशक के अंत में अमेरिका वियतनाम युद्ध में उलझा हुआ था। इस वक्त अमेरिका के हर युवक को अमेरिकी सेना में सेवा देना जरूरी था। लेकिन ट्रम्प इससे बचते रहे। पैर की बीमारी और मेडिकल की पढ़ाई का बहाना बनाकर उन्होंने 5 बार सेना का हिस्सा बनने से मना कर दिया। वियतनाम जंग के खत्म होने पर अमेरिका में अनिवार्य सैन्य सेवा का चलन भी खत्म हो गया।

क्या कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा जाएंगे जेल!

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बयान से खलबली

दौसा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने दौसा में पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने पेपर आउट कराकर माल बनाया। समसा और मिड डे मील में जितना खाना खाया था। इसकी जांच चल रही है। कब शिकंजे में आएं और कब अंदर चले जाएं कोई पता नहीं।

डोटासरा आंखों पर पट्टी बांधकर घूम रहे हैं। उनको सिर्फ कहां खाना है, कहां लूटना है, यही दिखता है। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के संचालन को लेकर दिलावर ने कहा कि बिना उपयुक्त भवन और अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों के बच्चों को अंग्रेजी कैसे पढ़ाएंगे। यदि राजस्थान के विद्यार्थियों का सबसे बड़ा कोई दुश्मन है तो वह डोटासरा है।

सवालों पर फंसे तो चल दिए

जब दिलावर से किसान आंदोलन में हुई मौतों के बारे में पूछा गया तो वे यह कहकर सवाल टाल गए कि 'मैंने वहां जाकर देखा नहीं'। इस पर सिखों के हत्याकांड को देखने के सवाल पर मंत्री बोले कि मैंने पढ़ा था। किसान आंदोलन के बारे में क्यों नहीं पढ़ा तो मंत्री ने कहा कि हो सकता है उस वक्त मैं कहीं गया हुआ हूं और फिर उठकर चल दिए।

'वसुंधरा खुद का नाम बोल देतीं और पर्ची खा जातीं'

बेनीवाल ने किया सीएम घोषणा वाली पर्ची का जिक्र

नागौर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उपचुनाव को लेकर प्रदेश में बयानबाजी तेज हो गई है। हॉट सीट खींवसर से आरएलपी सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने इस बार अपने भाई नारायण बेनीवाल का टिकट काटकर पत्नी कनिका बेनीवाल को चुनावी मैदान में उतारा है।

बेनीवाल आरएलपी की जीत को लेकर लगातार चुनाव प्रचार कर रहे है। इस दौरान वे आक्रामक तरीके से सत्तारूढ़ पार्टी पर जमकर निशाना साध रहे है।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने नुक्कड सभा के दौरान सीएम के तौर पर भजनलाल शर्मा के नाम की घोषणा के समय का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी

की दादागिरी की चाहे जिसको पर्ची देकर भेज दिया। राजनाथ सिंह ने पर्ची नहीं पढ़ी। मैं तो बोलता हूं वसुंधरा की जगह कोई होशियार आदमी होता तो खुद का नाम बोल देता और पर्ची खा जाता।

खींवसर में त्रिकोणीय मुकाबला

बताते चलें कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने वाली हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी अकेले चुनाव लड़ रही है। वहीं, कांग्रेस से इस सीट पर पूर्व आईपीएस सवाई सिंह चौधरी की पत्नी रतन चौधरी मैदान में हैं। इसके अलावा भाजपा ने रेवंत राम डांगा को खींवसर से टिकट दिया है।

इन सीटों पर होंगे उपचुनाव

गौरतलब है कि 13 नवंबर को राजस्थान की 7 सीटों पर उपचुनाव होने जा रहा है। प्रदेश की रामगढ़ (अलवर), दौसा, झुंझुनूं और देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी और सलूंबर सीटों पर उपचुनाव होने जा रहा है।

2023 के विधानसभा चुनाव के परिणामों में इनमें से भाजपा के पास केवल 1 सीट थी, वहीं कांग्रेस के पास 4 सीटें थी। इसके अलावा एक सीट बाप और एक सीट आरएलपी के पास थी।

एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में नया मोड़

एसओजी की चार्जशीट में सामने आए कई बड़े नाम

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में पेपर लीक की जांच में अब बड़े मगरमच्छ भी सामने आने लगे हैं। मामले में एसओजी की टीम ने कोर्ट में चार्जशीट पेश की है, जिसमें राजस्थान लोक सेवा आयोग के तत्कालीन चेयरमैन संजय श्रोत्रिय से लेकर सदस्य मंजू शर्मा, संगीता आर्या, जसवंत राठी सबकी भूमिका संदेहास्पद बताई गई है।

पुलिस में सब इंस्पेक्टर पेपर लीक की जांच को लेकर अब तक एसओजी पर सवाल उठ रहे थे कि जितनी भी गिरफ्तारियां हुई हैं, वे छोटे स्तर की हैं। कोई बड़ा नाम इसमें नहीं आ रहा लेकिन एसओजी ने कोर्ट में जो चार्जशीट पेश की है उसमें पूर्व आईपीएस और राजस्थान लोक सेवा आयोग के चेयरमैन संजय श्रोत्रिय का भी नाम लिया गया है। एसओजी ने एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक

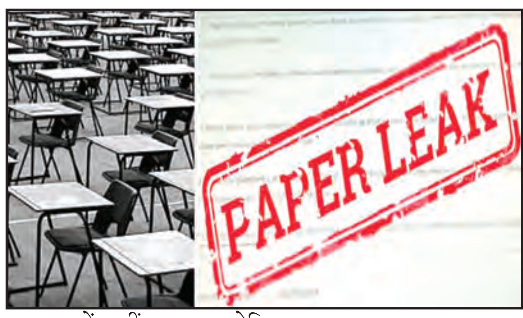

मामले में 20 आरोपियों के खिलाफ 29 अक्टूबर को चार्जशीट पेश की थी, जिसमें SOG ने कई बड़े खुलासे किए हैं।

एसओजी की चार्जशीट के मुताबिक इस पूरे मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग के तत्कालीन चेयरमैन संजय क्षोत्रिय से लेकर सदस्य मंजू शर्मा, संगीता आर्या, जसवंत राठी सबकी भूमिका संदेहास्पद है। इन सभी ने रामू राम राईका के बेटे-बेटी को फायदा पहुंचाया है।

आरपीएससी चेयरमैन से घर पर मिला था राइका

चार्जशीट में कहा गया है कि आरपीएससी सदस्य रामूराम राइका ने अपने बेटे देवेश और बेटी शोभा को थानेदार बनाने के लिए परीक्षा से एक माह पहले ही पेपर ले लिया था। यही नहीं इंटरव्यू से पहले राइका आरपीएससी के तत्कालीन चेयरमैन संजय श्रोत्रिय से उनके आवास पर भी मिला था, तब श्रोत्रिय ने कहा था कि देखते हैं।

राइका को पेपर कटारा ने दिया

एसओजी की चार्जशीट के मुताबिक रामू राम राईका को पेपर बाबूलाल कटारा ने उपलब्ध कराया था। बाबूलाल कटारा को मार्च महीने में तत्कालीन चेयरमैन भूपेंद्र सिंह एसआई भर्ती परीक्षा के लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र तैयार कराने की जिम्मेदारी दी थी। भूपेंद्र सिंह अक्टूबर 2020 से 1 दिसंबर 2021 तक आयोग के चेयरमैन थे। पहले यह परीक्षा एक दिन में आयोजित होनी थी, इसलिए बाबूलाल कटारा ने फर्स्ट और सेकंड पेपर के दो-दो सेट तैयार करके रख लिए थे।

अशोक गहलोत के बयान पर जगमोहन ने दिया जवाब

चुनाव प्रचार में जारी है बयानों की आतिशबाजी

दौसा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दीपावली बीत जाने के बाद उपचुनावों की सबसे हॉट सीट दौसा में बयानों की आतिशबाजी जारी है। भाजपा प्रत्याशी जगमोहन मीणा ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान अमर उजाला से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान को लेकर कहा कि वे कहना क्या चाहते हैं? कौन कमजोर है, मैं कमजोर हूं या सामने वाला प्रत्याशी कमजोर है। मैच फिक्सिंग के बयान को लेकर मीणा ने कहा कि हमने तो ऐसा कुछ किया नहीं है, उन्होंने कर लिया होगा।

मीणा ने आगे कहा कि दौसा में

कोई दिग्गज चुनाव नहीं लड़ रहा है। यह मुकाबला दौसा की जनता लड़ रही है। मुझे उम्मीद है कि भाजपा बड़े मार्जिन से चुनाव जीतेगी।

उन्होंने कहा कि दौसा को शिक्षा नगरी के रूप में विकसित करेंगे। उन्होंने वोट बंटवारे पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हमें यकीन है कि वोटर हमारा साथ देगा और भाजपा बड़े मार्जिन के साथ चुनाव जीतेगी।

जिलों की बदलेगी सीमा! कई पंचायतें होंगी नगर निगम में शामिल

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में एक नगर निगम की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए विधायकों और विधानसभा चुनाव लड़ चुके प्रत्याशियों से रायशुमारी की जा रही है। अब तक जो चर्चा हुई है, उसमें वार्डों के पुनर्सीमांकन और नगर निगम का दायरा बढ़ाने पर सहमति बनी है। ज्यादातर जनप्रतिनिधि चाहते हैं कि निगम सीमा क्षेत्र का दायरा बढ़ाया जाए। माना जा रहा है कि 150 से 160 वार्ड जयपुर नगर निगम में होंगे। उन क्षेत्रों को निगम सीमा क्षेत्र में लिया जाएगा, जहां आबादी बस चुकी है और विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं।

माना जा रहा है कि राज्य सरकार जयपुर सहित जोधपुर और कोटा में भी एक-एक निगम बनाने की प्रक्रिया शुरू करेगी। इसके संकेत स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी दे चुके हैं। दरअसल, तीनों शहरों में एक-एक निगम करने का भाजपा का चुनावी वादा भी था और दो नगर निगम

होने से भाजपा को राजनीतिक नुकसान भी हुआ है। तीनों शहरों में अगले वर्ष के अंत में जाकर बोर्ड का कार्यकाल पूरा होगा।

जयपुर, जोधपुर और कोटा में एक-एक निगम होना चाहिए। पार्टी में इसको सार्वजनिक रूप से जाहिर किया हुआ है। इसको लेकर लगातार संगठन स्तर पर बैठकें भी हो रही हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से रायशुमारी भी की जा रही है। – पुनीत कर्णावट, उप महापौर

हर बार वार्ड बढ़े, निगम का दायरा वहीं

-वर्ष 1994 से लेकर आज तक नगर निगम का सीमा क्षेत्र नहीं बढ़ा है। हालांकि, समय-समय पर परिसीमन और पार्षदों की संख्या बढ़ती रही है। नगर निगम की सीमा का विस्तार नहीं हुआ। जनप्रतिनिधि अपने फायदे के हिसाब से वार्डों का सीमांकन जरूर करवाते रहे। वर्ष 1994 में जयपुर नगर निगम का सफर 70 पार्षदों से शुरू हुआ था। पिछले बोर्ड में यह संख्या 91 थी। दो निगम होने से पहले हुए परिसीमन में वार्डों की संख्या 150 कर दी थी, लेकिन बाद में दो नगर निगम हो गए और शहर में वार्डों की संख्या 250 हो गई।

कई पंचायतें जोड़े जाने की कवायद

झोटवाड़ा और आमेर विधानसभा क्षेत्र का बड़ा हिस्सा निगम सीमा क्षेत्र से बाहर है। जबकि, शहर इन विस क्षेत्रों की पंचायतों तक को छू चुका है। ऐसे में वहां पर निगम न तो स्ट्रीट लाइटें लगाता है और न ही सफाई की व्यवस्था करता है। निगम को वहां से कोई राजस्व भी नहीं मिलता है। यही स्थिति आदर्श नगर और बगरू विधानसभा क्षेत्र की भी है।

वायुसेना हेलीकॉप्टर की अचानक खेत में लैंडिंग, मचा हंडकंप

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर जिले में आज अचानक वायुसेना के हेलीकॉफ्टर की इमरजेंसी लैंडिंग की गई। जिले के जसनगर क्षेत्र में अचानक हेलीकॉफ्टर उतरने से ग्रामीणों की भीड़ लग गई।

बुधवार को तकनीकी कारणों की वजह से नागौर जिले के जसनगर में वायुसेना के हेलीकॉप्टर इमरजेंसी लैंडिंग की गई।

जोधपुर से जयपुर भारतीय वायुसेना का विमान जा रहा था। लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से एहतियातन इमरजेंसी में खेत में लैंडिंग करवाई गई।

मेड़ता पुलिस उप अधीक्षक रामकरण सिंह मलिंडा ने बताया कि तकनीकी समस्या के बाद जोधपुर से दूसरे हेलीकॉप्टर में पाट्र्स आ रहे हैं। इसके बाद इस हेलीकॉफ्टर को दुरुस्त किया जाएगा। अचानक से इंडियन एयरफोर्स जेडडी 4150 हिंदुस्तान ऐरोनॉटिक्स रुद्र हेलीकॉप्टर की लैंडिंग कौतूहल बनी हुई है। मौके पर जसनगर चौकी इंचार्ज भोपाल सिंह सहित पुलिस जाप्ता भी तैनात किया गया है।

एशिया के सबसे बड़े कच्चे बांध पर 84 दिन से चल रही चादर, गांवों को जल्द मिलेगी खुशखबरी

सवाई माधोपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। रबी की फसल की बुवाई में जुटे दौसा व सवाई माधोपुर जिले के करीब सात दर्जन से अधिक गांवों हजारों किसानों ने बड़ी राहत भरी खबर है। जिले का सबसे बड़ा एवं एशिया का सबसे बड़ा कच्चा बांध मोरेल बांध की नहरों में शीघ्र ही पानी छोड़ा जाएगा, जिससे इन नहरों से जुड़े दौसा व सवाई माधोपुर जिलों के हजारों किसान लाभान्वित होंगे।

नहरों में पानी कब छोड़ा जाएगा इस बारे में इसी सप्ताह के आखिरी में या आगामी सप्ताह की शुरुआत में ही जल वितरण कमेटी की बैठक में निर्णय होगा। बैठक का आयोजन सवाई माधोपुर जिला कलक्ट्रेट सभागार में होगा, जिसमें दोनों जिलों के प्रशासनिक एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ जल वितरण कमेटी के सदस्य भी शिरकत करेंगे। जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता चेतराम मीना ने बताया कि किसानों ने मोरेल नदी की नहरों से पानी छोड़ने की मांग की है, नहरों में पानी छोडऩे को

लेकर बांध की पूर्वी नहर के जल वितरण प्रबंध समिति के अध्यक्ष नानजीराम मीना बरनाला की ओर से लिखित में मांग पत्र मिला है। इसके आधार पर विभाग को अधीक्षण अभियंता को पत्र भेजकर सूचित किया जा चुका है, पत्र में बताया है कि जल उपभोक्ता संगम के अध्यक्षों द्वारा जल वितरण कमेटी की बैठक 10 नवम्बर से पूर्व रखने की मांग की गई है। इस बार मानसून की जोरदार मेहरबानी के चलते मोरेल बांध पांच साल बाद एक बार पूरा भरा है, बांध पर इस बार 14 अगस्त को चादर चली थी, इसके बाद से लेकर लगातार बांध की वेस्ट वेयर पर पानी बहकर मोरेल नदी में जा रहा है करीब आधा इंच की चादर चल रही है, जिस दिन बांध की नहरों में पानी छोड़ा जाएगा, उसके बाद चादर चलना भी बंद हो जाएगा। जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता चेतराम मीना ने बताया कि बांध का वर्तमान गेज 30 फीट है, जिसके चलते 2707 एमसीएमफटी पानी में से डेड स्टोरज 211 एमसीएफटी को छोड़कर शेष 2496 एमसीएफटी पानी सिंचाई के लिए उपलब्ध है।

बांध में पर्याप्त पानी होने के चलते इस बार दोनों नहरों में टेल तक किसानों को पानी पहुंचेगा। नहरों में पानी छोडऩे से पूर्व आवश्यक तैयारियां की जा चुकी है।

जोधपुर में महिला की हत्या

इस बार 'हैवान' बना पति, घर में छाया मातम

जोधपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। शांत माने जाने वाले जोधपुर शहर में अपराध तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। बुधवार सुबह एक महिला की हत्या की खबर ने सभी को झकझोर दिया। मामला रातानाडा की हरिजन बस्ती का है, जहां पति ने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया है।

पुलिस ने बताया कि रातानाडा की हरिजन बस्ती में बीती रात पति अजय बारासा और पत्नी शीला के बीच विवाद और झगड़ा हुआ था। सूत्रों के अनुसार मामला इतना बढ़ गया कि पति ने पत्नी की हत्या कर दी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि धारधार या भारी हथियार से पत्नी शीला के सिर पर घातक वार किया गया था, जिससे सिर फटने और अधिक खून बहने से शीला की मौत हो गई। बुधवार सुबह सूचना मिलने पर रातानाडा पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं हत्या के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया है।

पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को मौके पर बुला लिया है। वहीं थानाधिकारी प्रदीप डांग व अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए है। पुलिस का कहना है कि आरोपी पति की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पति शराब पीने का आदी है और पति-पत्नी में अमूमन झगड़े होते रहते हैं। वहीं हत्या की सूचना के बाद परिवार में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही जोधपुर शहर में ब्यूटीशियन अनिता की हत्या कर उसके शव के 6 टुकड़े कर दिए गए थे। आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। वहीं परिजनों ने आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो जाने तक शव लेने से इनकार कर दिया है।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत

चार गंभीर घायलों को एम्स में भर्ती कराया

जोधपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। शहर के बोरानाड़ा इलाके में आज एक कार और ट्रक की आमने-सामने की भिड़ंत में मां-बेटा और बहू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को गाड़ी से बाहर निकालने में मदद की। हादसा बोरानाड़ा थाना इलाके के भांडू गांव के पास हुआ। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत जोधपुर के एम्स अस्पताल में भर्ती करवाया और दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी को रास्ते से हटाकर हाईवे खुलवाया। बोरानाडा थाना अधिकारी शकील अहमद ने बताया कि भांडू गांव के पास दोपहर में कार और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत होने से यह हादसा हुआ। कार में नागौर के रहने वाले 7 लोग सवार थे, जो परिवार के साथ बालोतरा के पास जसोल में माता के दर्शन करने के लिए निकले थे। वहां से नागौर लौटते समय जोधपुर के पास यह हादसा हुआ। हादसे में कार सवार रमेश उसकी पत्नी पार्वती उसकी मां इंदिरा सेन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रमेश के पिता, उसके बेटा-बेटी और एक अन्य सुमित नाम का व्यक्ति घायल हो गया। फिलहाल घायलों का जोधपुर के एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। कार का ड्राइवर मौके से फरार हो गया, पुलिस उसे खोजने में जुटी हुई है।

नहीं रुक रहा अवैध बजरी खनन का सिलसिला

पुलिस ने 5 ट्रैक्टर ट्रॉली समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया

करौली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सपोटरा थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बजरी से भरी पांच ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की है। पुलिस ने आरोपी तीन ट्रैक्टर ट्रॉली चालकों को भी गिरफ्तार किया है। वही दो आरोपी मौके पर फरार हो गए। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में अवैध खनन की रोकथाम एवं लोकल स्पेशल एक्ट के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत सपोटरा थाना पुलिस ने 5 बजरी के भरे ट्रैक्टर ट्रॉली सहित तीन चालकों को गिरफ्तार किया है। सपोटरा थाना अधिकारी कन्हैयालाल ने बताया कि सपोटरा के जोडली पुलिया के पास बनास नदी से अवैध बजरी से भरे पांच ट्रैक्टर और ट्रॉली को ला रहे थे जिसकी सूचना मिलते ही अवैध खनन की रोकथाम को लेकर कार्रवाई की गई है । साथ ही 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, दो ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गए।

गिरफ्तार आरोपियों में बंटी बैरवा पुत्र हरिलाल बैरवा, शाहिद खान पुत्र आजाद खान और रवि बैरवा पुत्र विश्राम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

वार्षिक साइबर सुरक्षा ज्ञान शिखर सम्मेलन आयोजित

डिजिटल खतरों से निपटने में सक्रिय उपायों पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद वार्षिक साइबर सुरक्षा ज्ञान शिखर सम्मेलन, एचएसीके 2.0, सरकार, उद्योग और कानून प्रवर्तन से प्रमुख आवाज़ों को आकर्षित करते हुए शानदार सफलता के साथ संपन्न हुआ। हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में तत्काल साइबर सुरक्षा मुद्दों पर प्रकाश डाला गया और एक लचीला साइबर परिदृश्य बनाने में डिजिटल नागरिकों की भूमिका को रेखांकित किया गया।अपने उद्घाटन भाषण में पुलिस आयुक्त, हैदराबाद और एचसीएससी के अध्यक्ष सी.वी. आनंद ने जोर दिया, साइबर सुरक्षा अब केवल एक पुलिसिंग कर्तव्य नहीं है – यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है। हमारी डिजिटल दुनिया हर व्यक्ति, हर व्यवसाय और हर सरकारी इकाई से सतर्कता और सक्रिय उपायों की मांग करती है। साथ मिलकर हम हैदराबाद को साइबर सुरक्षा जागरूकता और कार्रवाई का केंद्र बना सकते हैं। इस वर्ष की थीम "जागरूकता से कार्रवाई तकः एक सुरक्षित डिजिटल भविष्य को आकार देना" में उजागर किए गए, शिखर सम्मेलन का उद्देश्य साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को ज्ञान से लैस करना और डिजिटल खतरों से निपटने में सक्रिय उपायों को प्रोत्साहित करना है। मुख्य अतिथि डी. श्रीधर बाबू, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, तेलंगाना ने एचसीएससी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, "तेलंगाना व्यापक नीतियों और सार्वजनिक पहलों के साथ डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है। एचएसीके 2.0 जैसे कार्यक्रम कार्रवाई को प्रेरित करने और साइबर सुरक्षा की संस्कृति बनाने में महत्वपूर्ण हैं।" मुख्य भाषण: सक्रिय उपायों के लिए आह्वान अपने मुख्य भाषण में बृजेश सिंह, आईपीएस महाराष्ट्र के अतिरिक्त डीजीपी ने कहा, "साइबर खतरे लगातार विकसित हो रहे हैं, और इसलिए हमारी रणनीतियों को भी विकसित होना चाहिए। हमें पूर्वानुमान लगाने, अनुकूलन करने और तत्परता से कार्य करने की आवश्यकता है। हमारे डिजिटल भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कानून प्रवर्तन, निजी क्षेत्र और नागरिकों के बीच सहयोगात्मक प्रयास आवश्यक हैंएचसीएससी के महासचिव सी. शेखर रेड्डी ने साइबर सुरक्षा के लिए सार्वजनिक और निजी भागीदारी को बढ़ावा देने में एचसीएससी की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला, एचसीएससी का उद्देश्य केवल साइबर खतरों से निपटना ही नहीं है, बल्कि नागरिकों और व्यवसायों को सशक्त बनाना भी है। हम हैदराबाद को डिजिटल सुरक्षा और लचीलेपन के लिए एक आदर्श शहर बनाने के हमारे मिशन में शामिल होने के लिए हर संगठन और व्यक्ति को आमंत्रित करते हैं।

श्री विट्ठलेश्वर मंदिर में काकड आरती का आयोजन

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनरल बाजार सिकंदराबाद के विट्ठलेश्वर स्वामी मंदिर में कार्तिक मास का काकड आरती बुधवार को शुरू किया गया है जो अमावस्या तक यानी एक दिसंबर तक जारी रहेगा। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित पंढीनाथ नरसीकर ने बताया कि इस दौरान प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे काकड आरती, माखन भोग तथा भगवान के मुख दर्शन होंगे। शाम 7.30 से नौ बजे तक महाअभिषेक, अलंकार और महाआरती होगी। नौ बजे से रात बारह बजे तक रुक्मणी जी के चरण दर्शन किए जा सकेंगे। विशेष पूजा प्रबोधनी एकादशी मनाई जाएगी। शुक्रवार को त्रिपुरी पूर्णिमा दीपोत्सव का कार्यक्रम रखा गया है। मंदिर के न्यासी श्रीनिवास पटाले परिवार ईओ जी. सत्यनारायणा, एन नरेश ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।

दिवाली मिलन एवं अन्नकूट 17 को

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज , तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा का दिवाली मिलन और अन्नकूट प्रसाद का आयोजन 17 नवंबर को नेकलेस रोड स्थित हनुमान मंदिर में किया गया है।

शाखा के मानद मंत्री योगेश अग्रवाल की विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में सुबह 11.31 बजे पूजा और भगवान को प्रसाद भोग तथा दोपहर 12.01 बजे दिवाली मिलन के बाद 12.31 बजे से अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया गया है। अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, सचिव योगेश अग्रवाल सह सचिव प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विजय कुमार कुच्छल और निवर्तमान अध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी ने सभी सदस्यों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इंडिया, हैदराबाद क्षेत्र - 104, निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर उप्परगुडा यादव संघम, मादन्नापेट, में श्री प्रवीण पतंगे (अध्यक्ष) के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ इस अवसर पर नासा हॉस्पीटल, एल.बी.नगर के बी.आर.नवीन कुमार के सौजन्य से नेत्र विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ,सामान्य चिकित्सक, बीपी, मधुमेह की जाँच दंत चिकित्सक, संपन्न हुआ । जांच शिविर में सर्व प्रथम डॉ. प्रशांत नीमकर (आयुर्वेदिक विशेषज्ञ),सुजोक एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ समाज भूषण श्री सुरेश पाटिल और दिनेश पाटिल, सामान्य चिकित्सक, बीपी, मधुमेह की जाँच की गई,समाज मो.अकबर(एआईएमआईएल फार्मास्यूटिकल्स) द्वारा लोगों को निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया । इस अवसर पर सर्व प्रथम श्री मोहनराव देवतराज, राकेश कुमार गित्ते, प्रवीण पतंगे, राकेश घनाते, श्री घनश्याम पतंगे, अर्चना बासुतकर अशवीनी पतंगे, शीतल नीमकर, एवं अन्य भावसार विजन इंडिया हैदराबाद के निदेशक मंडल और सदस्यगण शामिल हुए । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए छावनी के समाज अध्यक्ष श्री लक्ष्मण राव मेत्रास्कर का विशेष धन्यवाद्।

जाति जनगणना के लिए एकत्रित जानकारी रखी जाएगी गोपनीय : भट्टी

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को कहा कि राज्य में जाति जनगणना के लिए एकत्र की गई जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने जनता से चिंता न करने की अपील की तथा बिना किसी आशंका के गणनाकर्ताओं को जानकारी देने का आग्रह किया। इससे पहले बुधवार को तेलंगाना सरकार ने आधिकारिक तौर पर अपनी व्यापक जाति जनगणना शुरू की, जिसमें पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने जीएचएमसी कार्यालय में इस पहल का उद्घाटन किया। इस जनगणना का उद्देश्य राज्य भर के विभिन्न समुदायों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक जनसांख्यिकी पर विस्तृत डेटा एकत्र करना है। तेलंगाना सरकार ने इस सर्वेक्षण के लिए व्यापक तैयारी की है, जो लगभग तीन सप्ताह तक चलेगा। इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए कुल 80,000 गणनाकर्ताओं और 18,000 पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

अकेले ग्रेटर हैदराबाद में घरों की सम्पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए 18,723 गणनाकार और 1,870 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। जनगणना में 75 प्रश्न होंगे, जिनमें से 56 प्राथमिक प्रश्न परिवार की आय, शिक्षा स्तर, रोजगार की स्थिति, भूमि स्वामित्व और आरक्षण लाभ जैसे आवश्यक पहलुओं पर केंद्रित होंगे।

मंदिर विकास कार्यों पर मंत्री सुरेखा के नेतृत्व में समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मार्थ विभाग की मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद देवदाय विभाग द्वारा किये गये विकास कार्यों से आम श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली है. वन, पर्यावरण और देवदाय धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने यादगिरी गुट्टा मंदिर विकास प्राधिकरण (वाईटीडीए) के तत्वावधान में किए गए विकास कार्यों और लागत विवरण को सटीक रूप से प्रस्तुत करने का आदेश दिया। बुधवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय के धर्म मंत्रालय कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में यादगिरी गुट्टा मंदिर विकास प्राधिकरण (वाईटीडीए) और धर्म मंत्रालय द्वारा किए गए मंदिर विकास कार्यों पर मंत्री सुरेखा के नेतृत्व में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। राज्य सरकार के सलाहकार (बुनियादी ढांचे और परियोजनाएं) केएस श्रीनिवास राजू, प्रमुख सचिव, ऋण शैलजा रामयार, आयुक्त हनुमंत कोंडीबा, अतिरिक्त सचिव कृष्णावेनी, आरजेसी रामकृष्ण राव, वाईटीडीए के उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी किशन राव, यदागिरी गुट्टा ईवीओ भास्कर राव, वाईटीडीए इस बैठक में संपदा अधिकारी संतोष सहित अन्य लोग शामिल हुए।

मंत्री सुरेखा ने वाईटीडीए के उपाध्यक्ष किशन राव से वाईटीडीए की स्थापना, वाईटीडीए के तहत किए गए कार्यों, भूमि अधिग्रहण और पिछली सरकार के दौरान विकास कार्यों को रोकने के कारणों के बारे में पूछा। अधूरी जानकारी पर मंत्री सुरेखा ने नाराजगी जताई. मंत्री सुरेखा ने वाईटीडीए के उपाध्यक्ष को प्रशासनिक अनुमति, डीपीआर जमा करने, बिलों का भुगतान, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा भुगतान आदि से संबंधित व्यापक जानकारी कल तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मंत्री सुरेखा ने वर्तमान में वाईटीडीए के अधिकार क्षेत्र में आने वाली भूमि, कलेक्टर से प्राप्त की जाने वाली अनुमति, सड़कों और हेलीपैड के निर्माण के लिए वाईटीडीए द्वारा एकत्र की गई भूमि, भूमि हस्तांतरण आदि के बारे में जानकारी ली। मंत्री सुरेखा ने वाईटीडीए के उपाध्यक्ष किशन राव को कल विस्तृत विवरण के साथ बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया।

भुगतान विवाद के चलते जूनियर डॉक्टर की मौत

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बुधवार को एक जूनियर डॉक्टर की मौत हो गई, क्योंकि अस्पताल प्रशासन ने भुगतान होने तक इलाज रोक दिया था। मृतक के परिवार ने बताया कि उन्होंने ऑपरेशन के लिए शुरू में 3 लाख रुपये का भुगतान किया था लेकिन हैदराबाद के माधापुर स्थित मेडिकवर अस्पताल के डॉक्टरों ने परिवार से एक प्रक्रिया के लिए 1 लाख रुपये अतिरिक्त देने को कहा।

पीड़िता की पहचान नागप्रिया के रूप में हुई है, जो किसी अज्ञात बीमारी का इलाज करा रही थी। परिवार ने हैदराबाद के अस्पताल पर गंभीर प्रक्रिया में देरी करने का आरोप लगाया, जिसके कारण जूनियर डॉक्टर की मौत हो गई। परिवार ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने अतिरिक्त राशि लेने के बाद उन्हें मरीज की मौत की सूचना दी।

इस घटना के बाद परिवार ने विरोध प्रदर्शन किया है और न्याय तथा अस्पताल की कार्यप्रणाली की जांच की मांग की है। उन्होंने इसमें शामिल मेडिकल स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है और कहा है कि मेडिकल इमरजेंसी के दौरान किसी भी मरीज पर इस तरह का दबाव नहीं डाला जाना चाहिए। हालांकि, हैदराबाद के इस प्रसिद्ध अस्पताल के अधिकारियों ने अभी तक आरोपों के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इस बीच, स्थानीय अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और परिवार की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज किया जा सकता है।

श्री गोपाल गौशाला, इब्राहिमपट्टनम् में अन्नकूट प्रसाद 10 को

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोपाल गौशाला, इब्राहिमपट्टनम् में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गोपाष्टमी के उपलक्ष्य में गौसेवा, गौपूजन, भजन, आरती एवं अन्नकूट प्रसाद का आयोजन 10 नवम्बर को दोपहर 1 बजे से गौशाला प्रांगण में किया जाएगा । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मैनेजिंग ट्रस्टी महावीरप्रसाद अग्रवाल द्वारा दी गई ।

चेयरमैन तुलसीराम बंसल के अनुसार गोपाष्टमी के दिन गौसेवा, गौपूजन का विशेष महत्व माना जाता है । पौराणिक कथाओं के अनुसार गोपाष्टमी के दिन भगवान कृष्ण इसी दिन गौमाता को गौचारे हेतु जंगल ले गए थे । इस दिन गौशाला आकर गौमाता के दर्शन, सेवा एवं पूजन का विशेष महत्व माना गया है । गौपूजन की व्यवस्था गौशाला में की गई है । उन्होंने सभी गौप्रेमियों से इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार गौसेवा, गौपूजन एवं अन्नकूट प्रसाद का लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है ।

गौशाला में 15 नवम्बर से 15 जनवरी तक गौमाता के लिए खिचडी एवं अन्य पौष्टिक आहार की व्यवस्था विशेष रूप से किया जायेगा । कोई भी गौभक्त इस सेवा का लाभ प्राप्त कर सकता है । सवामनी सेवा का शुल्क रु.3100/- रखा गया है ।

अन्नकूट प्रसाद के संदर्भ में श्री गोपाल गौशाला, इब्राहिमपट्टनम् के कार्यालय में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें चेयरमैन तुलसीराम बंसल, वाईस चेयरमैन सतबीर गर्ग, मैनेजिंग ट्रस्टी महावीरप्रसाद अग्रवाल, जाइंट मैनेजिंग ट्रस्टी अर्जुन गोयल,कोषाध्यक्ष विनोद गर्ग, रमेश काबरा एवं राजूराम सेपटा ने भाग लिया।

अन्नकूट भण्डारा एवं सुन्दरकाण्ड पाठ संपन्न

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री वगीची अभय आंजनेय स्वामी मंदिर अमीरपेट में अन्नकुट भण्डारा महाप्रसाद एवं सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में ट्रस्टी एरावतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि प्रातकाल 6.30 बजे श्री वगीची हनुमान की प्रतिमा का श्रृंगार चोला अभिषेक आरती हुई।

मध्याह्न काल 2 बजे से सायंकाल 4 बजे तक सुन्दरकाण्ड पारायण पाठ हुआ। सायं 4.30 बजे से 6 बजे तक श्री हनुमान गणेश गायत्री महायज्ञ होगा। 6.30 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक अन्नकूट भण्डारा संपन्न हुआ।

धान खरीद से 10.15 लाख किसानों को होगा फायदा : उत्तम कुमार

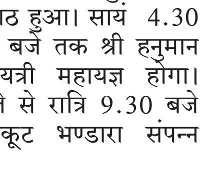

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नागरिक आपूर्ति एवं सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से धान खरीद की सफलता सुनिश्चित करने में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया है। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, पोन्नम प्रभाकर और कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के साथ-साथ विभिन्न सांसदों, विधायकों और एमएलसी की उपस्थिति में एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान रेड्डी ने कहा कि इस पहल से लगभग 10.15 लाख किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने घोषणा की कि तेलंगाना इस खरीफ सीजन में 1.5 करोड़ टन का रिकॉर्ड धान उत्पादन करने के लिए तैयार है, जिसमें नागरिक आपूर्ति निगम लगभग 91 लाख टन की खरीद की योजना बना रहा है, जिसमें 47 लाख टन बढ़िया (ग्रेड-ए) किस्में और 44 लाख टन सामान्य किस्में शामिल हैं। रेड्डी ने अच्छी किस्मों के लिए 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस की सरकार की पहल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत में पहली बार है कि इन किस्मों का उत्पादन करने वाले सभी किसानों को समर्थन मूल्य के अतिरिक्त यह बोनस मिलेगा।

बंजारा हिल्स में स्थित के.बी.आर. पार्क में इच्छापूर्ति गणेश जी की पूजा अर्चना के पश्चात् आरती व प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल के अतिरिक्त सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विजया, अशोक लाखोटिया, विनोद टिकमानी, दीपक सरायवाला, इन्नी, गोपाल बलदेव, शंकर लाल अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, पी.सी. जैन, विजय तुंबी, प्रवीण अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, अशोक सरायवाला, सुधाकर पम्पती, डॉ. गुप्ता, शेषैया गारू एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मद्देलाचेरुवु सूरी हत्याकांड के आरोपी को मिली जमानत

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। 4 जनवरी, 2011 को रायलसीमा गुट के नेता गंगुला सूर्यनारायण रेड्डी उर्फ मद्देलचेरुवु सूरी की हत्या के लिए 12 साल की सजा काट रहे भानु किरण को नामपल्ली आपराधिक अदालत द्वारा आर्म्स एक्ट के एक मामले में जमानत दिए जाने के बाद बुधवार को चंचलगुडा जेल से रिहा कर दिया गया है। उन्होंने शस्त्र अधिनियम मामले में जमानत के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने उन्हें निचली अदालतों में जाने का निर्देश दिया था। उनकी आजीवन कारावास की सजा पर अगली सुनवाई 11 नवंबर को अदालत में होगी।

मद्देलाचेरुवु सूरी और पूर्व मंत्री परिताला रवि की गुटीय प्रतिद्वंद्विता सबसे व्यापक रूप से चर्चित वास्तविकता रही है, जिसे निर्देशक और निर्माता राम गोपाल वर्मा ने 'रक्त चरित्र' शीर्षक से सीक्वल के रूप में फिल्माया था। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में दो गुटों के बीच पीढ़ियों से चली आ रही पारिवारिक प्रतिद्वंद्विता 24 जनवरी, 2005 को राप्थाडु टीडीपी के पूर्व विधायक परिताला रवि की दिनदहाड़े हत्या के बाद सनसनीखेज हो गई थी। इसके बाद जुलकांति श्रीनिवास रेड्डी उर्फ मोट्टू सीनू की हत्या हुई। 2008 में अनंतपुर जेल के अंदर रवि की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी भानु किरण, जो सूरी का दाहिना हाथ था, ने यूसुफगुडा में कार में यात्रा करते समय उसे गोली मार दी थी। अतिरिक्त महानगरीय सत्र न्यायाधीश ने 18 दिसंबर, 2018 को भानु किरण को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उसे शस्त्र अधिनियम के तहत 10 साल की कैद भी दी गई थी।

महिला साइबर धोखाधड़ी की शिकार, 1 लाख रुपये गंवाए

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक 35 वर्षीय महिला साइबर धोखाधड़ी का नवीनतम शिकार बन गई और साइबर जालसाजों के हाथों एक लाख रुपये से अधिक की रकम गंवा दी। जालसाजों ने बैंक अधिकारी बनकर उसकी व्यक्तिगत जानकारी अपडेट करने के बहाने उससे ठगी की।

पीड़िता को अज्ञात घोटालेबाजों से एक व्हाट्सएप कॉल प्राप्त हुई, जिसमें कहा गया कि उसे अपने बैंक खाते का विवरण अपडेट करना होगा अन्यथा उसके लेनदेन रोक दिए जाएंगे।

साइबर क्राइम पुलिस के अनुसार, जब पीड़िता ने ऐसा करने से मना कर दिया तो जालसाज ने उसे यह डर दिखाया कि यदि विवरण अपडेट नहीं किया गया तो उसके बैंक खाते से जुर्माने के रूप में 5,000 रुपये काट लिए जाएंगे।

साइबर क्राइम के एक अधिकारी ने बताया कि धोखेबाज़ ने उसे अपना मोबाइल बैंकिंग अकाउंट खोलने के लिए कहा और वादा किया कि वह उसे पूरी प्रक्रिया में मदद करेगा।

जैसे ही उसने अकाउंट खोला, धोखेबाज़ ने उसकी ईमेल आईडी और दूसरी जानकारियां हासिल कर लीं।

पीड़िता को एहसास हुआ कि यह एक धोखाधड़ी वाली कॉल थी, इसलिए उसने तुरंत बैंक अधिकारियों से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। उसके तुरंत कार्रवाई करने के बावजूद, उसके क्रेडिट कार्ड से 1,08,990 रुपये कट गए। उसकी शिकायत के आधार पर, साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच कर रही है।

श्री रावणा राजपूत समाज द्वारा आयोजित 9, 10 नवम्बर दो दिवसीय कार्यक्रम दिपावली स्नेह मिलन व जागरण के लिए सम्मानित अतिथि तेजपालसिंह राठौड़, राजेन्द्रसिंह पड़ियार, जब्बरसिंह चौहान को निमंत्रण देते हुए संरक्षक भीमसिंह सोलंकी, गणपतसिंह पड़िहार, अध्यक्ष पिन्टुसिंह परमार, उपाध्यक्ष शैतानसिंह परमार, कोषाध्यक्ष महेन्द्रसिंह शेखावत, प्रचार मंत्री परबत सोलंकी व अन्य।

व्यापारी मोकिला पुलिस के समक्ष हुआ पेश

जनवाड़ा फार्महाउस छापाकांड

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। व्यवसायी मद्दुरी विजय बुधवार को अपने वकीलों के साथ मोकिला पुलिस के समक्ष पेश हुए। उल्लेखनीय है कि 26 और 27 अक्टूबर को बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के साले राज पकाला के फार्महाउस पर छापेमारी के दौरान मदुरी के ड्रग्स लेने की पुष्टि हुई थी। छापेमारी के बाद, मद्दुरी ने मोकिला पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में लगाए गए आरोपों से इनकार किया। विजय ने दावा किया कि एफआईआर में उनके नाम से लगाए गए बयान झूठे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ एफआईआर में दर्ज हर बयान झूठा है; यह दुष्प्रचार है। मैंने रिपोर्ट में बताए गए दावे नहीं किए हैं।

व्यवसायी ने इस बात पर जोर दिया कि वह एक अमेरिकी नागरिक है और उसने व्यापारिक उद्देश्यों के लिए कई देशों की यात्रा की है। उसने दावा किया कि उसने भारत में किसी भी अवैध पदार्थ का सेवन नहीं किया है। विजय ने बताया कि मेरे मित्र राज पकाला ने मुझे अपने पारिवारिक दिवाली समारोह में आमंत्रित किया और मैं अपने परिवार के साथ समारोह में गया। उन्होंने यह भी बताया कि सभा में बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल थे, उन्होंने कहा कि वहां कोई असामाजिक गतिविधि नहीं हुई। विजय ने दोहराया कि पुलिस द्वारा लगाए गए आरोपों से हम बहुत आहत हैं।

जेईई एडवांस के प्रयासों की संख्या बढी

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में प्रवेश के इच्छुक छात्रों के लिए खुश होने का कारण है, क्योंकि संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस के लिए प्रयासों की संख्या बढ़ा दी गई है। 2025 से आईआईटी उम्मीदवारों को लगातार तीन वर्षों में अधिकतम तीन बार जेईई एडवांस्ड में बैठने की अनुमति होगी। इस वर्ष तक, प्रयासों की संख्या लगातार दो वर्षों में दो बार तक सीमित थी।

जेईई एडवांस्ड 2025 के लिए नए पात्रता मानदंड आईआईटी कानपुर द्वारा अधिसूचित किए गए हैं, जो प्रवेश परीक्षा का आयोजन कर रहा है। आयु सीमा के अनुसार, जेईई एडवांस्ड 2025 के लिए उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों का जन्म 1 अक्टूबर 2000 को या उससे पहले होना चाहिए। हालांकि, एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के लिए पांच साल की आयु छूट बढ़ा दी गई है, जिनका जन्म 1 अक्टूबर 1995 को या उसके बाद हुआ हो।

जेईई एडवांस्ड के लिए उम्मीदवारों के चयन सहित अन्य पात्रता मानदंड वही रहे। एक प्रेस विज्ञप्ति में, आईआईटी-कानपुर ने कहा कि जेईई एडवांस्ड के लिए पात्र होने के लिए उम्मीदवारों को जेईई मेन 2025 के बीई/बीटेक पेपर में सभी श्रेणियों सहित शीर्ष 2.50 लाख सफल उम्मीदवारों में से एक होना चाहिए। हालांकि, किसी भी श्रेणी में टाई रैंक/स्कोर की उपस्थिति में उम्मीदवारों की कुल संख्या 2.50 लाख से थोड़ी अधिक हो सकती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल मेगा ऑक्शन 24-25 नवंबर को: सऊदी अरब में नीलामी

पंत, केएल राहुल और श्रेयस पर बड़ी बोली लगने की उम्मीद

जेद्दाह, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल का मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दाह में होगा। ऑक्शन के लिए 1574 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। पिछले साल मिनी ऑक्शन दुबई में हुआ था, अब मेगा ऑक्शन सऊदी अरब में होने वाला है।

दिल्ली कैपिटल्स से रिलीज किए गए ऋषभ पंत, लखनऊ सुपर जायंट्स के पूर्व कप्तान केएल राहुल और चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर बड़ी बोली लगने की उम्मीद है। पंत आखिरी बार 2016, राहुल 2018 और श्रेयस 2022 IPL से पहले ऑक्शन में उतरे थे।

बीसीसीआई ने बताया, ऑक्शन के लिए 1574 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। जिनमें 1165 भारतीय और 409 विदेशी हैं। इनमें एसोसिएट देशों के 30 खिलाड़ी भी शामिल हैं। विदेशी टीमों में साउथ अफ्रीका के सबसे ज्यादा 91 और ऑस्ट्रेलिया के 76 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

एंडरसन-आर्चर ने रजिस्ट्रेशन कराया, स्टोक्स का नाम नहीं

नीलामी में शामिल होने के लिए इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन, जोफ्रा आर्चर, मिचेल स्टार्क और इटली के थॉमस ड्राका ने रजिस्ट्रेशन कराया है। जबकि बेन स्टोक्स का नाम इस सूची में नहीं है। एंडरसन ने 2014 के बाद से एक भी टी20 मैच नहीं खेला है और कभी भी आईपीएल का हिस्सा नहीं रहे हैं, उन्होंने 1.25 करोड़ के बेस प्राइस पर रजिस्ट्रेशन किया है। एंडरसन ने सितंबर-2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था।

पिछले साल आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बनने वाले मिचेल स्टार्क ने 2 करोड़ बेस प्राइस रखा है। जोफ्रा आर्चर भी उसी बेस प्राइस पर सूची में हैं। आर्चर ने 2023 में मुंबई इंडियंस के लिए केवल पांच मैच खेले थे और फिर चोटों के कारण IPL से बाहर हो गए थे। इस लंबी सूची में इटली के एक खिलाड़ी थॉमस ड्राका भी शामिल हैं।

10 टीमों में 204 प्लेयर्स की जगह खाली

आईपीएल कमेटी ने मेगा ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों को रिटेन करने की तारीख 31 अक्टूबर 2024 रखी थी। 10 टीमों ने 46 प्लेयर्स को रिटेन किया। जिसके बाद 204 प्लेयर्स की जगह खाली हो गई। इन जगहों के लिए 1000 से ज्यादा खिलाड़ी नीलामी में उतरेंगे।

पंजाब के पास सबसे ज्यादा पर्स बाकी

आईपीएल कमेटी ने इस बार टीमों को प्लेयर्स खरीदने के लिए 120 करोड़ रुपए का पर्स दिया है। 2 ही प्लेयर रिटेन करने के कारण पंजाब किंग्स के पास सबसे ज्यादा 110.50 करोड़ रुपए का पर्स बचा है। बाकी सभी टीमों का पर्स 85 करोड़ रुपए से कम है।

राजस्थान रॉयल्स ने 6 खिलाड़ी रिटेन करने के लिए 79 करोड़ रुपए खर्च किए, इसलिए उसके पास सबसे कम 41 करोड़ रुपए बाकी हैं। हैदराबाद और मुंबई ने 5-5 इंटरनेशनल प्लेयर रिटेन किए, इसलिए उनके पास 45 करोड़ रुपए बाकी हैं।

क्लासन 23 करोड़ रुपए में रिटेन हुए

रिटेंशन डेडलाइन से पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने 23 करोड़ रुपए में विकेटकीपर बैटर हेनरिक क्लासन को रिटेन किया। वह रिटेंशन में सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। उनके बाद एलसीजी ने निकोलस पूरन और आरसीबी ने विराट कोहली को 21-21 करोड़ रुपए में रिटेन किया।

5 टीमों को कप्तान की जरूरत

रिटेंशन में सबसे चौंकाने वाला फैसला चैंपियन कोलकाता और दिल्ली ने किया। दोनों ने अपने युवा कप्तानों को रिलीज कर दिया। कोलकाता के पास तो आरटीएम कार्ड भी बाकी नहीं है, इसलिए टीम श्रेयस अय्यर को अगर वापस शामिल करना चाहती है तो उन्हें अय्यर पर होने वाली बिडिंग वॉर जीतनी ही होगी।

दिल्ली के पास जरूर 2 आरटीएम कार्ड बाकी हैं, इससे टीम ऋषभ पंत को ऑक्शन में उतरने के बाद भी अपने साथ रख सकती है। इनके अलावा बेंगलुरु ने फाफ डु प्लेसिस, लखनऊ ने केएल राहुल और पंजाब ने सैम करन को रिलीज कर दिया। बेंगलुरु में विराट कोहली कप्तानी कर सकते हैं, वहीं बाकी 4 टीमों को कप्तान खरीदना ही होगा।

4 टीमों में विकेटकीपर नहीं

मेगा ऑक्शन से पहले 6 ही टीमों ने विकेटकीपर बैटर को रिटेन किया। पंत, राहुल, जोस बटलर, ईशान किशन, फिल सॉल्ट, क्विंटन डी कॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, ग्लेन फिलिप्स, जॉनी बेयरस्टो और जितेश शर्मा जैसे विकेटकीपर को लेने के लिए ऑक्शन में बड़ी बोली लगेगी।

इनमें बेंगलुरु, कोलकाता, गुजरात और मुंबई की टीमें विकेटकीपर के लिए बड़ी बोली लगाएंगी, क्योंकि चारों ने विकेटकीपर रिटेन नहीं किए। वहीं, चेन्नई धोनी के बैकअप को खरीदना चाहेगी। बाकी 5 टीमों को भी बैकअप विकेटकीपर की जरूरत रहेगी।

पंजाब के पास 4 आरटीएम कार्ड भी मौजूद

पंजाब किंग्स ने 2 ही प्लेयर रिटेन किए, इस कारण टीम अब ऑक्शन में स्क्वॉड के 4 खिलाड़ियों को आरटीएम यानी राइट टु मैच कार्ड के जरिए खरीद सकती है। ऑक्शन में बेंगलुरु के पास 3 और दिल्ली के पास 2 आरटीएम कार्ड रहेंगे। हैदराबाद और राजस्थान के पास एक भी आरटीएम कार्ड नहीं है, वहीं बाकी 5 टीमों के पास 1-1 RTM कार्ड बाकी है।

राइट टु मैच कार्ड या होता है?

जिन भी टीमों ने 6 से कम प्लेयर्स रिटेन किए हैं, उन्हें ऑक्शन में राइट टु मैच यानी आरटीएम कार्ड मिलेगा। आरटीएम कार्ड से टीमें स्क्वॉड में शामिल पिछले खिलाड़ी को वापस अपने साथ रख पाएंगी।

आरटीएम को उदाहरण से समझते हैं, मान लीजिए पिछले सीजन आरसीबी का हिस्सा रहे ग्लेन मैक्सवेल को ऑक्शन में एमआई ने 7 करोड़ रुपए की बोली लगाकर खरीद लिया। अब आरसीबी चाहे तो आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर मैक्सवेल को अपने साथ रख सकती है।

हालांकि, इस बार एमआई के पास मैक्सवेल के लिए बोली बढ़ाने का ऑप्शन भी रहेगा। आरटीएम का इस्तेमाल करने के बाद एमआई चाहे तो मैक्सवेल पर 10 करोड़ रुपए की बोली भी लगा सकती है। अब अगर आरसीबी मैक्सवेल को अपने साथ रखना चाहेगी तो उसे 10 करोड़ रुपए देने होंगे। इसी के साथ उसका एक आरटीएम कार्ड इस्तेमाल हो जाएगा। अगर आरसीबी ने मना कर दिया तो मैक्सवेल 10 करोड़ रुपए में एमआई के हो जाएंगे।

गूगल पर खूब सर्च किया गया आईपीएल ऑक्शन

आईपीएल ऑक्शन से जुड़ी अपडेट्स पिछले 30 दिन से लगातार जारी हैं। जिसके बाद कई लोगों ने आईपीएल ऑक्शन को ऑनलाइन सर्च किया। पिछले 30 दिन के गूगल ट्रेंड्स को देखें तो साफ समझ आता है कि आईपीएल ऑक्शन को सर्च करने का ग्राफ तेजी से बढ़ा है।

पीटी उषा ने ओलंपिक मेजबानी को लेकर दिया बयान

आईओए में चल रही आंतरिक कलह पर कही ये बात

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक की मेजबानी की इच्छा जताते हुए आशय पत्र सौंपा था और खेल के इस महाकुंभ की मेजबानी के लिए कदम बढ़ा दिए थे। अब आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने भी इस बारे में बयान दिया है और उनका कहना है कि संगठन में कार्यकारी परिषद के सदस्यों के साथ विवाद के बावजूद वह इन खेलों की मेजबानी के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उषा आईओए सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति के मामले में कार्यकारी परिषद के 12 सदस्यों के साथ विवाद में उलझी हुई हैं। भारत ने 2036 में होने वाले ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने की दिशा में पहला बड़ा कदम उठाते हुए देश की इच्छा व्यक्त करने से

संबंधित आशय पत्र आईओसी को सौंप दिया है।

उषा ने कहा, आईओए के भीतर कुछ आंतरिक चुनौतियों के बावजूद, 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है। आईओए आईओसी के साथ लगातार संपर्क में है और मुझे आशा है कि भारत को एक उदार मेजबान के रूप में देखा जाएगा। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल आईओसी सत्र के दौरान 2036 में ओलंपिक और पैरालंपिक की मेजबानी के लिए भारत के दृष्टिकोण को सामने रखा था। तब से हमने आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक और भविष्य के मेजबान आयोग के अधिकारियों के साथ नियमित संचार बनाए रखा है।

उन्होंने कहा, हम पेरिस ओलंपिक के दौरान आईओसी के साथ एक सार्थक चर्चा में भी लगे हुए थे। हमारे अधिकारियों ने पेरिस ओलंपिक के दौरान आईओसी द्वारा आयोजित कार्यकारी कार्यक्रम और पर्यवेक्षक कार्यक्रम में भाग लिया था। इन बातचीत और सीख को अपनाते हुए भारत ने इस साल अक्तूबर की शुरुआत में 2036 खेलों की मेजबानी के लिए आशय पत्र प्रस्तुत किया।

लंबे समय से ओलंपिक मेजबानी की इच्छा जता रहा है भारत

भारत लंबे समय से 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा जता चुका है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई मौकों पर इस बारे में राय रखी और अपने इरादे जाहिर किए हैं। हालांकि, अब भारत ने इस दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने नए खेल मंत्री मनसुख मांडविया को ओलंपिक मेजबानी हासिल करने के लिए आवश्यक उपायों पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी पेश की है। इस रिपोर्ट में एमओसी ने छह खेलों की पहचान की है जिन्हें भारत को मेजबानी मिलने पर ओलंपिक में शामिल किया जाएगा। इन खेलों में योग, खो खो, कबड्डी, शतरंज, टी20 क्रिकेट और स्क्वाश शामिल हैं।

भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने जीता डब्ल्यूबीएफ का विश्व खिताब, ब्रिटेन के कोनोर को हराया

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने केमैन आइलैंड में ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को हराकर विश्व मुक्केबाजी महासंघ (डब्ल्यूबीएफ) का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता। पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर से प्रशिक्षण लेने वाले 31 वर्षीय जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अब तक केवल एक हार का सामना किया है।

ब्रिटिश मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में अधिकतर राउंड में उनका पलड़ा भारी रहा। जांगड़ा ने शुरू से ही दमदार मुक्के जमाए और पूरे 10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा। दूसरी तरफ ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

कोनोर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जांगड़ा ने अधिकतर राउंड में बढ़त बनाए रखी।

जांगड़ा ने कहा, ₹यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैंने इसे हासिल करने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं देश का नाम रोशन कर सका।₹ हरियाणा के रहने वाले जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया। उन्हें उम्मीद है कि यह खिताब अधिक भारतीय मुक्केबाजों को पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करेगा। जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अभी तक 12 मुकाबलों में से 11 जीते हैं, जिनमें सात नॉकआउट जीत शामिल हैं। उन्होंने एमेच्योर मुक्केबाज के रूप में 2014 में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था।

अर्जुन विदित के खिलाफ शुरू करेंगे अभियान, गुकेश नहीं लेंगे हिस्सा

चेन्नई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के चौथे नंबर के भारतीय ग्रैंडमास्टर और शीर्ष वरीय अर्जुन एरिगैसी चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत हमवतन विदित गुजराती के खिलाफ करेंगे। दूसरी ओर, पिछली बार के चैंपियन डी गुकेश इस साल की प्रतियोगिता में भाग नहीं लेंगे क्योंकि वह चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं।

एरिगैसी 2800 ईएलओ रेटिंग अंक को पार करने के बाद भारत में पहली बार खेलेंगे। आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाली इस क्लासिकल प्रतियोगिता के शुरुआती दौर में अरविंद चिदंबरम का सामना ईरान के अमीन ताबाताबेई से, वाचिएर लाग्रेव मैक्सिम का सामना मघसूदलू परम से और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर लेवोन एरोनियन का सामना एलेक्सी शिरोव से होगा।

सात दौर के इस टूर्नामेंट में इस बार चैलेंजर्स प्रतियोगिता भी होगी जिसमें पहली बार महिला खिलाड़ी भी भाग लेंगी।

भारत की तरफ से इसमें हरिका द्रोणावल्ली और वैशाली रमेशबाबू अपनी चुनौती पेश करेंगी।

नॉन-स्टॉप शतक जमाने वाले बल्लेबाज के सामने फंसे अर्जुन तेंदुलकर

99.06 की औसत ने उड़ाए होश!

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। फिल्म 'मांझी- द माउंटेन मैन' का वो डायलॉग तो आपने सुना हैं ना. जब तक तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं. नॉन-स्टॉप शतक जमाने वाले बल्लेबाज की कहानी भी कुछ ऐसी ही है. वो गेंदबाजों को तब तक नहीं छोड़ता जब तक उन्हें लाचार नहीं कर देता. और, ऐसा करते हुए शतक पर शतक लगा देता है. छोटे से करियर में वो मैच दर मैच ऐसे शतक ठोके जा रहा है जैसे वो उसका शौक हो. शतक जमाने को अपनी आदत बना चुके बल्लेबाज अग्नि चोपड़ा के सामने अब अर्जुन तेंदुलकर हैं.

अग्नि चोपड़ा बनाम अर्जुन तेंदुलकर

अग्नि चोपड़ा और अर्जुन तेंदुलकर की टक्कर रणजी ट्रॉफी की पिच पर है. रणजी ट्रॉफी में मिजोरम और गोवा का मैच चल रहा है, जिसमें ये दोनों खिलाड़ी खेल रहे हैं. अग्नि चोपड़ा मिजोरम की टीम का हिस्सा हैं वहीं अर्जुन तेंदुलकर गोवा की टीम से खेल रहे हैं. बड़ी बात ये है कि ये दोनों ही खिलाड़ी देश की जानी मानी दो हस्तियों के बेटे हैं. अग्नि चोपड़ा के पिता बॉलीवुड डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा है. वहीं अर्जुन, सचिन तेंदुलकर के बेटे हैं. अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का 10वां मैच खेल रहे अग्नि चोपड़ा शतक लगाने में माहिर हैं. गोवा के खिलाफ मैच से पहले खेले 9 मुकाबलों में उन्होंने 99.06 की औसत से रन बनाए हैं, जिनमें 8 शतक जड़े हैं. अब अग्नि चोपड़ा के बल्ले से निकले पहले 9 मैचों में 8 ट्रिपल फीगर स्कोर की कहानी भी अनोखी है. इसमें से लगातार 5 शतक उन्होंने पहले 5 रणजी मैचों में मारे. उसके बाद छठे मैच में वो कुछ नहीं कर सके. लेकिन उसके बाद पिछले 3 मैचों से उनका शतक बनाना लगातार जारी है.

अर्जुन तेंदुलकर के सामने यही बड़ा चैलेंज है कि वो 99.06 की औसत और नॉन-स्टॉप शतक ठोकने वाले बल्लेबाज को रोकेंगे कैसे? उनके सामने कैसी गेंदबाजी करेंगे?अर्जुन ने वैसे अग्नि चोपड़ा से ज्यादा रणजी मुकाबले खेले हैं. मिजोरम के साथ मैच खेलने से पहले अर्जुन तेंदुलकर ने भी 15 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 30 विकेट लिए हैं.

क्या दिखेगी बल्ले की 'आग' या अर्जुन का निशाना?

क्रिकेट की पिच पर शायद ये पहली बार है जब विधु विनोद चोपड़ा और सचिन तेंदुलकर के बेटे आमने-सामने हैं. देखना ये है कि अब अग्नि के बल्ले से एक और शतक निकलता है या फिर अर्जुन की गेंदों का निशाना उनके विकेट पर जाकर लगता है. वैसे 99.06 की औसत वाले बल्लेबाज के सामने गेंद डालना आसान नहीं रहने वाला.

स्वियातेक को मिली हार से अरिना सबालेंका को हुआ बड़ा फायदा

पहली बार नंबर एक के तौर पर करेंगी साल का अंत

रियाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कोको गॉफ की स्वियातेक पर 6-3, 6-4 से जीत से यह तय हो गया कि बेलारूस की 26 वर्षीय खिलाड़ी सबालेंका वर्ष 2024 के आखिर में महिलाओं के रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज रहेंगी। सबालेंका ने पिछले साल सितंबर में स्वियातेक को पीछे छोड़कर कुछ समय के लिए विश्व रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया था। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक को कोको गॉफ के खिलाफ डब्ल्यूटीए फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। स्वियातेक की हार से हालांकि, सबसे ज्यादा फायदा अरिना सबालेंका हुआ जो करियर में पहली

बार महिलाओं की रैंकिंग में साल का अंत शीर्ष पर रहकर करेंगी।

कोको गॉफ की स्वियातेक पर 6-3, 6-4 से जीत से यह तय हो गया कि बेलारूस की 26 वर्षीय खिलाड़ी सबालेंका वर्ष 2024 के आखिर में महिलाओं के रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज रहेंगी। सबालेंका ने पिछले साल सितंबर में स्वियातेक को पीछे छोड़कर कुछ समय के लिए विश्व रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया था। स्वियातेक हालांकि डब्ल्यूटीए फाइनल जीत कर फिर से शीर्ष पर पहुंच गई थीं। डब्ल्यूटीए ने यह भी घोषणा की कि कतेरीना सिनियाकोवा साल के अंत में युगल रैंकिंग में नंबर एक पर रहेंगी। चेक गणराज्य की यह खिलाड़ी इससे पहले 2018, 2021 और 2022 के आखिर में भी महिला युगल रैंकिंग में भी शीर्ष पर रही थीं।

सबालेंका ने कहा कि वह हमेशा से सेरेना विलियम्स और हाल ही में इगा स्विएतेक की तरह दौरे पर दबदबा बनाना चाहती थीं। बेलारूसी स्टार ने यह भी कहा कि वह वर्तमान में खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह दौरे पर हावी रहें।

इस साल सबालेंका ने ग्रैंडस्लैम में प्रभावित किया था और वह बिना सेट गंवाए दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने में सफल रही थीं। इसके बाद उन्होंने यूएस ओपन भी जीता था। इसके अलावा उन्होंने दो डब्ल्यूटीए 1000 खिताब भी अपने नाम किए थे। सबालेंका अगस्त में सिनसिनाटी ओपन और अक्तूबर में वुहान ओपन की चैंपियन बनी थीं जिससे इस सीजन उन्हें शीर्ष पर रहने में मजबूती मिली।

ऑस्ट्रेलिया ने जोश इंग्लिश को कप्तान बनाया

पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे, टी-20 सीरीज में कप्तानी करेंगे; सीनियर्स को आराम

मेलबर्न, 6 नवंबर (एजेंसियां)। विकेटकीपर बैटर जोश इंग्लिश ऑस्ट्रेलियाई टीम के इंटरिम कप्तान बनाए गए हैं। वे पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले और टी-20 सीरीज में टीम को लीड करेंगे। 29 साल के इंग्लिश वनडे के 30वें और टी-20 के 14वें कप्तान बने हैं।

टीम के रेग्युलर टी-20 कप्तान मिचेल मार्श वाइट बॉल सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वहीं, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे सीनियर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों में जुटे हैं।

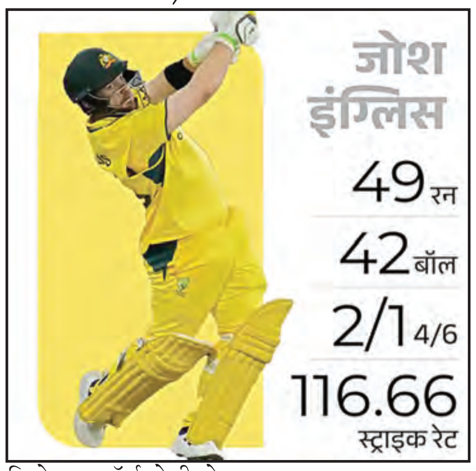

ऑस्ट्रेलियाई टीम के चीफ सिलेक्टर जॉर्ज बेली ने बुधवार रात को कहा- 'जोश वनडे और टी-20 टीमों के अहम सदस्य हैं। मैदान के अंदर और बाहर उनका बहुत सम्मान किया जाता है। वे ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तानी कर चुके हैं और इस भूमिका में सूझबूझ से पॉ जि टि व अप्रोच लाएंगे। उन्हें मैट शॉर्ट, एडम जम्पा के साथ मैक्सवेल और स्टोयनिश जैसे सीनियर्स का सपोर्ट मिलेगा।'

जोश इंग्लिश पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। उन्होंने अपनी शानदार फॉर्म के कारण ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोयनिस को कप्तानी की रेस में पीछे छोड़ दिया। 2023 वनडे वर्ल्ड कप में दमदार प्रदर्शन करने के बाद लिमिटेड ओवर क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के फर्स्ट च्वॉइस विकेटकीपर हैं।

उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पहले वनडे मैच में सबसे ज्यादा 49 रन बनाए। 42 बॉल की पारी में इंग्लिस ने 4 चौके और 3 सिक्स लगाए।

सभी क्षेत्रों के लोगों को सर्वेक्षण में योगदान देना चाहिए : पोन्नम प्रभाकर

सर्वे में बाधा डालने पर होगी कानूनी कार्रवाई * प्रगणकों को सर्वेक्षण सामग्री किट वितरित

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण, परिवहन विभाग और हैदराबाद जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार द्वारा 6 से 30 नवंबर तक किया जाने वाला व्यापक घर-घर परिवार सर्वेक्षण देश के लिए एक मॉडल होगा और लोगों को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण को औपचारिक रूप से मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, हैदराबाद जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी और उप महापौर के साथ लॉन्च किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के सभी जिलों में आज से एक व्यापक घर-घर परिवार सर्वेक्षण शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि सर्वे कराने के लिए 150 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं और सरकार ने सर्वे की सभी व्यवस्थाएं तैयार करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

उन्होंने कहा कि आज से 30 तारीख तक पूरे राज्य में सर्वेक्षण किया जाएगा, प्रगणक ब्लॉक के रूप में पहचाने गए मानचित्र के अनुसार घरों का सर्वेक्षण किया जाएगा और घर के मालिकों को स्टिकर दिए जाएंगे और नौ नवंबर से परिवार का व्यापक विवरण एकत्र किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण की समय-समय पर समीक्षा की जायेगी। उन्होंने कहा कि पूरे तेलंगाना में एक करोड़ 1% लाख 44 हजार घरों का सर्वेक्षण करने के लिए 88 हजार गणनाकारों को नियुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रगणक को 150 मकान आवंटित किये गये हैं तथा परिवार से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी ली जायेगी। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण लोगों की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और राजनीतिक स्थिति जानने का एक प्रयास है ताकि लोग किसी गलतफहमी का शिकार न हों। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी गई जानकारी से पात्र लाभार्थियों को भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस सर्वेक्षण से किसी के साथ कोई अन्याय नहीं होगा, कोई कठिनाई नहीं होगी और यह सर्वेक्षण भविष्य में सभी को न्याय दिलाने में योगदान देगा। इस सर्वेक्षण के साथ, तेलंगाना राज्य देश के लिए दिशा सूचक यंत्र बनने जा रहा है।

मंत्री ने अनुरोध किया कि सर्वेक्षण सौहार्दपूर्ण माहौल में किया जाना चाहिए और इसमें तेलंगाना के पूरे समाज, स्वयंसेवी संगठनों, सभी जाति संघों और सभी दलों के नेताओं को सौहार्दपूर्ण ढंग से भाग लेना चाहिए।मंत्री ने विपक्षी दलों से अपील की कि वे लोगों को गुमराह और डराएं नहीं और जरूरी सलाह दें. उन्होंने चेतावनी दी कि सर्वे में बाधा डालने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी. सरकार द्वारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम में तेलंगाना समाज के सभी वर्गों को सहयोग करने के लिए कहा गया है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सूचना संग्रहण अधिकारी को पूर्ण सहयोग दें तथा विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद में 29,58,277 घरों के सर्वेक्षण के लिए 20,920 गणनाकारों और 1728 पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया है। प्रगणकों को सलाह दी जाती है कि वे सर्वेक्षण के दौरान लोगों की शंकाओं का समाधान करें। मंत्री ने हैदराबाद के सभी जुड़वां शहरों के लोगों से पूरी जानकारी प्रदान करने की अपील की।

शहर की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि जीएचएमसी के तत्वावधान में आज से 30 तारीख तक व्यापक घर-घर परिवार सर्वेक्षण आयोजित किया जाएगा और सभी लोगों से सर्वेक्षण में पूर्ण सहयोग देने का अनुरोध किया गया है। प्रगणकों को घर-घर जाकर धैर्यपूर्वक जानकारी एकत्रित करने के निर्देश दिए गए। आवासीय कल्याण संघों, गैर सरकारी संगठनों, जन प्रतिनिधियों और जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों से सर्वेक्षण में योगदान देने का अनुरोध किया गया है। इसके बाद मंत्री, मेयर, डिप्टी मेयर, कलेक्टर, प्रमंडलीय आयुक्त अनुराग जयंती और अपर आयुक्तों ने प्रगणकों को सर्वेक्षण सामग्री किट (पेन, पैड, पेंसिल, शार्पनर, सीडी राइटर के साथ गणनाकार गाइड बुकलेट) वितरित किये। जीएचएमसी के मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी, हैदराबाद के जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, अतिरिक्त आयुक्त शिवकुमार नायडू, स्नेहा सबरीश, अलीवेलु मंगतयार, जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, जोनल वित्त सलाहकार सरथ चंद्र, डिप्टी कमिश्नर राज यू कांत, प्रगणक आदि ने भाग लिया।

बार-बार खाद्य विषाक्तता के मामलों के बाद कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालयों में बार-बार होने वाली खाद्य विषाक्तता की घटनाओं पर छात्रों के जीवन की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए एक कार्य योजना की घोषणा करे।

हरीश राव ने एक बयान में बुधवार को मंचेरियल के आदिवासी कल्याण विद्यालयों में भोजन विषाक्तता से 12 छात्रों के अस्पताल में भर्ती होने पर चिंता जताई। हाल ही में इसी तरह की एक घटना में, कुमारम भीम आसिफाबाद जिले के वानकीडी में एक अन्य आदिवासी कल्याण विद्यालय में लगभग 60 छात्रों ने दूषित भोजन खाया और अब वे ठीक हो रहे हैं।

दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान ने आज हैदराबाद के राजभवन में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की। बैठक के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने राज्य प्रशासन और भारतीय सेना के बीच किसी भी आपदा और आंतरिक सुरक्षा स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए घनिष्ठ समन्वय पर प्रकाश डाला। जनरल ऑफिसर ने हाल ही में राज्य प्रबंध समिति की बैठक के दौरान घोषित उनके लाभों में वृद्धि के लिए भूतपूर्व सैनिक समुदाय की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए विभिन्न नवीन योजनाओं के

बारे में भी चर्चा की, जिससे उनकी भलाई के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जा सके।लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने राज्यपाल को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रतिक्रिया और भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति भारतीय सेना के समर्पण को दोहराया गया, तथा राष्ट्र के प्रति इसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया।

एमसीईएम में टीईएस-44 कैडेट्स के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सैन्य कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स के कैडेट्स ट्रेनिंग विंग में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे तकनीकी प्रवेश योजना-44 के अधिकारी कैडेट्स के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आज उनके सैन्य प्रशिक्षण के सफल समापन पर आयोजित किया गया। यह आयोजन युवा कैडेट्स के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि वे भारतीय सेना में अपनी कमीशनिंग के लिए आगे बढ़ते हैं। समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय, वीएसएम, कमांडेंट एमसीईएमई और कोर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स (ईएमसी) के कर्नल कमांडेंट उपस्थित थे। जनरल ऑफिसर ने मेधावी कैडेट्स को सम्मानित किया, शैक्षणिक और सैन्य दोनों विषयों में उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को मान्यता दी। खेल और प्रशिक्षण में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को पदक और डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया गया, जो उनके कौशल,

अनुशासन और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय ने एक प्रेरक भाषण दिया, जिसमें युवा कैडेटों को अनुशासन, कड़ी मेहनत और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपने करियर की शुरुआत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने भारतीय सेना में शामिल होने के साथ आने वाले मूल्यों और जिम्मेदारियों पर जोर दिया, कैडेटों से सेना की सेवा की विरासत को बनाए रखने और 'कर्म ही धर्म' के आदर्श वाक्य का पालन करने का आग्रह किया। कमांडेंट ने टीईएस-44 पाठ्यक्रम की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया, भारतीय सेना के अधिकारियों के रूप में अपनी भूमिका में कदम रखते हुए ईमानदारी और सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व को मजबूत किया।

विंग कैडेट कैप्टन शिवराज प्रदीप मोरे को पाठ्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ घोषित किए जाने पर जीओसी-इन-सी, एआरटीआरएसी स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, जबकि विंग कैडेट एडजुटेंट ईशान लूथरा और प्लाटून कैडेट कैप्टन यश कुमार को क्रमशः जीओसी-इन-सी, एआरटीआरएसी रजत पदक और जीओसी-इन-सी, एआरटीआरएसी कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। कर्ण प्लाटून को शरदकालीन सत्र 2024 के लिए सर्वश्रेष्ठ प्लाटून चुना गया और उसे जीओसी-इन-सी एआरटीआरएसी बैनर प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया और उनकी लगन और कड़ी मेहनत की सराहना की। पुरस्कार समारोह के बाद, लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय ने पासिंग आउट कैडेट्स के गौरवान्वित माता-पिता से भी बातचीत की और भारतीय सेना के इन भावी नेताओं के समर्थन और बलिदान में उनकी भूमिका को स्वीकार किया।

डायपर निर्माण फैक्ट्री में लगी भीषण आग

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के नंदीगामा में कामसन हेल्थकेयर के डायपर निर्माण कारखाने में बुधवार तड़के भीषण आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और नुकसान की गई संपत्ति का अभी तक आकलन नहीं किया जा सका है। ऐसा संदेह है कि शॉर्ट सर्किट के कारण यह हादसा हुआ। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रात करीब एक बजे लगी आग तेजी से पूरी इकाई में फैल गई, जिससे डायपर बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल को भारी नुकसान पहुंचा।

सूचना मिलने पर, आस-पास के दमकल केंद्रों से दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग ने विनिर्माण इकाई में मौजूद संपत्ति को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि क्षतिग्रस्त संपत्ति की कीमत करीब 20 करोड़ रुपये बताई जा रही है। हालांकि, पुलिस अभी तक इसका पता नहीं लगा पाई है। नंदीगामा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में 2 किशोरों की मौत

करीमनगर, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। रामदुगु मंडल के किस्तापुर चौराहे पर मंगलवार शाम सड़क दुर्घटना में दो किशोरों की मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब जिस दोपहिया वाहन पर ये युवक यात्रा कर रहे थे, उसकी टक्कर विपरीत दिशा से आ रहे एक चार पहिया वाहन से हो गई। शिवाजी (18) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अरुण (20) ने अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। पुलिस के अनुसार, रामदुगु निवासी दोनों लोग करीमनगर से घर लौटते समय दुर्घटना का शिकार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

तेज रफ्तार कार मेट्रो रेल के खंभे से टकराई, एक घायल

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को माधापुर में एक तेज रफ्तार कार के नियंत्रण से बाहर हो जाने और मेट्रो रेल के खंभों के बीच सड़क के मध्य भाग से टकरा जाने से एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि जब बंजारा हिल्स से हाईटेक सिटी की ओर जा रही गाड़ी माधापुर पहुंची तो ड्राइवर ने स्टीयरिंग व्हील पर से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी बीच में जा टकराई। कार उसी गति से दूसरी तरफ उछली और फिर रुक गई। इस घटना के कारण व्यस्त सड़क पर यातायात जाम हो गया। माधापुर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कार चालक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है, जो घटना के तुरंत बाद मौके से भाग गया।

सिंचाई ठेकों में बड़ा घोटाला

केटीआर ने कांग्रेस सरकार को किया आगाह

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव के अनुसार, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने 9,910 करोड़ रुपये की दो प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया है, जिन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर लाभ के पद अधिनियम का उल्लंघन करते हुए दो कंपनियों को ये अनुबंध देने का आरोप लगाया है। उन्होंने सुंकीसला परियोजना में दीवार गिरने के मामले में एक ठेकेदार - मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने पर भी सवाल उठाया, जबकि विभागीय जांच समिति ने कंपनी को काली सूची में डालने की सिफारिश की थी।

विचाराधीन परियोजनाओं में 4,350 करोड़ रुपये की कोडंगल-नारायणपेट लिफ्ट सिंचाई योजना (एलआईएस) और मूसी नदी के पुनर्जीवन के लिए मल्लन्ना सागर से मूसी नदी तक पानी उठाने की 5,560 करोड़ रुपये की परियोजना शामिल है। जबकि कोडंगल-नारायणपेट परियोजना के टेंडर मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के परिवार के स्वामित्व वाले एमईआईएल और राघव कंस्ट्रक्शन को दिए गए थे। बुधवार को तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बात करते हुए रामा राव ने कहा कि कोडंगल-नारायणपेट एलआईएस, जिसका प्रस्ताव शुरू में पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने नारायणपेट-कोडंगल क्षेत्र में लगभग दो लाख एकड़ भूमि को लाभ पहुंचाने के लिए रखा था, को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बदल दिया है, जिससे इसका आयाकट कम हो गया है और लागत बढ़ गई है।

इसी तरह, मुख्यमंत्री ने मूसी नदी के पुनरुद्धार के लिए कोंडापोचम्मा सागर से उस्मान सागर तक पानी उठाने की पिछली बीआरएस सरकार की योजना को बदल दिया और इसके बजाय मल्लन्ना सागर से पानी उठाने का विकल्प चुना, जिसके परिणामस्वरूप खर्च बढ़ गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को लाभ पहुंचाने के लिए इन दोनों परियोजनाओं की लागत कई गुना

बढ़ा दी गई है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के परिवार के स्वामित्व वाली राघव कंस्ट्रक्शन को ठेके देने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और इसे हितों का स्पष्ट टकराव बताया। उन्होंने कहा कि यह लाभ के पद अधिनियम का भी उल्लंघन है, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना के लिए भी एमईआईएल को शामिल करने की योजना बना रही है, जिसके लिए वे पहले ही समझौता कर चुके हैं।

पीईटी के लिए 2 दिवसीय ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

हनमकोंडा, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय, हॉलैंड द्वारा आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले तेलंगाना बीसी कल्याण आवासीय संस्थानों के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों (पीईटी) के लिए दो दिवसीय भावातीत ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को हनमकोंडा में शुरू हुआ। दो दिवसीय ध्यान कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद सेंट पीटर्स शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष एन नारायण रेड्डी ने कहा कि ध्यान का अभ्यास व्यक्ति की आंतरिक क्षमता को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि आज के जीवन में तनाव और दबाव से निपटने के लिए ध्यान करना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि योग और ध्यान को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाता है। उन्होंने शारीरिक शिक्षा शिक्षकों से आग्रह किया कि वे न केवल शारीरिक फिटनेस बल्कि छात्रों के मजबूत मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी प्रयास करें।

हैदराबाद में स्वच्छ हवा बरकरार: सीआरईए रिपोर्ट

देशभर में बढ़ रहा प्रदूषण

हैदराबाद, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की वायु गुणवत्ता अक्टूबर में मजबूत रही तथा देश भर में बढ़ते प्रदूषण की प्रवृत्ति के विपरीत, उत्तरी और मध्य भारतीय शहरों में पीएम 2.5 सांद्रता में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, शहर में अक्टूबर में पीएम 2.5 का स्तर 31 गजी/एमक दर्ज किया गया, जिससे यह संतोषजनक वायु गुणवत्ता श्रेणी में और भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) के भीतर रहा, जबकि कई अन्य शहर बढ़ते कण स्तर से जूझ रहे थे।

नवीनतम वायु गुणवत्ता रिपोर्ट में बताया गया है कि निगरानी केंद्रों वाले 263 शहरों में से 214 शहर पीएम 2.5 के लिए भारत के एनएएक्यूएस 60 जी/एमक को पूरा करते हैं, जबकि केवल 13 शहर ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की अनुशंसित दैनिक सीमा 15 गजी/एमक के भीतर रहने में कामयाब रहे। मानसून के दीर्घकालिक प्रभाव से लाभान्वित हैदराबाद की हवा में लगातार पीएम 2.5 का स्तर दिल्ली जैसे शहरों में प्रदूषण के स्तर की तुलना में कम दर्ज किया गया, जहां अक्टूबर का औसत एनएएक्यूएस सीमा से दोगुना अधिक था। दिल्ली पर आस-पास के राज्यों में पराली जलाने का विशेष प्रभाव पड़ा, जिससे पीएम 2.5 का स्तर अक्सर खराब और बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया।

अलग-अलग दुर्घटनाओं में 3 की मौत

मेदक, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को नरसापुर कस्बे में एक मोटरसाइकिल के सड़क किनारे नाले में गिर जाने से 2 लोगों की मौत हो गई। कागज़ मद्दुर के रहने वाले रामुलु (34) और नरसिम्हुलु (30) की मौके पर ही मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए नरसापुर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

एक अन्य घटना में, शिववमपेट के शुभाशपल्ली में एक अज्ञात वाहन ने मिशन भागीरथ के एक सहायक के दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। नरसापुर के मुसापेट निवासी सादुला श्रीनिवास (55) तूप्रान में मिशन भागीरथ के साथ काम कर रहे थे। मामला दर्ज किया गया।

आरटीसी बसों के न रुकने पर प्रदर्शन

स्कूली छात्रों और अभिभावकों ने की नारेबाजी

कामारेड्डी, 6 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के लिंगमपेट मंडल के गांधीनगर गांव में बुधवार को बड़ी संख्या में छात्रों ने मुख्य सड़क पर धरना दिया और राज्य संचालित आरटीसी बसों के उनके गांव में नहीं रुकने पर अपना रोष व्यक्त किया। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से आरटीसी बस चालक गांधीनगर गांव में बस नहीं रोक रहे हैं, जिसके कारण स्कूली बच्चों को समय पर अपने स्कूल पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

छात्रों ने शिकायत की कि आरटीसी अधिकारियों से कई बार अपील करने के बावजूद उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई

है। उन्होंने इस मुद्दे का तत्काल समाधान करने की मांग की। बच्चों ने शिकायत की कि आरटीसी बसें उनके गांव में नहीं रुक रही थीं, इसलिए वे अपने स्कूल देर से पहुंच रहे थे और इसके परिणामस्वरूप उन्हें सजा भुगतनी पड़ रही थी। छात्र समय पर और विश्वसनीय बस सेवा की मांग कर रहे थे, जो उनके अनुसार उनकी शिक्षा और दैनिक आवागमन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

अभिभावकों का तर्क है कि राज्य सरकार चाहती है कि बच्चे पढ़ाई करें, लेकिन वह उन्हें स्कूल तक पहुंचने के लिए परिवहन की सुविधा नहीं देती। एक अभिभावक ने कहा कि क्या आप चाहते हैं कि हम अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दें? हम बस इतना चाहते हैं कि सरकार हमारे बच्चों को उनके स्कूल तक पहुँचने में मदद करे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.